रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फरवरी में रिकार्ड 4.25 लाख यात्री वाहनों की बिक्री -12

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार -12

सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 105 एकड़ जमीन देगी बंगाल सरकार -13

मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन -14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
15.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.32
सूर्यास्त 06.10

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 05:07 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 3 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 192, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

रंगों से आगे... आत्मा के रंगों की होली

होली केवल एक ऐसा पर्व न बने जहाँ हम एक-दूसरे को रंग लगा भर दें। होली वह उत्सव बने, जहाँ हम अपनी आत्मा के रंगों में रंग जाएं। बचपन की होली आज भी स्मृतियों में उतनी ही ताज़ा है। त्योहार आने से 15-20 दिन पहले ही उसका उत्साह शुरू हो जाता था। स्कूल से लौटते ही हम मित्र शाम का इंतज़ार करते। फिर सब मिलकर कस्बे के बाहरी हिस्सों की ओर निकल पड़ते -हाथ में फावड़ा या कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज़, सूखी टहनियाँ और लकड़ियां इकट्ठा करने के लिए। हम सूखे पेड़ों की डालियां और लकड़ियां जमा करते और एक स्थान पर उन्हें इस प्रकार सजाते जैसे कोई गुफा बना रहे हों। पूर्णिमा की रात तक हमारी होलिका दहन की तैयारी पूरी हो जाती।

हम गोबर के उपले, ईंधन और अन्य सामग्री भी एकत्र करते और मोहल्ले के लोगों को समय की सूचना देते। पूरा आयोजन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी समन्वय, सहयोग और आनंद का उत्सव होता था। समय के साथ तरीक़े भले बदल गए हों, पर होली का उत्साह आज भी वैसा ही जीवंत है। होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों और उल्लास से कहीं अधिक गहरा है। यह नवीनीकरण, क्षमा, समानता और आनंद का पर्व है। होलिका दहन में हम अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार और कटुता को भी अग्नि को समर्पित करते हैं। इसके बाद रंगों का उत्सव जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक बन जाता है जैसे अंधकार के बाद प्रकाश।

होली की सुबह एक अद्भुत दृश्य सामने आता है। घरों, गलियों और दिलों में जैसे कोई जादू उतर आता है। चेहरे रंगों से सराबोर होते हैं, हंसी संकोच की जगह ले लेती है, और वर्षों की दूरियां भी जैसे एक दिन के लिए मिट जाती हैं। यह मुक्ति केवल बाहरी नहीं, भीतर की भी होती है और यही होली का आध्यात्मिक सार है। रंग केवल सजावट नहीं, भावनाओं और संदेशों के प्रतीक हैं। लाल ऊर्जा और प्रेम का, पीला आस्था और पवित्रता का, हरा समृद्धि और नई शुरुआत का, और नीला अनंत आकाश जैसी व्यापकता का प्रतीक है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो अनजाने में हम शुभकामनाएं, अपनापन और सकारात्मकता भी बांटते हैं।

अमृत विचार में होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक भावना है। हमारा प्रयास सदैव यही रहता है कि हम समाज के जीवन में सकारात्मक विचारों, निष्पक्ष समाचारों और नई सोच के सुंदर रंग भर सकें। इस पावन अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरकों, सहयोगियों और समर्पित टीम के प्रत्येक सदस्य को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आइए, इस होली केवल रंग न खेलें — बल्कि मन, विचार और आत्मा को भी प्रेम, विश्वास और सद्भाव के रंगों से रंग दें। आप सभी को होली की शुभकामनाएं।

पार्थो कुनार, सीओओ

हिजबुल्लाह भी कूदा जंग में, इजराइल पर शुरू किए हमले
कुवैत में कई अमेरिकी विमान गिरे, यूएई में रिफाइनरी बंद

दोनों ओर से हमले तेज होने के बाद जंग का दायरा बढ़ा, कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी ईरान का मिसाइल हमला

- महायुद्ध में तब्दील होने लगा ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष, पश्चिम एशिया में और बढ़ा तनाव
- बेरुत में इजराइल के जवाबी हमले में मारा गया हिजबुल्लाह का खुफिया प्रमुख, 31 आम लोगों की भी मौत

दुबई, एजेंसी

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष का दायरा बढ़ने के साथ मंगलवार को तीसरे दिन युद्ध भीषण हो गया। इजराइल और अमेरिका के विमानों ने ईरान पर भारी बमवारी की तो जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाते हुए कुवैत में अमेरिका के कई एफ- 15 लड़ाकू विमान मार गिराए। कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल हमला किया, जिसके बाद यहां आग के साथ धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। ईरान के हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक रिफाइनरी को बंद करना पड़ा। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी निशाना बनाने का दावा किया है, हालांकि इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की।

इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खोमेनी की मौत के बाद लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह भी जंग में कूद पड़ा। सोमवार को उसने उत्तरी इजराइल में रॉकेटों से हमला किया। जवाब में इजराइल सशस्त्र बल ने बेरुत में हमला कर हिजबुल्लाह के खुफिया मुख्यालय के प्रमुख हुसैन मकलेद को मार गिराया। इजराइल ने बेरुत में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ आतंकवादियों, दर्जनों केंद्रों और हथियार जमा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्थल पर सटीक हमला किया। इस हमले में 31 अन्य लोगों की भी मौत हो गई। इधर, ईरान ने यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों को निशाना बनाना जारी रखा। यहां ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

भीषण जंग के बीच ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत में अमेरिका के कई एफ-15 स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। ये विमान ईरान पर हमले के लिए उड़ान भर रहे थे। हालांकि उनके पायलटों को सुरक्षित बचा लिया गया। कुवैत के आधिकारिक प्रवक्ता कर्नल साद अल अतवान ने विमानों के गिरने की पुष्टि की। हालांकि अमेरिका ने कहा कि उसके तीन विमानों को कुवैत की वायु रक्षा प्रणाली ने धोखे में हमला कर गिराया है। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी अपने हमलों का निशाना बनाए जाने का दावा किया है। हालांकि इसकी पुष्टि इजराइल की ओर से नहीं की गई। कुवैत सिटी में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल से हमला किया जिसके बाद परिसर के अंदर से आग और धुआं उठता देखा गया।

ईरान और ईरान समर्थित मिलिशिया ने इजराइल और अरब देशों पर बड़े पैमाने पर मिसाइलें दागीं। इसके बाद सऊदी अरब की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी अरामको ने दम्माम के समीप अपनी रास तानूरा तेल रिफाइनरी को अस्थाई रूप से बंद कर दिया। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि यह फैसला एहतियाती तौर पर लिया गया है। ईरानी हमलों के कारण तेल के व्यापार को खासा नुकसान पहुंचा है।

तेहरान में इजराइली हमलों के बाद उठता धुएं का गुबार।

इजराइल में ईरान के मिसाइल हमले से गड्ढे में तब्दील सड़क।

ईरान में दो दिन के अंदर 555 लोगों की मौत, 131 शहरों को भारी नुकसान

- अपने परमाणु स्थल नतांज पर भी हवाई हमले का ईरान ने लगाया आरोप

तेहरान/वियना। युद्ध क्षेत्रों में मानवीय सहायता पहुंचाने वाली संस्था रेड क्रिसेंट के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान में दो दिनों में 555 लोगों की मौत हो गई है और देश के 131 नगरों को खासा नुकसान पहुंचा है। इस बीच ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका-इजराइल ने उसके नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को हवाई हमलों का निशाना बनाया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने इस दावे की पुष्टि नहीं की। आईएईए में ईरान के राजदूत रेजा नजफी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों में ईरान के नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को निशाना बनाया गया है। इसके विपरीत आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि अब तक एजेंसी को कोई संकेत नहीं मिला है कि ईरान में परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया है। आईएईए मुख्यालय में रूस के अनुरोध पर संचालन मंडल की बैठक चल रही है। इजराइल ने इससे पहले 13 जून को नतांज में हमला किया था, जिससे यह काफी हद तक नष्ट हो गया था।

हमले में घायल खामेनेई की पत्नी ने भी तोड़ा दम

तेहरान। इजराइल के हमले में घायल हुईं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की पत्नी की भी सोमवार को मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार खामेनेई की पत्नी को शहादत नसीब हुई है। शनिवार को खामेनेई इजराइल के मिसाइल हमले में मारे गए थे। उनके कई रिश्तेदारों की भी मौत हो गई थी।

तेल टैंकर को टक्कर मारी, भारतीय की मौत

दुबई। ओमान में मस्कट प्रांत के तट के पास सोमवार को विस्फोटकों से भरी एक मानवरहित नौका के तेल टैंकर से टकराने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। ओमान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक शेष 21 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया। इनमें 16 भारतीय हैं। एक दिन पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य तेल टैंकर पर हमला हुआ था। इसमें चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए। जो भारत और ईरान के नागरिक थे।

न्यूज ब्रीफ

नागपुर विस्फोट मामले में नौ अधिकारी गिरफ्तार

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में विस्फोटक निर्माण कंपनी के कारखाने में हुए भीषण विस्फोट में 19 लोगों की मौत की घटना के बाद पुलिस ने कंपनी के नौ निदेशकों को गिरफ्तार कर लिया है। गैरइरादतन हत्या के आरोप में एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के 21 निदेशकों और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद नागपुर के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच नागपुर की संभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी करेंगी। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि विस्फोट लापरवाही के कारण हुआ है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में 41 पैसे की भारी गिरावट

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच सोमवार को रुपया 41 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 91.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच सैन्य हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आने से अमेरिकी मुद्रा की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है। घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की निकासी ने भारतीय मुद्रा पर दबाव को और बढ़ा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.23 पर खुला और कारोबार के दौरान इसने 91.65 का निचला स्तर छुआ। अंत में रुपया 91.49 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया 17 पैसे टूटकर 91.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

दिल्ली: बैंकों, स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के तीन बैंकों और छह स्कूलों को सोमवार को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं, जिन्हें गहन जांच के बाद फर्जी घोषित कर दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि संस्थानों को उनके परिसर में विस्फोटक सामग्री होने की सूचना देने वाले ईमेल प्राप्त होने के बाद सुबह लगभग 8.20 बजे इस बाबत कॉल आने शुरू हो गए। जिन बैंकों को धमकियां मिलीं उनमें कनॉट प्लेस स्थित एक्सिस बैंक की शाखा, भारतीय स्टेट बैंक की एम्स शाखा और पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित एसबीआई की शाखा शामिल हैं।

फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने किया खाड़ी देशों की मदद का एलान

- कहा- ईरान की मिसाइल और ड्रोन को दागने से पहले ही नष्ट करेंगे
- ईरान पर साइप्रस में ब्रिटिश सैन्य अड्डे को निशाना बनाने का आरोप

लंदन, एजेंसी

फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने ईरान के हमले के शिकार बने खाड़ी देशों की मदद का एलान किया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरट ने कहा कि उनके सहयोगी देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, इराक को इस जंग में घसीटा गया है। हम उनकी सुरक्षा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस, ईरान के खिलाफ जार्डन की मदद करेगा।

इस बीच बहरीन पर हुए ईरानी हमले की जानकारी देते हुए ब्रिटेन के विदेश मंत्री कूपर ने कहा कि साइप्रस के ब्रिटिश सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में ब्रिटेन को अपनी जिम्मेदारी का अहसास है जो खाड़ी में सहयोगियों की रक्षा से संबंधित है। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने एक संयुक्त बयान में कहा, हम क्षेत्र में अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएंगे, जिसमें आवश्यक और आनुपातिक रक्षात्मक कार्रवाई सक्षम करना शामिल हो सकता है, ताकि ईरान की मिसाइल और ड्रोन दागने की क्षमता को उनके स्रोत पर नष्ट किया जा सके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि ब्रिटेन ने अमेरिकी अनुरोध स्वीकार किया है। खाड़ी क्षेत्र में हमारे साझेदारों ने भी हमसे उनकी रक्षा के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्रिटेन के जेट विमान पहले से ही हवा में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन ईरान पर प्रारंभिक हमलों में शामिल नहीं था और अब भी किसी आक्रामक सैन्य कार्रवाई में शामिल नहीं होगा।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का दावा, कहा- भ्रम न फैलाएं, अब हम अमेरिका से बातचीत नहीं करेंगे

तेहरान। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कोई भी नई बातचीत करने से इन्कार कर दिया है। इससे ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच पूरे पश्चिम एशिया में सैन्य टकराव बढ़ने की आशंका है। लारीजानी ने पर्दे के पीछे गोपनीय बातचीत (बैक चैनल डिप्लोमेसी) की खबरों को खारिज करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति पर आरोप लगाया कि उन्होंने भ्रम वाली हरकतें करके इलाके को अस्थिरता में धकेल दिया है। लारीजानी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप ने अपने अमेरिका फर्स्ट के नारे को इजराइल फर्स्ट में बदल दिया है और इजराइल की इच्छाओं के लिए अमेरिकी सैनिकों की कुर्बानी दे दी है। अब उन्हें और अमेरिकियों के मारे जाने का डर है लेकिन ईरान अपना अभियान जारी रखेगा।

पूरी दुनिया को अपनी जद में लेने लगी युद्ध की विभीषिका

कच्चे तेल की कीमतों में 10% वृद्धि

न्यूयॉर्क। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। ये कीमतें तेज उछाल के साथ करीब 10% तक बढ़ गईं। ऊर्जा आपूर्ति शृंखला में व्यवधान की आशंका गहरा गई है। कच्चा तेल सोमवार सुबह करीब नौ प्रतिशत चढ़ गया।

सेंसेक्स में 1,048 अंकों की गिरावट

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल में तेज उछाल से स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को तेज गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,048 अंक का गोता लगा गया और छह महीने के निचले स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 313 अंक के नुकसान में रहा।

चांदी 32,000, सोना 8,100 उछला

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट गहराने से निवेशक सुरक्षित संपत्ति की ओर रुख करने लगे हैं। इस कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी तीन लाख रुपये किलोग्राम और सोना 1.73 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब जा पहुंचा। दोनों धातुओं की कीमतों में 12% तक का उछाल आया।

यूरेनियम आपूर्ति पर भारत और कनाडा के बीच करार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने सोमवार को यूरेनियम एवं महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को लेकर अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करने के साथ वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को जल्द अंतिम रूप देने पर भी सहमति बनी।

दोनों नेताओं के बीच यहां हुई बातचीत के दौरान रक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर (एसएमआर), शिक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया गया। मोदी ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। यह फिलहाल लगभग 13 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा, आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता हासिल करना हमारी प्राथमिकता है। इसलिए हमने सीईपीए को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। इससे दोनों देशों में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

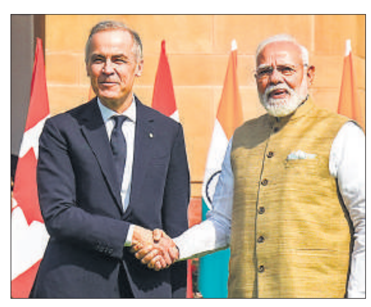

समझौते के दौरान कार्नी के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

- दोनों देशों ने तय किया आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर ले जाने का लक्ष्य

भारत-कनाडा संबंध नई ऊर्जा से भरे हुए: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एवं कनाडा के द्विपक्षीय संबंध अब नई ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता से भरे हुए हैं। कनाडा 2.6 अरब डॉलर के यूरेनियम आपूर्ति समझौते के तहत भारत के असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का समर्थन करेगा। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर ऐतिहासिक समझौता हुआ है। हम छोटे मॉड्यूलर और उन्नत रिएक्टरों पर भी साथ काम करेंगे।

माता-पिता, बहन-दादी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

- संपत्ति विवाद का मामला, बड़े भाई को भी किया गंभीर घायल

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। चार वर्ष पूर्व बेची गई पैतृक जमीन के एवज में मिले पैसों में हिस्सा न मिलने से नाराज छोटे पुत्र ने झगड़े के बाद पिता, मां, बहन और बुजुर्ग दादी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। बड़े भाई गुरुदेव को भी घायल कर दिया। बाद में खुद को घिरा देख आरोपी ने खुद पर ईंट से हमला करते हुए जान देने की कोशिश की।

एएसपी (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी ने थाना रुपईडीहा के ग्राम रामपुर ऊदल निवासी गुरुदेव की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर बताया कि बीती रात एक बजे उसके छोटे भाई निरंकार का पिता से जमीन के रुपये व गहनों में अपने हिस्से की मांग को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद हिस्सा न मिलने से तिलमिलाए निरंकार ने पिता बदलूराम (60), मां संजू देवी (56), बहन पार्वती (42) व दादी शीतला (80) की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। गुरुदेव ने चीख पुकार के बाद जब निरंकार को रोकने की कोशिश की तो उस पर भी हमला कर घायल कर दिया। हत्या के बाद निरंकार ने ईंट से अपने सिर पर प्रहार करके खुद को भी गंभीर रूप से जख्मी कर लिया। एएसपी ने बताया कि तहरीर पर निरंकार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

गंभीर मामला | निचली अदालत में काल्पनिक आधार पर निर्णय करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- गहन जांच करेंगे

एआई निर्मित फर्जी फैसलों पर भरोसा चूक नहीं कदाचार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत में एआई की मदद से कथित तौर पर तैयार किए गए काल्पनिक फैसलों पर भरोसा करने के मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि इसके आधार पर निर्णय लेना कोई त्रुटि नहीं बल्कि कदाचार के बराबर है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने कहा है कि वह मामले की विस्तार से पड़ताल करेगी। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता तथा बार भारतीय विधिज्ञ परिषद को नोटिस जारी किया है।

- कोर्ट ने कहा- इसका शुचिता पर असर, कानूनी नतीजे भुगतने होंगे

अदालत ने इस मामले में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान को भी नियुक्त किया है। पीठ ने कहा, हम निचली अदालत के एआई निर्मित गैरमौजूद, फर्जी या कृत्रिम कथित निर्णयों पर भरोसा करने का संज्ञान लेते हैं और इसके परिणामों तथा जवाबदेही की पड़ताल करना चाहते हैं क्योंकि इसका न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता पर सीधा असर पड़ता है। पीठ ने 27 फरवरी के आदेश में कहा, सबसे पहले, हमें यह स्पष्ट करना होगा कि इस प्रकार के निराधार और फर्जी कथित फैसलों पर आधारित निर्णय लेना, निर्णय लेने में त्रुटि नहीं है। यह कदाचार होगा और इसके कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। यह आवश्यक है कि हम इस मुद्दे की अधिक विस्तार से पड़ताल करें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला काफी चिंता का विषय है। पीठ ने सुनवाई 10 मार्च को निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि विशेष अनुमति याचिका के निपटारे तक निचली अदालत अधिवक्ता-आयुक्त की रिपोर्ट पर कार्यवाही न करे। इससे पहले 17 फरवरी को सीजेआई सूर्यकांत के नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने एआई उपकरणों से तैयार की गई याचिकाओं को दाखिल करने के वकीलों के बढ़ते चलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई में सामने आया मामला

यह मुद्दा शीर्ष अदालत के समक्ष तब सामने आया जब वह आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जनवरी के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं ने कुछ आपत्तियां उठाकर अधिवक्ता आयुक्त की रिपोर्ट को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने पिछले साल अगस्त में अपने आदेश में आपत्तियों को खारिज कर दिया था और इस प्रक्रिया में कुछ निर्णयों पर भरोसा किया था। इसके बाद, याचिकाकर्ताओं ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी और दलील दी कि जिन फैसलों का जिक्र किया गया और जिन पर भरोसा किया गया, वे अस्तित्वहीन और फर्जी थे। शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि हाईकोर्ट ने आपत्ति पर विचार किया और पाया कि फैसले एआई के जरिए तैयार किए गए थे।

ईरान-अमेरिका युद्ध
लंबा खिंचने के आसार

- पूरे क्षेत्र में युद्ध की विभीषिका फैलाने के लिए ईरान पड़ोसी देशों पर कर रहा लगातार हमले
- अमेरिका-इजराइल सत्ता परिवर्तन के लिए आक्रमण की धार और तेज करने की तैयारी में

अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिकी सेना ईरान पर चार से पांच हफ्ते तक हमला जारी रख सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान में सत्ता बदलने के लिए जिस तरह हमने वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाया है, उसी तरह की जरूरत यहां भी पड़ सकती है, ताकि देश के अधिकांश हिस्से को ज्यादा प्रभावित ना किया जाए। यह मुश्किल नहीं होगा। हमारे पास दुनिया भर के अलग-अलग देशों में गोला-बारूद रखा हुआ है।

–डोनाल्ड ट्रंप, द न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ संक्षिप्त टेलीफोन इंटरव्यू

इजराइल के हेब्रान में ईरान की ओर से दागी गई मिसाइल के आसमान से नीचे गिरने का दृश्य।

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध छोटा और निर्णायक होने की उम्मीद के विपरीत लंबा खिंच सकता है। ईरान जिस तरह पश्चिमी देशों के अनुमान से कहीं अधिक मजबूती से मुकाबला कर रहा है, उससे यह जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह लंबे समय तक चलने वाले युद्ध के लिए तैयार है। ईरानी सेना का दावा है कि उनकी मिसाइल क्षमताएं अभी भी काफी हद तक सुरक्षित हैं, और ड्रोन अगले कई दिनों तक हमलों के लिए तैयार हैं। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साफ कह रहे हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते। इस बीच अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के अनुसार, मध्य पूर्व में और अधिक सैनिक भेजे जा रहे हैं।

ईरान हमले के बाद लगातार युद्ध को अपने तक सीमित न रखकर पूरे क्षेत्र में फैलाने की कोशिश कर रहा है। वह अपनी लंबी रेंज की मिसाइलों से मध्य पूर्व देशों में स्थित सभी अमेरिकी बेस पर हमला कर रहा है। बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और संपत्तियों पर उसके हमले जारी हैं, इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैल गई है। ईरान चाहता है कि ये देश अमेरिका और इजरायल को कार्रवाई करने से रोकें। दुनिया पर ईंधन संकट का दबाव डालने के लिए उसने सऊदी अरब, कुवैत और कतर में तेल और गैस उत्पादन ढांचे को भी निशाना बनाया है।

भारत की पश्चिमी कमान के पूर्व फ्लैग-ऑफिसर-कमांडिंग वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा (सेवानिवृत्त) के मुताबिक ईरान के पास मिसाइलों और ड्रोन का विशाल भंडार हैं। ऐसे संकेत हैं कि रूस और चीन ने अपनी आपूर्ति लाइनें खोल दी हैं। रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के पूर्व उप महानिदेशक मेजर जनरल आलोक देब का कहना है कि जल्दी सत्ता परिवर्तन मुश्किल है, क्योंकि ईरान के पास सैन्य और नागरिक नेतृत्व का एक बड़ा समूह है, जिसे नौकरशाही का भी समर्थन प्राप्त है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा खतरा 'बदले की भावना' में छिपा है। यदि ईरान को लगता है कि अमेरिकी हमले उसके अस्तित्व के लिए खतरा हैं, तो वह एक व्यापक युद्ध की ओर बढ़ सकता है।

इजराइल के बेटशियान शहर में ईरानी मिसाइल हमले में ध्वस्त हुई इमारत।

जश्न अभी विद्रोह का इशारा नहीं

- ईरान, अमेरिका समर्थित अरब देशों पर हमले इस उम्मीद में कर रहा है कि वे ट्रंप पर युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालेंगे, जबकि ट्रंप और नेतन्याहू को ईरान के कुछ हिस्सों में खामेनेई की मौत के बाद हुए जश्न से आशा है कि जनवरी की तरह ईरानी जनता विद्रोह करके धार्मिक शासन का अंत कर देगी। लेकिन अभी डेढ़ माह पहले जैसे हालात ईरान में अभी नहीं नजर आ रहे हैं।

अमेरिका को और नुकसान की आशंका रखनी चाहिए

- अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैनियल केन ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी लड़ाई 'एक रात के अभियान' तक सीमित नहीं रहेगी। अमेरिका को अपने और अधिक सैनिकों के हताहत होने की आशंका रखनी चाहिए, जो सैन्य लक्ष्य सौंपे गये हैं, उन्हें हासिल करने में समय लगेगा। कुछ मामलों में, यह काम कठिन और चुनौतीपूर्ण होगा।

ईरान में 550 से ज्यादा लोगों की मौत

- **तेहरान।** इजराइल तथा अमेरिका के ईरान पर संयुक्त हमले में अब तक ईरान में 555 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी है। इजराइल ने ईरान के साथ साथ लेबनान को भी निशाना बनाया और दावा किया कि उसने वहां सक्रिय आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के खुफिया प्रमुख हुसैन माकलेद को मार डाला है। इससे पहले लेबनान ने कहा कि दक्षिणी इलाकों और राजधानी बेरूत पर इजराइली हवाई हमलों में 31 लोग मारे गए और डेढ़ सौ से अधिक घायल हो गए।

पिछले साल 12 दिन चली जंग, अब तक 6 बार संघर्ष

स्पेशल डेस्क

अमृत विचार। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच छोटे संघर्ष कई बार हो चुके हैं। अब तक छह बार हो चुकी लड़ाई मिसाइलों, ड्रोनों और हवाई हमलों से ही लड़ी गई है। सबसे बड़ी जंग जून 2025 में 12 दिन चली थी। 1988 में एक दिन के लिए अमेरिका और ईरान के बीच छोटी लेकिन तेज जंग हुई थी, जिसमें अमेरिका ने जीत हासिल की थी। इस जंग में अमेरिका के 2 जबकि ईरान के 56 सैनिक मारे गए थे। ईरान की नौसेना लगभग तबाह हो गई थी। जनवरी 2020 में अमेरिका ने ईरान के बड़े कमांडर कासिम सुलेमानी को मार दिया था। ईरान ने बदला लेने के लिए इराक में अमेरिकी बेस पर मिसाइलें दागी थीं। इस जंग में कोई सैनिक नहीं मरा लेकिन 110 से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों को दिमागी चोट पहुंची थी। अप्रैल 2024 में ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। लेकिन इजराइल ने 99 प्रतिशत हमले रोक लिए। जंग 2 दिन चली, नुकसान बहुत कम हुआ। इसके बाद अक्टूबर 2024 में ईरान ने 180 मिसाइलें दागीं। इजराइल ने ईरान पर हमला किया। दोनों संघर्ष में इजरायल की जीत हुई। जून 2025 में इजराइल और अमेरिका के साथ ईरान की सबसे बड़ी जंग हुई, जो 12 दिन, 13 जून से 24 जून तक चली। इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया और लगभग ध्वस्त कर दिया। इस जंग में ईरान के एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें 400 से नागरिक थे। इजराइल में भी 28 लोग मारे गए। ईरान के कई परमाणु प्लांट, मिसाइल फैक्ट्री और एयर डिफेंस तबाह हो गया। इसी दौरान अमेरिका ने 2 जून को ईरान के तीन परमाणु प्लांट पर हमला किया था।

ईरान पर हमले को लेकर अमेरिकी संसद में होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान पर अमेरिका की बमबारी के बाद अमेरिकी संसद युद्ध शुरू करने की राष्ट्रपति की शक्तियों पर चर्चा कर सकती है। संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने इस सप्ताह युद्ध से जुड़ी शक्तियों को लेकर प्रस्ताव तैयार किए हैं, जिनपर बहस के बाद मतदान होना है। इन हमलों में अमेरिकी करदाताओं का बेहिसाब पैसा खर्च हो रहा है। 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद साल 2003 में इराक युद्ध से पहले अमेरिकी संसद में लंबी बहस हुई थीं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा हाल ही में वेनेजुएला में अमेरिका ने सीमित सैन्य हमले किए थे। लेकिन ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम से शुरू किए गए इस अभियान का निकट भविष्य में अंत होता प्रतीत नहीं हो रहा है। ईरान के जवाबी हमलों में अमेरिका के कम से कम तीन सैन्य कर्मियों की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने रविवार को आगाह किया था कि जान गंवाने वाले अमेरिकियों की संख्या बढ़ सकती है। यह समय संसद के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी संविधान के तहत केवल संसद के पास युद्ध की घोषणा करने का अधिकार होता है। निगरानी संगठन 'प्रोजेक्ट ऑन गवर्नमेंट ओवरसाइट' में द कंस्टीट्यूशन प्रोजेक्ट के कार्यकारी निदेशक डेविड जानोव्स्की ने कहा, "संविधान का उद्देश्य किसी एक सरकारी संस्था या व्यक्ति को सर्वशक्तिशाली होने से रोकना है।" उन्होंने कहा, "वास्तविक जन प्रतिनिधि संसद सदस्य होते हैं, राष्ट्रपति नहीं। हालांकि, हम आम तौर पर राष्ट्रपति पर ही सबका ध्यान रहता है। हमें ऐसे जन प्रतिनिधियों की जरूरत है, जो यह तय करें कि युद्ध में शामिल होना है या नहीं।" अमेरिका में युद्ध की घोषणा, युद्ध की मंजूरी या सैन्य बल के उपयोग के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होती है। लेकिन ऐसा कभी कभार ही होता है। वास्तव में, संसद ने देश के इतिहास में केवल पांच बार युद्ध की घोषणा की है। आखिरी बार संसद ने 1941 में पर्ल हार्बर हमले के एक दिन बाद दूसरे विश्व युद्ध में दाखिल होने की घोषणा की थी।

विश्वसनीय बदलाव ही समाधान : ईयू अध्यक्ष

- **ब्रुसेल्स।** यूरोपीय यूनियन (ईयू) की अध्यक्ष उर्सूला वान डेर लेयेन ने कहा है कि पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी अस्थिर बनी हुई है, लेकिन ईरान के लंबे समय से पीड़ित लोगों के लिए एक नयी उम्मीद जगी है। हम अपने भविष्य का निर्धारण करने के उनके अधिकार का पुरजोर समर्थन करते हैं। ईरान को अपने पड़ोसियों और संप्रभु देशों पर किये जा रहे अपने लापरवाह और अंधाधुंध हमलों को बंद करना चाहिए। इस क्षेत्र की स्थिरता का एकमात्र स्थायी समाधान ईरान में एक विश्वसनीय बदलाव है, जिसमें परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रमों पर रोक के साथ क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों का अंत शामिल है।

फ्रांस परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएगा

- **पेरिस।** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को घोषणा की कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों की संख्या में वृद्धि करेगा। मैक्रों ने उत्तर-पश्चिमी फ्रांस के ले लोंग स्थित सैन्य प्रतिष्ठान में कहा, ''मैंने अपने शस्त्रागार में युद्धक हथियारों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है।फ्रांस परमाणु हथियारों से लैस अपने विमानों को सहयोगी देशों में अस्थायी रूप से तैनात करने की अनुमति देगा।

फ्रैंडली फायर में गिरे तीन एफ-15

- कुवैत में क्रैश हुए तीन अमेरिकी लड़ाकू विमानों पर अमेरिकी सेना ने अपडेट जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में सेंट्रल कमान ने लिखा है कि उनके तीन एफ-15 विमान कुवैत की फ्रैंडली फायर में गिरे हैं। इस बारे में अमेरिकी सेना ने एक बयान में कहा कि "अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों को कुवैती एयर डिफेंस ने गलती से मार गिराया है।" बयान में आगे कहा गया कि सभी पायलट सुरक्षित हैं। कुवैत ने इस घटना की पुष्टि की है और हम कुवैत के एयर डिफेंस फोर्सेस के प्रयासों और जारी अभियान में उनके समर्थन के आभारी हैं।

परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं

- जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि अब तक ईरान के किसी भी परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं हुआ है, लेकिन 'रेडियोधर्मिता रिसाव' की संभावना को टाला नहीं जा सकता। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा कि आईएईए स्थिति की निगरानी जारी रखेगा।

मस्कट में तेल टैंकर पर हमला, भारतीय की मौत

दुबई, एजेंसी

ओमान में मस्कट प्रांत के तट पर सोमवार को विस्फोटकों से भरी एक मानवरहित नौका के तेल टैंकर से टकराने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। ओमान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि मस्कट प्रांत के तट से 52 समुद्री मील दूर तेल टैंकर एमकेडी वीवाईओएम पर एक मानवरहित नाव द्वारा हमला किया गया था।'' उसने कहा कि हमले के परिणामस्वरूप इंजन रूम में विस्फोट के बाद आग लग गयी एवं चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई। उसने कहा कि चालक दल के शेष 21 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया। मंत्रालय ने मृतक की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया, लेकिन स्थानीय मीडिया ने बताया कि वह टैंकर के चालक दल का एक भारतीय सदस्य था। 'ओमान ऑब्जर्वर' ने बताया,''हमले के कारण मुख्य इंजन कक्ष में आग और विस्फोट हुआ, जिससे चालक दल के एक भारतीय सदस्य की मौत हो गई।'' उसने यह भी बताया कि बचाए गए चालक दल में 16 भारतीय नागरिक, चार बांग्लादेशी नागरिक और एक यूक्रेनी नागरिक शामिल थे। एक दिन पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य तेल टैंकर पर हमला हुआ था। एमवी स्काईलाइट नामक इस टैंकर पर हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए।

दुबई से भारत के लिए सीमित उड़ानें शुरू

दुबई। दुबई हवाई अड्डे ने सोमवार शाम सीमित संख्या में उड़ानों का परिचालन शुरू करने की घोषणा की है जिसमें कई भारतीय शहरों की उड़ानें भी शामिल हैं। ये उड़ानें दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और दुबई वर्ल्ड सेंट्रल-अल मक्तूम इंटरनेशनल से शुरू होंगी। दुबई हवाई अड्डे को ईरानी मिसाइल हमले के बाद बंद कर दिया गया था। दुबई हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, पहली उड़ान ईके 500 मुंबई के लिए भारतीय समय के अनुसार रात 9 .30 बजे रवाना होगी। चेन्नई की उड़ान रात नौ बजे रवाना होगी।

न्यू वर्ल्ड आर्डर

ट्रंप की परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय धमकी, सैन्य दबाव और रिजीम चेंज की रणनीति

शांति का फरिश्ता बनने की चाहत और जंग का रास्ता

स्पेशल डेस्क

अमृत विचार। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार सत्ता में यह कहकर लौटे थे कि वह लंबे समय से चलते आ रहे युद्धों को समाप्त करेंगे। अपने इस वादे के पीछे उन्होंने अमेरिकी जनता को अफगानिस्तान और इराक में लड़े गए युद्धों की याद दिलाई थी, लेकिन एक साल में ही उन्होंने सीरिया, वेनेजुएला और ईरान सहित कई देशों में खुलेआम सैन्य अभियान शुरू कर दिए। ट्रंप एक तरफ तो दुनिया के सामने खुद को शांति का सबसे बड़ा फरिश्ता पेश कर रहे हैं। वह दावा करते हैं कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त कराए हैं, इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। अपने शांति अभियान के लिए ही वह एक ओर जहां 'बोर्ड ऑफ पीस' बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर वापस लेने, क्यूबा को दबाने और वेनेजुएला की ही तरह कोलंबिया के राष्ट्रपति को खुली धमकी भी देने से नहीं चूक रहे हैं।

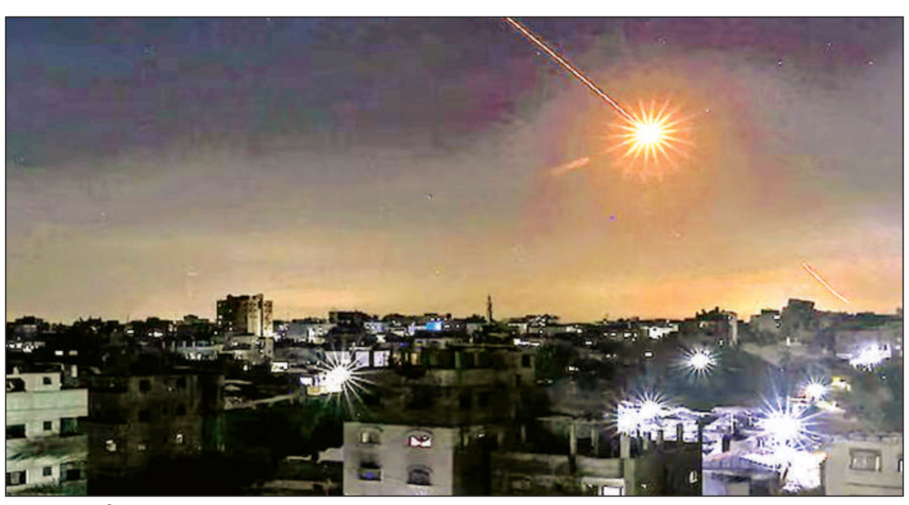

सेंट्रल गाजा पट्टी में ईरान द्वारा किया गया मिसाइल हमला।

ट्रंप ने 2016 में जब पहली बार राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था, तो उन्होंने अमेरिका में पिछली सरकारों की सैन्य कार्रवाइयों का विरोध करते हुए कहा था कि दूसरे देशों में सरकार बदलना पूरी तरह से एक विफल नीति है और भरोसा दिलाया था कि वे विदेशी सरकारों को गिराने की होड़ रोकेंगे। कुछ इसी तरह का दावा उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति का चुनाव लड़ते समय भी किया था कि उनके पहले कार्यकाल में कोई नया युद्ध शुरू नहीं हुआ, और इसी के दम पर वह चुनाव जीते थे।

लेकिन अब देखा जा रहा है कि ट्रंप की 'युद्ध और शांति' से जुड़ी नीति उनके 'पीस थ्रू स्ट्रेंथ' यानी शक्ति के माध्यम से शांति के सिद्धांत पर आधारित है। इसी के चलते अब वह तर्क दे रहे हैं कि अमेरिका की अत्यधिक सैन्य शक्ति ही दुनिया में शांति बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ट्रंप की रणनीति राष्ट्र निर्माण के बजाय विशिष्ट लक्ष्यों पर सटीक और बड़े प्रहार करने की है। इसी मिशन के तहत उन्होंने

2026 में एक ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट प्रस्तावित किया है, ताकि अमेरिकी सेना की मारक क्षमता और तैयारी को अभेद्य और अविजित बनाया जा सके। वह परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय सीधे धमकी और सैन्य दबाव बनाने के साथ शासन परिवर्तन (रिजीम चेंज) जैसी संभावनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। ईरान पर हमले को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। अपनी तमाम कोशिशों के बाद उन्होंने काफी सोच-समझकर यह दांव चला है, और उन्हें उम्मीद है कि इसके माध्यम से वह मध्य पूर्व को नया स्वरूप देने में कामयाब हो सकेंगे। यह एक ऐसा मंसूबा है, जिसे बीते तमाम दशकों में कई अमेरिकी राष्ट्रपति चाहकर भी करने में सफल नहीं रहे हैं।

ऐसे में अगर अमेरिका केवल हवाई ताकत का इस्तेमाल करके ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट करने और वहां सत्ता परिवर्तन कराने में सफल हो जाते हैं, तो यह उनकी बड़ी ऐतिहासिक जीत में शुमार हो जाएगा। इसके बाद वह दावा कर सकेंगे कि जिस काम को पीढ़ियों से कोई हासिल नहीं कर पाया, वह उन्होंने कर दिखाया है। अपने इस लक्ष्य के लिए उनके इरादा कितना मजबूत है, इसे इसी बात से समझा जा सकता है, जब वह समाचार संस्थान एक्सियोस को बताते हैं कि 'मैं लंबे समय तक खेल सकता हूं और पूरे मामले को अपने हाथ में ले सकता हूं, या फिर मैं इसे दो या तीन दिनों में समाप्त भी कर सकता हूं।' इसी के बाद वह ट्रूथ सोशल पर लिखते हैं कि ' ईरान पर भारी और सटीक बमबारी... पूरे सप्ताह या जब तक आवश्यक हो, बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।'

इन बातों से ट्रंप का विदेश नीति के प्रति मनमाना रवैया सामने आता है, जिसमें उन्होंने हमला करने से पहले न तो अमेरिकी कांग्रेस को कोई जानकारी दी और न ही अमेरिकी जनता को कुछ बताया। ईरान के साथ युद्ध शुरू करना अमेरिकी जनता के हित में क्यों है, इस बारे में ट्रंप ने पहले से कोई ठोस तर्क भी नहीं दिए। सिर्फ इसी बात पर जोर दिया कि अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को कितना बड़ा खतरा होगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान जल्दी ही एक ऐसी मिसाइल हासिल बना लेगा जो अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती है।

अनुराग
हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

तमंचे के साथ दबोचा गया हिस्ट्रीशीटर का पुत्र

छिबरामऊ, कन्नौज। सोमवार को थाना विशुनगढ़ पुलिस ने ग्राम भोला नगरिया रोड से करीब 100 मीटर दूर मैदान के पास से वांछित अभियुक्त ग्राम धरनी धरपुर नगरिया निवासी गौरव यादव पुत्र अशोक कुमार उर्फ मुनुआ को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। थाना प्रभारी ने बताया कि गौरव पहले से एक मामले में वांछित था। बरामद हथियार के आधार पर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में नया केस दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा।

हाथरस में हुई चोरी में सौरिख के आरोपी का पिता गिरफ्तार

सौरिख। हाथरस में तकरीबन ढाई महीने पहले हुई लाखों के जेवर चोरी के मामले में आरोपी के पिता को कन्नौज के खड़नी से गिरफ्तार किया गया। मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से हाथरस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हाथरस जनपद की कोतवाली सिकंदरा राऊ के मोहल्ला अनल कॉलोनी बारह सैनी निवासी गीता देवी पत्नी ओमवीर सिंह ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 11 दिसंबर 2025 को उन्होंने अपने सोने के जेवरात पेंडल, मंगलसूत्र, अंगूठियां, कुंडल आदि बक्से में रखकर ताला लगाया था 16 फरवरी 2026 को भाई की शादी में जाने के लिए अपने जेवरात निकालने चाहे तो वे गायब थे। आगे बताया कि 1 सितंबर 2025 से उनके मकान के ऊपरी मंजिल में किराएदार प्रशांत कुमार पुत्र राम कैलाश, उनकी पत्नी शिवानी निवासी खड़नी जनपद कन्नौज रह रहे थे। 12 जनवरी 2026 को अचानक उन्होंने मकान खाली कर दिया। अपने घर से गाड़ी बुलाकर सामान भरकर निकल आए थे। इसलिए उनको शक है उपरोक्त लोगों ने ही जेवरात चोरी किए हैं। हाथरस पुलिस ने मामला पंजीकृत कराते हुए सोमवार दोपहर खड़नी पहुंचकर प्रशांत के पिता राम कैलाश को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

छुट्टियों में हो रही बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों की निगरानी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- जिला कंट्रोल रूम में लग रही शिफ्ट में ड्यूटी डीआईओएस भी सक्रिय
- सीसीटीवी कैमरों के जरिए प्रयागराज से जुड़ा है कंट्रोल रूम व परीक्षा केंद्र

अवकाश वाले दिन जिला कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों की निगरानी करते डीआईओएस पप्पू सरोज। अमृत विचार

अमृत विचार। इन दिनों होली की छुट्टियां चल रहीं हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग से जुड़े जिम्मेदार यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर अवकाश में भी सक्रिय हैं। इतना ही नहीं प्रयागराज से जिलेभर के सभी 96 परीक्षा केंद्रों व कंट्रोल रूम की निगरानी की जा रही है। डीआईओएस भी हर रोज नजर बनाए हुए हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज ने बताया कि कार्यालय में जिला कंट्रोल रूम बना है जहां अनुदेशक व शिक्षकों के साथ ही कर्मचारियों की चरणवार ड्यूटी लग रही है। परीक्षा केंद्रों पर हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिहाज से 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे व उनके जरिए निगरानी चल रही है।

अवकाश के बाद भी डीआईओएस ने रविवार व सोमवार को कंट्रोल रूम पहुंचकर पेपरों व उत्तरपुस्तिकाओं की सुरक्षा व हकीकत परखी। बताया जा रहा है कि होली को लेकर निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने सभी जिलों के डीआईओएस को निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा में चूक नहीं होनी चाहिए। कहा जा रहा है कि इसी के चलते जिला विद्यालय निरीक्षक त्योहार मनाने घर भी नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रश्न पत्रों, उत्तरपुस्तिकाओं, संकलन केंद्र आदि की सुरक्षा बराबर हो रही है। जनपद के साथ ही लखनऊ व प्रयागराज से भी निगरानी चल रही है।

पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए हो रहे आवेदन 30 अप्रैल अंतिम तिथि

कन्नौज। जनपद में तीन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हैं। प्रवेश परीक्षा में पास होने पर एडमीशन दिया जाता है। 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन होंगे।

वर्ष 2025-26 में पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए इच्छुक युवक- युवतियां ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन 15 जनवरी से 30 अप्रैल तक होंगे। सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 300 रुपये एवं अनु., जनजाति के लिए 200 रुपये शुल्क निर्धारित है। छिबरामऊ के तालग्राम इलाके के गांव कुशलपुर्वा में पॉलिटेक्निक को पीपीपी मॉडल की तर्ज पर पहली बार संचालित किया जा रहा है। इसमें चार ट्रेडों में 300 बच्चों को प्रवेश होगा। तिर्वा में सिविल, इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिकल में 225 और अनौगी के कांशीराम में फूड टेक्नोलॉजी, सिविल इंजी समेत तीन ट्रेडों में भी 225 सीटें हैं।

जनपद में लगाया जाएगा मल-कीचड़ उपचार संयंत्र

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- पायलट प्रोजेक्ट के तहत होगा गांव का चयन

अमृत विचार। पायलट प्रोजेक्ट के तहत जनपद की किसी एक ग्राम पंचायत में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) स्थापित किया जाएगा। यह मल कीचड़ उपचार संयंत्र है। मल व जल का शोधन करके खाद व फसल सिंचाई में इसका प्रयोग होगा। बताया जा रहा है कि जमीन की तलाश चल रही है। एफएसटीपी लगने के बाद से गांव में सफाई के साथ ही सेप्टिक टैंक खाली कराने में समस्या नहीं होगी।

कन्नौज जनपद में आठ विकास खंड व 499 ग्राम पंचायतें हैं। एफएसटीपी का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि विकास खंड जलालाबाद इलाके के गांव तिलपई डिगसरा में जमीन देखी गई थी। निर्धारित मानक के तहत भूमि कम होने के चलते अब किसी अन्य ग्राम पंचायत में जमीन तलाशी जा रही है। डीपीआरओ कार्यालय के मुताबिक 03 हजार से अधिक आबादी वाली ग्राम पंचायत में प्लांट का निर्माण कराया जाएगा। प्लांट लगाने के लिए पंचायती राज विभाग और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से जमीन की खोल में लगा है। आबादी से करीब 250 से 500 मीटर दूरी पर प्लांट का निर्माण होगा, ताकि लोगों को दिक्कतें न हो सकें। कहा जा रहा है कि दुर्गंध, ध्वनि तथा संक्रमण की समस्या के चलते इसे घनी आबादी से दूर बनाया जाएगा। फीकल स्लम ट्रीटमेंट प्लांट को चलाने के लिए 30 किलोवाट बिजली और 05 हजार लीटर पानी की जरूरत होगी। जिला पंचायत राज अधिकारी राजेंद्र प्रकाश ने बताया कि जमीन मिलने के बाद जल्द ही इसका निर्माण होगा।

अलग-अलग हादसों में दो युवकों की थम गईं सांसें

कन्नौज में तेज रफ्तार ट्रैक्टर पलटने से दबकर गई जान, तिर्वा में बाइक में टेंपो ने मारी टक्कर, विधिक कार्रवाई शुरू

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/तिर्वा

जिला अस्पताल की मोर्चरी में मौजूद परिजन व जांच करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। कन्नौज व तिर्वा कोतवाली क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। कन्नौज की घटना में कोल्डस्टोरेज में आलू डालकर लौटते समय ट्रैक्टर पलट गया जबकि तिर्वा में रविवार देर रात बाइक व टेंपो की आमने सामने भिड़ंत हुई। कन्नौज के हादसे में परिजनों ने किसी भी तरह की कार्रवाई करने से इंकार किया। पुलिस ने पंचायतनामा भर कर शव परिजनों को सौंप दिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव टीकापुर्वा निवासी अचल राजपूत (24) पुत्र मोहन लाल राजपूत गांव के ही ट्रैक्टर पर बैठ कर कोल्ड स्टोरेज में रविवार की देर रात आलू डालने गया था। वह ट्रैक्टर के इंजन पर बैठा था। जैसे ही ट्रैक्टर गांव के निकट पहुंचा उसी समय मवेशी को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर पलट कर खड्ड में जा गिरा। इससे अचल उसके नीचे दब गया। शोर मचाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह ट्रैक्टर को सीधा कर उसे बाहर निकाला। गंभीर हालत में परिजन अचल को लेकर रात 1:15 बजे जिला अस्पताल पहुंचे। जहां मौजूद इमरजेंसी के डाक्टर ने जांच के बाद मौत की पुष्टि की। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। डाक्टर ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। सुबह होने पर जिला अस्पताल से मेमो भेज कर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस जिला अस्पताल पुलिस और परिजनों से बात कर आगे की कार्रवाई की तैयारी की। परिजनों ने कहा कि वह ट्रैक्टर के चालक पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं करना चाहते हैं। न ही शव का पोस्टमार्टम कराना चाहते हैं। इस पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद परिजनों को सौंप दिया। बताया जाता है कि मृतक की शादी हो गई थी। उसके एक छोटी सी पुत्री है।

तिर्वा संवाददाता के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के सौसरी निवासी चंदन (26) पुत्र सन्तराम अपने साढ़ू के घर सत्तार गया था। रविवार देर रात वह बाइक से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह आगरा लखनऊ-एक्सप्रेस-वे के सर्विस रोड पर पट्टी के सामने पहुंचा, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चंदन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही ठठिया पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एम्बुलेंस की मदद से तिर्वा मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। बेटे की मौत की सूचना सुनते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

मृतक अपने पीछे पत्नी शोभा देवी और 16 माह की मासूम पुत्री सौम्या देवी को छोड़ गया है। पति की असमय मौत से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सुबह ठठिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी देवेश कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में पति-पत्नी और दो बच्चे गंभीर घायल

छिबरामऊ। एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जीटी रोड स्थित लता कोल्ड स्टोर के पास हुआ। ग्राम खजुरिया निवासी अनरुद्ध अपनी पत्नी रूमा, पुत्री आरुषि और पुत्र आरव के साथ बाइक पर सवार होकर अपनी ससुराल तुलसीपुर जा रहे थे। वे त्योहार पर 'पवनी' उठाने जा रहे थे। तभी जीटी रोड पर रॉन्ग साइड से आ रहे आलू लदे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार चारों लोग सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अपनी गाड़ी से 100 शैय्या अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद, घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने अनरुद्ध, उनकी पत्नी और दोनों बच्चों को बेहतर इलाज के लिए तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया है।

गेहूं आने में देर, 55 किसानों का रजिस्ट्रेशन

कन्नौज। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अनूप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शासन से गेहूं का न्यूनतम समर्थन 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। प्रति क्विंटल 20 रुपये उतराई, छनाई भी दी जायेगी। गेहूं क्रय के लिए खाद्य विभाग के 09, पीसीएफ के 23 तथा भारतीय खाद्य निगम के 03 केन्द्र बनाये गये हैं। इन में ब्लाक स्तर पर कन्नौज में 05, जलालाबाद में 01, गुगरापुर में 01, उमर्दा में 10, हसेरन में 04, सौरिख में 08, छिबरामऊ में 05 तथा तालग्राम में 04 क्रय केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त खाद्य विभाग के 06 गेहूं क्रय केन्द्र अनुमोदन के लिये प्रस्तावित हैं। किसानों की सुविधा के लिए जनपद की प्रत्येक तहसील में एक-एक मोबाइल क्रय केन्द्र भी स्थापित किया गया है। जनपद में गेहूं की औसत उत्पादकता 54.68 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। गेहूं विक्रय करने वाले किसानों का भुगतान आधार से लिंक बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से 24 घंटे के अंदर कर दिया जाएगा। गेहूं खरीद से संबंधित किसी भी समस्या की स्थिति में किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी कन्नौज के मोबाइल नंबर 9956199399 पर संपर्क कर सकते हैं।

छाए होली के रंग

देर रात होलिका दहन चला लेकिन आज होली नहीं खेली जाएगी। सोमवार को मकरंदनगर तिराहे पर और भी दुकानें रंग-पिचकारी की सज गईं। हर दुकान पर तरह-तरह की पिचकारियां ग्राहकों को लुभा रहीं हैं। वहीं बात रंगों की करें तो सेहते प्रति फिक्रमंद लोग हर्बल रंग से ही होली खेलेंगे, सो दुकानदारों ने इनका भी पर्याप्त स्टॉक करके रखा। इसी तरह से बच्चों को लुभाने के लिए तरह-तरह के मुखौटे और बालों की रंगबिरंगी विगें भी बिक्री को तैयार हैं। सोमवार तक तो बाजार की रौनक कुछ खास नहीं रही लेकिन आज यानी मंगलवार को चहलपहल के साथ ही बिक्री में भी गति आने की संभावना है। • अमृत विचार

कवायदें हुई तमाम, छुट्टा गोवंश पर नहीं कोई लगाम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- सड़कों पर विचरण करते ये पशु बन जाते हैं दुर्घटना का कारण

सड़क किनारे पड़े कूड़े में भोजन खोजते छुट्टा गोवंश। अमृत विचार

अमृत विचार। कई साल से जिले समेत प्रदेश भर में छुट्टा गोवंश की समस्या चली आ रही है। सरकार की ओर से इसे गंभीरता से लेकर निदान की तमाम कोशिशें भी की जा रहीं है। इसके बाद भी इनके आतंक से छुटकारा मिलता नहीं दिखता। सड़क पर इनका स्वच्छंद विचरण यातायात को बाधित करने के साथ ही दुर्घटनाओं का कारण भी बनता है। ये स्थितियां तब हैं जब कि पिछले काफी दिनों से इनको पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है।

छुट्टा यानी अन्ना गोवंश की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। प्रदेशव्यापी इस समस्या के कारण किसानों की फसल सुरक्षित है न ही सड़क पर चलने वाले दोपहिया वाहन सवारों या राहगीरों की जान। बात अगर केवल कन्नौज नगर पालिका क्षेत्र की करें तो किसी भी सड़क पर निकल जाएं, छुट्टा गाय या बैल सामने पड़ ही जाएंगे। कभी कभी तो यह बीच सड़क पर ही आराम फरमाने लगते हैं जिससे बड़े वाहनों को भी बचकर निकलने की कोशिश करते देखा जा सकता है। भोजन की तलाश में भटकते ये जानवर किसी के सामने आने पर हमलावर भी हो जाते हैं।

शहर में जीटी रोड मकरंदनगर, मकरंदनगर से कन्नौज को जाने वाली सड़क, लाखन तिराहा से ग्वालमैदान को जाने वाली सड़क, ग्वालमैदान से तिर्वा क्रासिंग को जाने वाली सड़कों समेत लगभग सभी का यही हाल है। यह स्थितियां तब हैं जबकि निकाय के जिम्मेदारों की ओर से लगातार इनको पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है। जिले में तमाम गोशालाएं संचालित हैं जिनको सरकारी मद से व्यवस्थाओं का पैसा दिया जा रहा है। सड़क के अलावा अन्ना जानवरों का आतंक किसानों की फसल के लिए भी काल बना है। इस संबंध में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी श्यामेंद्र मोहन चौधरी का कहना है कि लगातार पशुओं को पकड़ा जा रहा है। समस्या यह है कि तमाम लोग दिन और रात के समय गायों को चरने के लिए छोड़ देते हैं और फिर दूध के समय बांध लेते हैं। हालत यह है कि इधर गोवंश पकड़कर गोशाला भेजे जाते हैं उधर फिर लोग और गोवंश छोड़ देते हैं।

सजा बाजार — महंगाई के बाद भी लोगों में दिखा त्योहार का उत्साह, बाजारों में सजी रंग व पिचकारी की दुकानों पर लगी भीड़

बाजार में पकवानों के साथ बिखरी रंगों की खुशबू

संवाददाता,गुरसहायगंज, कन्नौज

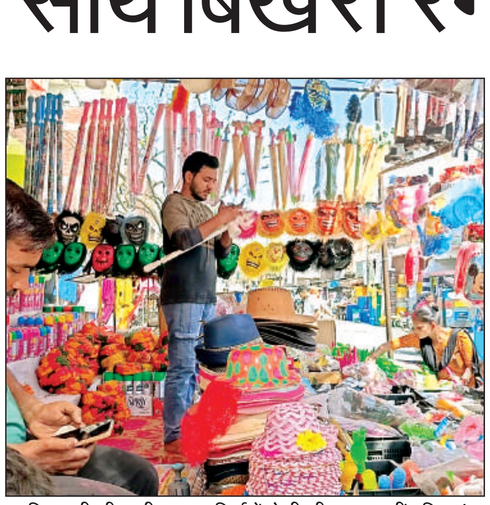

फुटपाथ पर लगी रंगबिरंगी कचरी की दुकान। रंग व पिचकारी की सजी दुकान। तिर्वा में होली की पूजा करतीं महिलाएं। अमृत विचार

अमृत विचार। होली के त्योहार को लेकर दुकानदारों ने मोटी रकम लगाकर दुकानें सजाई। नगर सहित ग्रामीणांचलों से आए लोगों ने बाजार में आवश्यक वस्तुऐं आदि की खरीददारी की। लेकिन महंगाई की मार का लोगों पर खासा असर दिखा। इतना जरूर है कि मिलावटखोरों ने जमकर चांदी काटी। उधर पुलिस प्रशासन ने भी व्यवस्था को सुदृढ़ कर चप्पे चप्पे पर नजर बनाएं रखी।

सोमवार को बाजार के दिन त्योहार के पहले नगर में सजी परचून, रंगों, कपडों, फुटवियर की दुकानों पर ग्राहकों का सैलाव उमड़ता दिखा और नगर सहित क्षेत्र के कई ग्रामों से आए महिला-पुरूषों ने जमकर खरीददारी की। हालांकि सामर्थ के अनुसार लोगों ने बाजार में कपडे, रंगों व परचून की खरदारी की। उधर होली में बनने वाली गुजिया पर मिलावट का खतरा भी मडराता दिखा। क्योकि बाजार में बिकने आया खोवा सैंथेटिक पदार्थो की मिलावट था। साथ ही तेल में भी मिलावटखोरों ने कोई कसर बांकी नहीं छोड़ी। क्योकि होली के त्योहार पर खोए की खपत सबसे अधिक होती है। हालत यह है कि त्योहार पर इस मिलावटी खोए व दूध की मांग ज्यादा हो रही है। जिससे निर्मित पकवान लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करेंगे। रंग खेलने में रूचि रखने वालों में पर्व को लेकर उत्साह है। इससे बाजार भी पूरी तरह रंग पिचकारी, कचरी, पापड़ की दुकानों से सजा है। रेडिमेड कपड़ा और अन्य पकवानों की दुकानें भी भिन्न-भिन्न वैरायटी से भरी हुई हैं। मंहगाई और आधुनिकता के आगे होली पर्व की परम्पराओं से जुड़ी वस्तुओं की ब्रिकी नाम मात्र हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि लाखों रूपये का माल भर लिया है। लेकिन दुकानदारी कम हुई है। बाजार में रेडिमेड गुजिया, पापड़, चिप्स, सेव, कचरी आदि नमकीन मौजूद है। जबकि कभी यह सभी पकवान घरों में ही बनाएं जाते थे। लेकिन समय और मेहनत से बचने के लिए लोग होली के पकवानों को रेडिमेड खरीद रहे है।

नमकीन बिगाड़ सकती आपकी सेहत

गुरसहायगंज। होली में व्यवसायिक वर्ग मुनाफे का त्योहार बनाने में जुटा है। मिठाईयों के साथ ही नमकीन से भी सेहत को नुकसान पहुंचाने की तैयारी है। बेसन की जगह पीले रंग में रंग कर नुकसानदेह पदार्थों से बनी चीजें बाजारों में परोसी जा रही है। चालाक दुकानदार नमकीन व्यंजनों के नाम पर जमकर मिलावटी सामान बेंच रहे हैं। जानकारों की माने तो ऐसी नमकीन में मिला बेसन ही नकली होता है। यह बेसन होता तो बेसन ही है। लेकिन चने का नहीं बल्कि एक निम्न किस्म की दाल चपरी का। कई जगह इसे अरहर की दाल के रूप में भी बेंचा जा रहा है।

नगर व क्षेत्र में सजे होलिका दहन स्थल

गुरसहायगंज। होली पर्व को लेकर आयोजकों के द्वारा नगर व क्षेत्र में होलिका दहन स्थलों को फूलमाला व सजावट की सामग्री से सजाया गया। स्थलों पर भारी मात्रा में लकड़ी व उपले डलवाये गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने देर रात तक होलिका माता की पूजा अर्चना की। सोमवार देर रात दहन हुआ।

होली पर नशे में हंगामा किया तो पुलिस करेगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- दो से अधिक लोगों को बैठा कर बाइक चलाई तो काटा जायेगा चालान
- एसपी ने होली पर्व को शांति से मनाए जाने को लेकर जारी किये निर्देश

अमृत विचार। शराब के नशे में हंगामा किया या बाइक से फर्राटा भरा तो पुलिस कार्रवाई करेगी। होली पर्व को लेकर एसपी ने इस संबंध में अधीनस्थों को निर्देश जारी कर दिए हैं। जगह-जगह पुलिस लगे।

होली पर्व पर शराब के नशे में हंगामा करना लोगों को महंगा पड़ सकता है। इसको लेकर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने सभी थानों में पुलिस को निर्देश दिये हैं। कहा कि सौहार्द खराब करने वाले को किसी कीमत पर बख्शा न जाये। इसी तरह शराब के नशे में कई लोगों को बाइक पर बैठा कर चलाने वालों पर भी कार्रवाई की जाये। इस के लिये उन्होंने पुलिस व यातायात पुलिस को मुख्य मार्गों पर मुस्तैद रहने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा प्रमुख चौराहों पर लगाये गये कैमरों को भी चेक कर इस तरह के लोगों के वाहनों के चालान काटे जाये। इसी तरह उन्होंने कहा कि बंदी के दिन शराब की बिक्री पर पूरी तरह से रोक रहेगी। यदि किसी स्थान पर शराब बिक्री होने की सूचना मिले तो पुलिस तत्काल पहुंच कर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जबरन किसी को रंग न लगाएं। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इसके लिये भी पुलिस को सक्रिय किया गया है। त्योहार पर पुलिस किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं देगी। किसी तरह की घटना या दुर्घटना होने पर पुलिस को सूचना दें, जिससे पुलिस मौके पर पहुंच कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करे।

न्यूज ब्रीफ

सियार के हमले से बालिका और वृद्धा गंभीर घायल

कायमगंज। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के पट्टी मजरा लालपुर गांव में सियार के हमले से सोमवार को एक वृद्धा और एक बच्ची घायल हो गईं। घटना उस समय हुई जब 7 वर्षीय राधिका अपने पिता प्रवेश कुमार और अन्य लोगों के साथ खेत पर मौजूद थी। घायल बच्ची की पहचान राधिका (7) और वृद्धा की पहचान संसारवती (75) पत्नी मिश्रीलाल के रूप में हुई है। प्रवेश कुमार अपनी तंबाकू की फसल में पानी लगा रहे थे। तभी तंबाकू की फसल से अचानक एक सियार निकला और उसने राधिका व उसकी दादी संसारवती पर हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। हमले के दौरान चीख-पुकार मचने पर प्रवेश कुमार और गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख सियार वहां से भाग गया। परिजनों ने आनन-फानन में दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज पहुंचाया। घायल बच्ची के पिता प्रवेश कुमार ने बताया कि लाठी-डंडा लेकर तमाम लोग मौके पर पहुंचे, तब तक से सियार मौके से फरार हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. अमरेश कुमार ने राधिका और संसारवती का उपचार किया। डॉ. अमरेश कुमार ने बताया कि दोनों घायलों को बेहतर उपचार दिया गया है।

रोडवेज बस की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल

फर्रुखाबाद। जनपद हरदोई के थाना तड़ियामा क्षेत्र के गांव तेलियानी निवासी राम लखन अपने साथी देवेंद्र के साथ चार दिन पहले मथुरा गए थे। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे वे बाइक से अपने गांव वापस लौट रहे थे। शमशाबाद थाना क्षेत्र के गांव रजलामई स्थित एक कॉलेज के सामने एटा डिपो की एक रोडवेज बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने बस को आगे से बाइक लगाकर रोक लिया और रोडवेज चालक को घेर लिया।

नोटिस के बाद काम में तेजी सदर विधानसभा क्षेत्र आगे

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने 22 एईआरओ से मांगा था जवाब

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- एसआईआर के तहत अब जिले में सुनवाई का औसत 93.42 फीसदी पहुंचा

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण यानि एसआईआर अभियान की गति तेज हो गई है। अब जिले का सुनवाई करने का प्रतिशत 93.42 फीसदी हो गया है। सदर विधानसभा इलाके का काम पिछड़ने पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ एसडीएम सदर वैशाली ने 22 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। अब तीनों क्षेत्रों में सदर कन्नौज आगे, छिबरामऊ का दूसरा व तिर्वा का तीसरा नंबर आया है।

सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बिनीत कटियार ने बताया कि दो मार्च तक नो मैपिंग व तार्किक विसंगति में नोटिस जारी किए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र छिबरामऊ के कुल नोटिस 90,727 के सापेक्ष 89,689 वितरित हुए और 84474 की सुनवाई हो गई है। तिर्वा इलाके में 69205 नोटिस में 69337 का वितरण कर दिया गया है और 63171 का वितरण कर दिया गया है। कन्नौज सदर क्षेत्र में 89923 नोटिस के सापेक्ष 89312 नोटिस बांट दिए गए हैं और 85778 का सुनवाई हो गई है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि छिबरामऊ में वितरण प्रतिशत 98.86, तिर्वा में 98.75 और कन्नौज में 99.32 है।

सदर तहसील की छवि धूमिल हुई, 22 एईआरओ को नोटिस

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने अफसरों को दो दिन में स्पष्टीकरण देने को कहा

इन अफसरों से मांगा गया स्पष्टीकरण

अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

27 मार्च तक होगी नोटिसों पर सुनवाई

इसी तरह सुनवाई में क्रमशः 93.11 फीसदी, 91.28 और 95.37 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि 27 मार्च तक नोटिस की सुनवाई होनी है। इसको लेकर जरूरी अभिलेख बीएलओ व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को 27 तारीख तक उपलब्ध करा दिए जाएं। दूसरी ओर अब तक जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों से फार्म छह 48396, फार्म सात 1913 और फार्म आठ 10480 आए हैं। सभी नागरिकों व मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से कहा गया है कि आयोग की ओर से दावे व आपत्ति के लिए छह मार्च अंतिम तारीख निर्धारित की गई है।

बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक

कन्नौज। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं को लेकर अवकाश में भी प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज ने बताया कि 01 से 04 मार्च 2026 तक होली के अवकाश के दौरान परीक्षा कार्य में लगे कोई भी अफसर या कर्मचारी बिना लिखित अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और सुरक्षा व परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूम की 24 घंटे निगरानी चलेगी। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर केंद्र व्यवस्थापक और संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी। अवकाश में औचक निरीक्षण किया जाएगा। जिसमें कैमरा और सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति की जांच होगी। आपातकाल और तत्काल समन्वय के लिए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने मोबाइल 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी कर्मचारी से संपर्क नहीं हो पाता है तो इसे कार्य के प्रति लापरवाही माना जाएगा।

होली खेलने के बाद उत्साहित मुद्रा में रंगों से सराबोर छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

रंगों से सराबोर होकर मनाई होली

संवाददाता गुरसहायगंज, कन्नौज

- सामाजिक एकता का संदेश देता होली का पर्व : अमित यादव

अमृत विचार। तेराजाकेट स्थित बाबू जागेश्वर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कालेज में छात्र, छात्राओं ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ होली का त्योहार धूमधाम से मनाया। इस दौरान नन्हें मुन्ने बच्चों ने जमकर अबीर गुलाल उड़ाकर पर्व का आनंद लिया।

सोमवार को होली पर्व के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित कुमार यादव ने छात्र, छात्राओं को बताया कि होली पर्व को भारतीय संस्कृति के अनुसार मनाना चाहिए। हर त्योहार में एक संदेश होता है। इस त्योहार पर अपने मन से एक दूसरे के प्रति द्वेष मिटा कर आपसी प्रेम बढ़ाने तथा भाईचारा निभाने का प्रयास करें।

होली जैसे पवित्र त्योहार को अश्लीलता एवं फूहड़पन से बचाकर इसकी पवित्रता को बनाए रखें। होली पर्व हमें समाज में एकता का संदेश देता है। इस पर्व पर हम आपसी वैमनस्यता को त्याग कर एक दूसरे से गले मिलें। इसके बाद विद्यालय के छात्र, छात्राओं ने एक दूसरे के जमकर रंग लगाया। इस दौरान शिक्षक विकास कुमार, ओमेन्द्र सिंह, सरनाम सिंह, मनीष शर्मा, रंजीत कुमार, संदीप कुमार, वीरेन्द्र सिंह, संजीव कुमार, रिषभ तिवारी, अमन यादव, आशीष कुमार, सचिन कुमार, अमन कश्यप, धीरेन्द्र कुमार, स्वाति, सौम्या, श्रुति, सुजाता, जूही, मुस्कान, ज्योति, संजू, छाया, अनामिका, रागिनी आदि मौजूद रहे।

नियमों की उलझन, कैसे लें गांव में बिजली कनेक्शन

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। नियमों के फेर में फसे सैकड़ों बिजली उपभोक्ताओं को बिजली का घरेलू कनेक्शन नहीं मिल रहा। विभाग पोल लगा कर कनेक्शन देने के लिये हजारों रुपये का स्टीमेट तैयार कर रहा है।

बिजली विभाग के फेर में घर का नया कनेक्शन लेने वाले आवेदक फस रहे हैं। कई बार ऑनलाइन आवेदन भी निरस्त कर दिया जाता है। अब नये नियम में विभाग कनेक्शन देने में पेंच फसा रहा है। इससे आवेदक परेशान हैं। बताया जाता है कि जिस बिजली पोल से घर का कनेक्शन लेना है उस स्थान की

60 फीट से अधिक दूरी तो हजारों का स्टीमेट

जांच लाइनमैन से कराई जाती है। यदि 60 फुट से अधिक दूरी हुई तो लाइनमैन इस की जानकारी अवर अभियंता को देता है। इस पर जेई एक पोल का स्टीमेट तैयार करता है। एक पोल की कीमत करीब 15 से 20 हजार रुपये होती है। इतनी अधिक धनराशि गांव का गरीब व्यक्ति नहीं जमा कर पाता है। इससे उसका आवेदन निरस्त कर दिया जाता है। बार-बार आवेदन निरस्त होने से परेशान आवेदक कटिया डाल कर बिजली चोरी करने लगता है। इसी तरह पोल से 100 फुट की दूरी होने पर इससे भी अधिक रुपये का स्टीमेट बनाया जाता है। जो आवेदक जमा नहीं कर सकता है। इसी तरह के मामले जिले के अधिकतर गांव में हैं पर विभाग उनको कनेक्शन नहीं दे रहा है। खास बात तो यह है कि पुराने कनेक्शन इससे भी अधिक दूरी पर दिये जा चुके हैं। इस संबंध में एक्सईएन मगन सिंह का कहना है कि पहले की तुलना में अब नियम बदल गये हैं। 60 फुट से कम दूरी होने पर ही कनेक्शन दिया जा सकता है। इससे दूरी अधिक होने पर पोल लगाकर लाइन खीचने के बाद ही कनेक्शन दिये जाने का आदेश हैं।

टूटी पाइप लाइन से बर्बाद हो रहा पानी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। तिर्वा क्रासिंग के निकट कन्नौज रोड पर महीनों से टूटी पानी लाइन से हजारों लीटर पानी बह रहा है। इससे घरों में पानी पहुंचने में दिक्कत हो रही है। शिकायत के बाद भी नगर पालिका टूटी पाइप लाइन को ठीक नहीं करा रही है।

शहर के सरायमीरा तिर्वा क्रासिंग कन्नौज रोड पर बीते दो माह से टूटी पाइप लाइन से पूरे दिन पीने का पानी बहता रहता है। इससे हजारों लीटर पानी बरबाद हो रहा है। पाइप लाइन टूटी होने से स्थानीय लोगों के घरों में पानी पहुंचने में दिक्कत हो रही है। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने नगर

तिर्वा क्रासिंग कन्नौज रोड पर टूटी पाइप लाइन से निकलता पानी। अमृत विचार

पालिका में पहुंच कर शिकायत की पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। सड़क के निकट पूरे दिन निकलते पानी से गड्ढा हो गया है। इस गड्ढे में फसकर ई-रिक्शा पलट रहे हैं। इससे कई यात्री चुटहिल हो चुके

- मेन रोड पर बह रहे पानी की ओर से नगर पालिका के जिम्मेदार बेखबर

हैं। ओवरब्रिज के सर्विस रोड पर टूटी इस पाइप लाइन के चलते सड़क से निकलने वाले वाहन के चालक भी परेशान हो रहे हैं। जगह का अभाव होने से यहां पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। यही नहीं शहर के अन्य मोहल्लों में भी इसी तरह की टूटी पाइप लाइनों से पूरे दिन पानी बहता रहता है। कुछ स्थानों पर नगर पालिका के कर्मचारी पहुंच कर ठीक भी करते रहते हैं पर इस तिर्वा क्रासिंग की समस्या का निदान नहीं किया जा सका है। आसपास रहने वालों ने पालिका के जिम्मेदारों से समस्या का समाधान करने की मांग की है।

नए वित्तीय वर्ष में शुरू होगा तीन पुलों का निर्माण

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। होली के अवसर पर ठंडी सड़क स्थित आवास पर आयोजित होली मिलन एवं प्रेस वार्ता में सांसद मुकेश राजपूत ने जिले के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

सांसद ने बताया कि उनकी सरकार ने जनपद को तीन बड़े पुल और कई पुलियों के निर्माण के लिए लगभग हजार करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष शुरू होते ही इन परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। सांसद ने जानकारी दी कि देवरामपुर रेलवे ओवरब्रिज के लिए केंद्र सरकार से स्वीकृति दिला दी गई है, जिसका शीघ्र ही शिलान्यास किया जाएगा। इसके अलावा कायमगंज रेलवे स्टेशन के निकट एक अन्य पुल का प्रस्ताव भी भेजा गया है, जिसे जल्द हरी झंडी मिलने की उम्मीद है।

प्रेस वार्ता में सांसद ने अपनी

पत्रकारों से वार्ता करते सांसद मुकेश राजपूत। अमृत विचार

- सांसद मुकेश राजपूत ने कहा तीन पुल व कई पुलियों के लिए हजार करोड़ का बजट

संपत्तियों को लेकर भी स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि उनकी जो संपत्तियां पूर्व से हैं, उनकी कीमतें समय के साथ बढ़ी हैं, लेकिन उन्होंने कोई नई संपत्ति अर्जित नहीं की है।

उन्होंने दावा किया कि राजनीति में उन्होंने सदैव सादगी और ईमानदारी का परिचय दिया है, जिस कारण सभी वर्ग और धर्म के लोग उनके साथ हैं और वह लगातार तीसरी बार सांसद चुने गए हैं।

होली पर्व के मद्देनजर सांसद ने जिला प्रशासन से अपील की कि त्योहार के दौरान चेकिंग के नाम पर आम जनता को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है, लेकिन आमजन को सम्मानपूर्वक व्यवहार मिलना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में सांसद ने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं और जिले के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया।

सड़क हादसों में दो लोगों की गई जान, महिला घायल

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। कस्बा मोहम्मदाबाद के आजाद नगर निवासी स्व. वदन सिंह के 19 वर्षीय पुत्र अमित की बीती रात सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, अमित संकिसा रोड स्थित बाजार से खरीदारी कर घर लौट रहा था। इसी दौरान बाजार क्षेत्र में पीछे से आ रहे एक ट्रैक्टर से उसकी टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे निजी वाहन से एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर और उसके

अमित।

- बाजार से लौटते समय ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं ट्रैक्टर चालक उपेंद्र कुमार पुत्र काशीराम, निवासी नगला मोती, ने बताया कि वह फर्रुखाबाद स्थित तिरुपति कोल्ड स्टोरेज से आलू उतारकर वापस लौट रहा था। उसका कहना है कि बाजार क्षेत्र में एक अज्ञात कार द्वारा टक्कर मारे जाने से अमित ट्रैक्टर पर गिर गया, जिससे यह हादसा हुआ। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

भाऊपुर चौरासी में बाइक की टक्कर से महिला जख्मी

अमृतपुर। राजेपुर थाना क्षेत्र स्थित भाऊपुर चौरासी के पास शराब के नशे में धुत एक बाइक सवार ने दूसरी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक महिला घायल हो गई, जिसे तत्काल अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, हर्षित पुत्र लालू सिंह (निवासी ग्राम रमपुरा, थाना अमृतपुर, जिला फर्रुखाबाद) अपनी मोटरसाइकिल से गीता देवी (44) पत्नी उदयवीर निवासी ग्राम रमपुरा, थाना अमृतपुर, जिला फर्रुखाबाद को लेकर फर्रुखाबाद जा रहे थे। इसी दौरान उनके पीछे मोटरसाइकिल का चालक टुन्नी पुत्र राम सेवक निवासी ग्राम नगला हुंसा, थाना अमृतपुर, जिला फर्रुखाबाद आ रहा था। बताया जा रहा है कि चालक शराब के नशे में था। चालक टुन्नी ने आगे जा रही मोटरसाइकिल में पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर से मोटरसाइकिल पर बैठी श्रीमती गीता देवी घायल हो गईं। घायल महिला को मौके से एक निजी वाहन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजेपुर भेजा गया। पुलिस ने आरोपी चालक टुन्नी को हिरासत में ले लिया है और उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है। राजेपुर थाना अध्यक्ष सुदेश कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से महिला की मौत

कायमगंज। कोतवाली क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कासगंज जनपद के थाना सुन्न गढी निवासी रूही (25) पत्नी साहिल सोमवार सुबह अपने पिता बबलू कुरैशी के साथ बाइक से दवा लेने कायमगंज आ रहीं थीं, तभी कायमगंज रेलवे स्टेशन के निकट पीछे से आ रहे ट्रक ने ओवर टेक करते समय बाइक ट्रक से टकराकर अनियंत्रित हो गई। जिससे पीछे बैठीं महिला रूही उछलकर सड़क पर गिर गई और ट्रक का पहिया उसके ऊपर से निकल गया और उसका सिर कुचल गया जिससे घटनास्थल पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई। काफी देर तक शव वहां पड़ा रहा, लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर आधा घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज भेजा वहीं परिजनों का कहना है कि पुलिस काफी देर से आई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।महिला दो बेटियां माहेनूर (2) व एक 6 माह की बच्ची है।मृतक के पिता बबलू पटियाली में अपनी ससुराल रहते हैं। लेकिन वह कायमगंज नगर के मोहल्ला चिलांका के रहने वाले हैं वह अपनी बेटी को दवा दिलाने के लिए पटियाली से कायमगंज आ रहे थे। वहीं महिला की अचानक मौत से परिवार सदमे में है। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

रूही।

कार्यक्रम

प्रतिमा स्थल के सामने लगे ट्रांसफार्मर को हटाने की डीएम से की मांग

महादेवी वर्मा की जयंती पर किया नमन, अर्पित किए श्रद्धासुमन

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। छायावादी युग की प्रतिनिधि कवयित्री महादेवी वर्मा की जयंती के मौके पर नगर की प्रमुख साहित्यिक संस्था अभिव्यंजना के बैनर तले महादेवी वर्मा मार्ग (रेलवे रोड) स्थित प्रतिमा स्थल पर कार्यक्रम हुआ।

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी समेत शहर के गणमान्य नागरिकों और साहित्यकारों ने प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर महादेवी प्रतिमा को माला अर्पित की। साथ ही यहां प्रतिमा स्थल के सामने रखें ट्रांसफार्मर को हटाने के लिए संस्था की ओर से संयुक्त ज्ञापन दिया गया। बता दें कि फर्रुखाबाद में महादेवी वर्मा की जयंती तिथि के अनुसार मनाई जाती है और आज ही के दिन अभिव्यंजना के

महादेवी वर्मा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी व अन्य।

विशेष प्रयासों से महादेवी वर्मा मार्ग पर मूर्ति की स्थापना अब से लगभग दो दशक पहले हुई थी तब से लगातार यहां कार्यक्रम हो रहा है। इसी क्रम में संस्था के वरिष्ठ सदस्य व्यापारी नेता संजय गर्ग के संयोजन एवं संस्था के समन्वयक भूपेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में माल्यार्पण कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ गजलकार नलिन श्रीवास्तव, कवि एवं मंच संचालक महेशपाल सिंह, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सदानंद शुक्ला वरिष्ठ, जिला उपाध्यक्ष राजू गौतम, उपकारी, संस्कार भारती के प्रांतीय महामंत्री सुरेंद्र पांडेय, भारत विकास परिषद के प्रांतीय महामंत्री आलोक रायजादा, कवि एवं पत्रकार उपकार मणि उपकार, राजेश हजेला, निमिष टंडन, प्रखल दीक्षित, रवींद्र भदौरिया, वरिष्ठ व्यापारी विनय अग्रवाल, संजू शर्मा, नवीन मिश्रा नब्बू, आलोक मिश्रा, छोटू, राम शंकर अवस्थी अबोध, गणेश शंकर शुक्ला, भारती मिश्रा, अनुराग अग्रवाल, अनुराग पाण्डेय अनुभव सारस्वत, समेत अनेक सुधीजन मौजूद रहे।

डीएम के आने से पहले हटाया गया कचरा

फर्रुखाबाद। पल्ला स्थित महादेवी वर्मा की प्रतिमा के निकट कूड़े का ढेर लगा हुआ था, जो जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी के पहुंचने से महज दस मिनट पहले उठाया गया। इससे साहित्यकारों में रोष है। रेलवे रोड का मार्ग महादेवी वर्मा मार्ग कर जरूर दिया गया, लेकिन आज तक प्रचलन में रेलवे रोड ही है।

डीएम के आने से पूर्व प्रतिमा के पास लगा कचरे का ढेर।

महादेवी की स्मृति में हुई गोष्ठी

फर्रुखाबाद। महादेवी स्मृति पीठ की ओर से डॉ. शिव अंबर के निवास पर कवयित्री की स्मृति में गोष्ठी हुई। इस अवसर पर लेखकों की पुस्तकों का लोकार्पण भी हुआ। वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता राजन माहेश्वरी, ललिता माहेश्वरी, उत्कर्ष अग्निहोत्री, योगेश मिश्रा, बृज किशोर सिंह, राजीव मिश्रा, भूपेंद्र प्रताप सिंह, सुनील अवस्थी सहित अनेक साहित्यकार, समाजसेवी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। काव्य गोष्ठी में महादेवी वर्मा की रचनाओं का पाठ किया गया। संचालन डॉ. शिव ओम अंबर ने किया। वक्ताओं ने कहा कि यदि समाज को सचमुच स्वच्छ, संवेदनशील बनाना है तो महादेवी वर्मा की विचारधारा को आत्मसात करना होगा।

संवेदनशील इलाकों में किया मार्च

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शहर क्षेत्र में होली और रमजान व ईद के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। पर्वों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शहर से लेकर गांवों तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

इसी क्रम में, सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस बल ने शहर के संवेदनशील और प्रमुख इलाकों में गश्त की। इसका उद्देश्य असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना है। ट्रैफिक पुलिस ने भी होली और ईद के लिए सख्त सुरक्षा और सुचारू यातायात सुनिश्चित करने हेतु व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस को मिश्रित और संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ाने तथा सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। होलिका दहन स्थलों का भी निरीक्षण किया गया है। पुलिस की टीमें लगातार रात में भी गश्त कर रही हैं, ताकि शहर में भाईचारे के साथ होली का पर्व मनाया जा सके और लोग निर्भय होकर त्योहार मना सकें। शहर कोतवाली और थाना मऊदरवाज़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस ने पीस कमेटी की बैठकें आयोजित कीं। इन बैठकों में लाउडस्पीकर के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। जनता से मिल-जुलकर सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। डीजे संचालकों को रात दस बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र पूरी तरह बंद रखने के निर्देश भी जारी किए गए हैं, ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इस मौके पर शहर कोतवाली प्रभारी दर्शन सिंह सोनकी, मऊदरवाज़ा थाना प्रभारी अजब सिंह, एसएसआई वीरेंद्र सिंह, एसआई पंकज कुमार, बीबीगंज चौकी इंचार्ज नितिन कुमार, एसआई इमरान फरीद आदि रहे।

मार्ग दुर्घटना में पूर्व सैनिक की मौत

हादसे के बाद वाहन चालक वाहन को लेकर भागने में रहा सफल, मचा कोहराम

संवाददाता बसरेहर इटावा

अमृत विचार । चौबिया थाना क्षेत्र से निकलने वाले बरेली हाईवे मार्ग आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के नीचे अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार रिटायर्ड फौजी की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक वाहन को लेकर भागने में सफल रहा। पुलिस वाहन की तलाश कर रही है।

बताया जा रहा है कि फ्रेंड्स कालोनी थाना क्षेत्र के मोहल्ला पुरानी पीएसी गली के रहने वाले रिटायर्ड फौजी श्रीपाल 65 वर्ष पुत्र राम किशन अपने पैतृक गांव कुढरा थाना ऊसराहार जा रहे थे। जैसे ही वह चौबिया थाना क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के चौपला कट के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि श्रीपाल लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। इसकी सूचना क्षेत्रीय लोगों ने चौबिया थाना प्रभारी महेंद्र सिंह को दी। मौके पर पहुंची पुलिस फोर्स ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से घायल पड़े श्रीपाल को तुरंत 108 एंबुलेंस द्वारा इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया। चौबिया पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया। फौजी श्रीपाल की मृत्यु की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया है। चौबिया पुलिस उस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है। जिसने इस घटना को अंजाम दिया। उनकी मौत की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया।

श्रीपाल।

तेज रफ्तार टेम्पो की टक्कर से वृद्धा की गई जान

चकरनगर। कस्बा स्थित इंडेन गैस एजेंसी के पास लखना-सिंड़ौस रोड पर रविवार की देर शाम तेज रफ्तार टेम्पो की टक्कर से 65 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। चकरनगर कस्बा स्थित मोहल्ला तकिया निवासी शाविरा बेगम पत्नी मन्ना अली चकरनगर चौराहा से पैदल अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वह इंडेन गैस एजेंसी के पास पहुंचीं, लखना की ओर से आ रहे तेज रफ्तार टेम्पो ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर दूर जा गिरीं और उनके सिर व नाक में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक बलराम मिश्रा ने मानवता दिखाते हुए घायल वृद्धा को तत्काल अपनी सरकारी गाड़ी से सीएचसी राजपुर पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा है और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई है।

बाइक की टक्कर से युवक घायल

चकरनगर। थाना चौबिया क्षेत्र के अंतर्गत राहिन रोड पर बाइक चालक ने टक्कर मारकर एक युवक को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना चौबिया क्षेत्र के अंतर्गत विधूनी निवासी सोनू पुत्र लायक सिंह राहिन रोड पर जा रहा तभी बाइक ने टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो युवकों ने फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया

इटावा। थाना लवेदी और थाना बलरई क्षेत्र के अंतर्गत अलग अलग स्थानों पर दो युवकों ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया।

लवेदी थाना क्षेत्र के ग्राम बरौली निवासी मोहित ने बताया कि सोमवार की सुबह बन्टू राठौर का छोटे भाई शीलू से पानी भरने को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि उसने गांव के बाहर ईट भट्टा की ईंट पाथ रहे पथेरों के अड्डे के पास एक पेड़ से फांसी का फंदा लगाकर लटक गया। थानाध्यक्ष लवेदी प्रीती सेंगर ने बताया यह घटना उनके संज्ञान मे नहीं है।

वहीं थाना बलरई क्षेत्र के अंतर्गत विकास नगर निवासी संतोष 30 वर्ष पुत्र पूरन सिंह ने परिवार में किसी विवाद के चलते घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जब परिजनो ने देखा तो कोहराम मच गया। परिजनों ने युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां पर उसका इलाज जारी है।

'सुदृढ़ अर्थव्यवस्था से ही विकसित होगा भारत'

संवाददताता जसवंतनगर इटावा

- चौ. सुघर सिंह एजुकेशनल एकेडमी में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ आयोजन

अमृत विचार । चौ. सुघर सिंह एजुकेशनल एकेडमी (ऑटोनोमस संस्थान) के तत्वावधान में "विकसित भारत की ओर भारत का अभियान 2047 उपलब्धियां एवं चुनौतियां" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का सफल समापन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. (डॉ.) रोली मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विवेक कुमार द्विवेदी, प्राचार्य बीएनडी कॉलेज कानपुर एवं उपाध्यक्ष यूपी महाविद्यालय शिक्षक संघ, प्रो. अवधेश सिंह , जगदीश नारायण पुरवार, वीडी पाण्डेय (उपाध्यक्ष कूटा), प्रो. रिपुदमन सिंह , चौ0 सुघर सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स के चेयरमैन डॉ. बृजेश चंद्र यादव, प्रबंध निदेशक अनुज मोंटी यादव, प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी , प्रो. पदमा त्रिपाठी, प्रो. रमा शंकर यादव , डॉ. महेंद्र सिंह (प्राचार्य केकेपीजी कॉलेज इटावा), प्रो. श्याम पाल सिंह (प्राचार्य राजकीय महिला महाविद्यालय इटावा), सेमिनार के आयोजक सचिव डॉ. संदीप पाण्डेय, अशांक हनी यादव एवं प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। सेमिनार में विभिन्न जनपदों से आए शोधार्थियों द्वारा 50 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) रोली मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि जब तक देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ नहीं होगी, तब तक 2047 के विकसित भारत का लक्ष्य पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने आर्थिक आत्मनिर्भरता और शोध आधारित शिक्षा पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि प्रो. विवेक कुमार द्विवेदी ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

वृद्ध के गायब होने की गुमशुदगी दर्ज कराई

बकेवर। कस्बा लखना के इन्द्रा कालोनी से 60 वर्षीय वृद्ध बिना बताये घर से कहीं चले गए हैं। उनकी पुत्र वधू ने गुमशुदगी दर्ज करायी है। कस्बा लखना के इन्द्रा कॉलोनी निवासी पल्लवी मिश्रा ने बकेवर थाने में शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसके 60 वर्षीय ससुर विनोद मिश्रा 22 फरवरी की सुबह घर से बिना बताये चले गए हैं। पास पड़ोस मुहाल तथा नाते रिस्तेदारों में खोजबीन की लेकिन उनका कोई भी पता नहीं चल सका । पुलिस ने शिकायती पत्र पर गुमशुदगी दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की।

नारायण दिव्यांग सेवा संस्थान का होली मिलन समारोह संपंन

इकदिल । नारायण दिव्यांग सेवा संस्थान द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन कार्यालय स्टेशन रोड इकदिल पर हुआ। जिसमें नगर व क्षेत्र के दिव्यांगजन बड़ी संख्या में शामिल हुए और एक दूसरे ने ग़ुलाल व रंग लगाकर होली खेली । अध्यक्ष जीपू शाक्य ने कहा कि होली का त्यौहार आपसी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है हम सब को इसे मिलजुल कर मनाना चाहिए । इस अवसर पर संरक्षक डॉ .सुशील सम्राट, अध्यक्ष जीपू शाक्य, उपाध्यक्ष पवन कुमार प्रजापति, कमलेश कुमार, कथावाचक कमलाकांत शास्त्री, विकांत राजपूत, आशीष कुमार, राजाबाबू भदौरिया, गोविन्द कुमार, सुमित्रा देवी, जगदीश कुमार, साहव सिंह रामानंद दोहरे, संजय सिंह, जय किशोर राजू गोयल, अवनीश कुमार, मीरा देवी आदि दिव्यांगजन उपस्थित रहे है।

घर से बाजार गयी महिला व बेटी लापता

भरथना। कस्बा के एक मोहल्ले से घर से बाजार गयी एक महिला व उसकी मासूम पुत्री देर रात तक घर नहीं लौटी. पीड़ित पति ने गुमशुदगी दर्ज कराई है । कस्बा के मोहल्ला अम्बेडकर नगर निवासी सोनू कुमार ने गुमशुदगी दर्ज कराते हुए बताया कि मेरी 25 वर्षीय पत्नी सोनी सात माह की मासूम बेटी तान्या को साथ लेकर 1 मार्च की दोहपर करीब एक बजे घर से बाजार जाने की बात कहकर निकली थी, किन्तु देर रात तक वह वापस नहीं आई। काफी खोजबीन के बाद भी मेरी पत्नी तथा पुत्री का कुछ पता नहीं चल सका है।

प्राइवेट बस के परिचालक ने यात्री के साथ की मारपीट

भरथना । थाना क्षेत्र के गांव पडिया पुरा निवासी सतेन्द्र यादव पुत्र हाकिम सिंह ने थाना पुलिस को तहरीर देते हुए बताया है कि वह पानीपत में प्राइवेट नौकरी करता है। होली का त्यौहार मनाने 28 फरवरी की रात दिल्ली के कश्मीरी गेट से एक प्राइवेट बस में सवार होकर अपने गाँव पडियापुर आ रहा था। सफ़र के दौरान बस जैसे ही भरथना थाना क्षेत्र के इटावा रोड स्थित हथनौली गाँव के समीप पहुंची तभी उसने परिचालक को अपना बैग निकालने की बात कही जिस पर परिचालक ने मेरे साथ मारपीट करते हुए मुझे जोर से लात मार दी जिससे मैं गिर गया और मेरे दायं हाथ व पैर में फैक्चर हो गया।

मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुईं मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना चौबिया क्षेत्र के अंतर्गत बीना गांव निवासी मोहिनी पत्नी उमेश को गांव में दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। थाना भरथना क्षेत्र के अंतर्गत यादव नगर निवासी बब्ली देवी पत्नी सुरेश यादव को गांव में दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया।

खोदा गया गड्ढा दे रहा हादसों को दावत

महेवा। विकास खंड क्षेत्र महेवा की ग्राम पंचायत बम्होरा के मजरा भवानीपुर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण पूरा करा दिया गया है। लेकिन कार्यदाई संस्था द्वारा केंद्र के ठीक सामने खोदा गया गड्ढा अभी तक भरा नहीं गया है, जिसके चलते कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। कभी भी कोई बच्चा गिरकर हादसे का शिकार हो सकता है । यह भी विदित हो कि आंगनबाड़ी केंद्र पर नौनिहाल पढ़ने जाते हैं, जिनकी उम्र तीन से छह वर्ष होती है । ग्रामीण दीपेश दोहरे ,राघवेंद्र सिंह, भगवती प्रसाद चौरसिया, शेलेंद्र सिंह चौहान आदि ने खंड विकास अधिकारी से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। प्रधान हरगोविंद पाल ने इस बारे में बताया कि सम्बन्धित संस्था के ठेकेदार को कई बार अवगत कराया गया है लेकिन उसने काम नहीं किया । उन्होंने ब्लॉक पर इसकी लिखित रूप में शिकायत भी की है।

सौम्या, रितिका और इरम का राज्य स्तर के लिए हुआ चयन

कार्यालय संवाददताता इटावा

- मेरा युवा भारत ने आपातकाल के 50 वर्ष, भारत के लिए सीख पर कराई गई भाषण प्रतियोगिता

अमृत विचार । मेरा युवा भारत की ओर से विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट युवा कनेक्ट के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका विषय आपातकाल के 50 वर्ष भारत के लिए सीख रखा गया था । इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने अपने विचार रखें। जिनमें से सौम्या गुप्ता को प्रथम स्थान मिला। रितिका द्वितीय स्थान पर और इरम वारसी तृतीय स्थान पर रहीं। अब इन तीनों विजेताओं को राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली भाषण प्रतियोगिता में जाने का अवसर मिलेगा। वहां यह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे ।

यहां तिरुपति बालाजी महाविद्यालय में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का शुभारंभ उप जिलाधिकारी सैफई सिद्धार्थ वर्मा ने किया। विद्यालय के प्रबंधक शिवमोहन और उप प्रबंधक पूनम चौहान अतिथि के रूप में मौजूद रहे। जिला युवा अधिकारी सोनिका चंद्रा ने विषय के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद प्रतिभागियों ने अपनी बात रखी। सभी प्रतिभागियों को तीन तीन मिनट का समय दिया गया था। इसके लिए निर्णायक मंडल बनाया गया था। इसमें पूर्व जिला युवा कल्याण अधिकारी हरिश्चंद्र तिवारी, राष्ट्रीय कवि व शिक्षक डॉ राजीव राज, डायट प्रवक्ता डॉ गायत्री वर्मा, चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज हेंवरा की प्रोफेसर निधि पांडे शामिल रही।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना जनता कॉलेज बकेवर के कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज तिरुपति, तिरुपति बालाजी कॉलेज के प्राचार्य डा. उदयवीर सिंह, मेरा युवा भारत के श्रवण कुमार बाथम मौजूद रहे।

प्रमाणपत्र व प्रतीक चिह्न के साथ मौजूद युवक व युवतियां। अमृत विचार

अली खामेनेई की शहादत पर हुई शोक सभा

इटावा। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला सैयद अली खामेनेई की शाहादत से शिया समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। घटिया अज़मत अली स्थित मस्जिद में शोक सभा का आयोजन हुआ ।

शोक सभा में मौलाना अनवारुल हसन जैदी इमामे जुमा इटावा ने कहा कि सुप्रीम लीडर आयतुल्ला सैयद अली ख़ामेनेई का मुसलमान ही नही सर्व समाज के लोग सम्मान करते थे। वह जीवन भर हक के रास्ते पर चले और जालिम का हमेशा विरोध किया। यह घटना तब हुई जब अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर वार्ता चल रही थी। उन्हें धोखे से शहीद किया गया। शोक सभा में राहत अक़ील, अली मेहदी, सलीम रज़ा, तहसीन रज़ा, हसन अब्बास, तनवीर हसन, इबाद रिज़वी, अख्तर अब्बास रिज़वी, जहीर अब्बास रिज़वी, अयाज हुसैन, शावेज़ नक़वी, सफीर हैदर आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने एक दूसरे को रंग लगा कर दी होली की शुभकामनाएं

कार्यालय संवाददताता इटावा

- पान कुंवर स्कूल में उमड़ा रंगों का सैलाब, उत्साह से मनाया होली का महापर्व

अमृत विचार । मानिकपुर-ग्वालियर बाईपास पर स्थित पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल का परिसर आज फाल्गुन के रंगों और बच्चों की चहक से सराबोर हो उठा। विद्यालय में होली का उत्सव किसी बड़े त्योहार की तरह मनाया गया, जहाँ चारों ओर खुशियों की फुहार नजर आई। इस खास मौके पर नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश के साथ एक-दूसरे को रंग लगाकर भाईचारे का संदेश दिया। उत्सव की रौनक तब और बढ़ गई जब विद्यालय के प्रबंधक डॉ. कैलाश चंद्र यादव और प्रधानाचार्य अरविंद तोमर सहित समस्त शिक्षक गणों ने बच्चों के साथ मिलकर इस पावन पर्व का आनंद लिया।

समारोह के दौरान बच्चों को प्यार और दुलार देते हुए प्रबंधक डॉ. कैलाश चंद्र यादव ने होली के वास्तविक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह त्योहार केवल रंगों का मेल नहीं, बल्कि आपसी कटुता को भुलाकर प्रेम और सौहार्द बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित होली खेलने का मंत्र देते हुए विशेष रूप से सलाह दी कि वे केवल उच्च गुणवत्ता वाले और सुरक्षित रंगों का ही प्रयोग करें ताकि किसी के स्वास्थ्य को नुकसान न पहुंचे।

उन्होंने मिलावटी और हानिकारक रसायनों से दूर रहकर प्राकृतिक तरीके से खुशियां बांटने की अपील की। कार्यक्रम के समापन पर प्रबंधक ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और पूरे विद्यालय परिवार को होली की आत्मीय शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बच्चों के साथ होली खेलते प्रबंधक डॉ . कैलाश चंद्र यादव। अमृत विचार

बाजारों में जमकर बिका रंग - गुलाल और गन्ना

कार्यालय संवाददताता इटावा

अमृत महेवा विचार । होलिका दहन के अवसर पर सोमवार को विकास खंड महेवा क्षेत्र में त्योहार की रौनक चरम पर रही। बहेड़ा, महेवा, ढकाताल सहित आसपास के गांवों में गन्ने की खूब बिक्री हुई। बाजारों और चौराहों पर सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे दुकानदारों के चेहरे खिल उठे।

होलिका दहन की परंपरा के चलते गन्ने की मांग अचानक बढ़ गई। क्षेत्र में गन्ना 20 रुपये प्रति नग के हिसाब से बेचा गया और हर जगह इसकी बिक्री जोरदार रही। ग्रामीणों ने पूजा के लिए गन्ना, लकड़ी व अन्य सामग्री खरीदी। वहीं होली के रंगों का बाजार भी पूरी तरह सज गया है। दुकानों पर गुलाल, अबीर, रंग, पिचकारी और बच्चों के खिलौनों की जमकर बिक्री हो रही है। छोटे-बड़े सभी बाजारों में त्योहार का उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि होली के चलते इस बार बिक्री अच्छी हो रही है और अगले दो दिनों में और बढ़ने की उम्मीद है। दूसरी ओर, बच्चे और युवा रंग-पिचकारी खरीदने में खास उत्साह दिखा रहे हैं। त्योहार को लेकर पूरे क्षेत्र में उल्लास का माहौल है और लोग पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ होली मनाने की तैयारियों में जुटे हैं।

गन्ना की खरीदारी करते लोग।

होली पर शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

संवाददताता भरथना इटावा

- डीएम और एसएसपी ने पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया

अमृत विचार । होली के त्योहार को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल तथा एसएसपी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को पुलिस बल के साथ कस्बे में पैदल भ्रमण किया ।

डीएम-एसएसपी ने पुलिस बल के साथ सरोजनी रोड, सब्जी मंडी, बालूगंज सहित मुख्य मार्गों से होते हुए पैदल मार्च किया। इस दौरान अधिकारियों ने सब्जी मंडी क्षेत्र में अतिक्रमण कर दुकानें लगाए बैठे कुछ व्यापारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि त्यौहार के दौरान मार्ग अवरुद्ध न हों और आवागमन सुचारु रहे। वहीं दुकानदारों द्वारा सब्जी मंडी में बाहर तक फैली हुई दुकानों को देख चिंताजाहिर की।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि डीजे की आवाज निर्धारित मानक से अधिक न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। हुड़दंग, जबरन रंग लगाने या शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी आरडी मौर्य ने कहा कि होली के पर्व को लेकर क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह, अरिमर्दन सिंह, कस्बा इंचार्ज तनमय चौधरी, थाना उपनिरीक्षक इदु हसन, ब्रजनंदन सिंह, गीता देवी समेत भरी पुलिस बल मौजूद रहा।

भरथना में पैदल गस्त करते डीएम व एसएसपी। अमृत विचार

राधा माधव संकीर्तन के वार्षिक उत्सव की तैयारियों पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददताता इटावा

अमृत महेवा विचार । अखिल भारतीय श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल शाखा इटावा की कार्यकारिणी की बैठक शाखा के अध्यक्ष राकेश चंद्र पाठक की अध्यक्षता में शाखा के सचिव नारायण किशोर वाजपेई के सिविल लाइंस स्थित आवास पर हुई जिसमें आगामी 14 एवं 15 मार्च को होने जा रहे मंडल शाखा के वार्षिक उत्सव को भव्यता के साथ संपन्न कराने की तैयारियों पर चर्चा की गई।

बैठक में शाखा के महासचिव विष्णु नारायण शोरावाल ने जानकारी दी कि दो दिन और चार सत्रों में होने वाले इस वार्षिक उत्सव का शुभारम्भ सत्र 14 मार्च को प्रातः दस बजे से माया मैरिज होम में होगा, जिसमें पूजन अर्चन के साथ भजन संकीर्तन होंगे और इसी दिन दूसरा सत्र सायंकाल शहर के प्रसिद्ध श्री काली वाहन मंदिर परिसर में अमित दुबे सिब्लू के संयोजन में होगा जिसमें मंडल से जुड़े बाहर से आए भजन गायक संगीतमय हरिनाम संकीर्तन प्रस्तुत करेंगे। अगले दिन 15 मार्च को प्रातः दस बजे से उत्सव का तीसरा सत्र शहर से करीब बारह किलोमीटर दूर इकदिल और बकेवर कस्बे के बीच हाई वे पर स्थित राधे राधे होटल एवं रेस्टोरेंट पर निखिल अग्रवाल के संयोजन में आरंभ होगा । इसके बाद इसी दिन विदाई सत्र सायंकाल पुनः माया मैरिज होम में होगा, जहां प्रसिद्ध भजन गायक धीरज बावरा और उनके सहयोगी कलाकार भजन संध्या कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इस बैठक में अनिल मिश्रा गुल्ली, अरविंद पोरवाल, इन्द्रनारायण पांडे, राजेश वाजपेई, नरेश चंद्र यादव, जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल, संजय चौबे, राम कुमार दुबे आदि मौजूद रहे।

आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी का दो दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न

अपने अंदर पवित्रता व श्रेष्ठ संस्कार रखें

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू की लखना शाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम "सफल जीवन का आधारः गीता का सार" का समापन रविवार को पुष्पश्री गार्डन में श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत लखना के अध्यक्ष गणेश पोरवाल, इंटर कॉलेज महेवा के प्रवक्ता शिवशंकर यादव एवं प्रबंधक अजय प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

समापन दिवस पर कार्यक्रम का शुभारंभ शिव पूजन के साथ हुआ। शिव पूजन में अध्यक्ष गणेश पोरवाल के साथ बीके गीता, बीके अनीता, बीके प्रीति, बीके प्रेम एवं बीके अंजलि ने संयुक्त रूप से भाग लिया। मुख्य वक्ता योग शक्ति बीके गीता शिवनी, मध्य प्रदेश ने अपने संबोधन में कहा कि सच्चे सुख और शांति के लिए सकारात्मक सोच अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम अपने भीतर पवित्रता और श्रेष्ठ संस्कार विकसित करें तो समाज में व्याप्त बुराइयों को समाप्त कर सकते हैं। उन्होंने होली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होली का वास्तविक अर्थ 'पवित्र बनना' है और हमें सर्वकल्याण की भावना रखते हुए संस्कारों का मिलान कर विश्व परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी भरथना की प्रभारी बीके अनीता एवं श्याम ने किया। अतिथियों का स्वागत बीके अलका, बीके हीरा, बीके कीर्ति, बीके प्रिया, अंजू एवं बीके अनन्या ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बीके रविंद्र, बीके अशोक, बीके राम महेश, बीके राम कुमार, गणेश वैभव, बीके कौशल, बीके बंकट सिंह, ऋषभ यादव, श्याम प्रताप, अविनाश, दिनेश, सचिन, जगत, मोहित एवं भगवान प्रताप सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा। अंत में अतिथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम में मौजूद ब्रहमकुमारी बहनें व अन्य लोग। अमृत विचार

होली पर्व पर आबकारी व पुलिस टीम ने जांचीं शराब की दुकानें

संवाददताता ताखा इटावा

अमृत विचार । होली पर्व के दृष्टिगत क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री व अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान आबकारी निरीक्षक ताखा, जितेन्द्र कुमार श्रीवास, थाना प्रभारी ऊसराहार बलराज सिंह भाटी के नेतृत्व में टीम ने क्षेत्र की कदमपुर, सरसई नावर, ऊसराहार, ताखा की देशी व अंग्रेजी शराब की दुकानों का निरीक्षण किया।

चेकिंग अभियान के दौरान दुकानों पर उपलब्ध मदिरा स्टॉक का रजिस्टर से मिलान किया गया। साथ ही प्रत्येक बोतल पर अंकित क्यूआर कोड की जांच कर उसकी वैधता परखी गई। टीम ने पोस मशीन के माध्यम से बिक्री की स्थिति की भी समीक्षा की। ताकि बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के संचालन की स्थिति भी देखी गई और रिकॉर्डिंग व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी कि मदिरा की बिक्री केवल निर्धारित अंकित मूल्य पर ही की जाए। किसी भी प्रकार की ओवररेटिंग या अवैध बिक्री पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि 04 मार्च को होली के दिन शाम 5 बजे तक सभी मदिरा दुकानें पूर्ण रूप से बंद रहेंगी। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दुकान का ताला तोड़कर पार किये आठ हजार

भरथना। कस्बा के मोहल्ला मोतीगंज में रेलवे क्रॉसिंग के समीप एक परचूनी की दुकान का ताला तोड़कर चोर गोलक में रखे आठ हजार रुपये चुरा ले गए। सुबह जब दुकान मालिक दुकान पर पहुंचा तब उसे घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है। कस्बा के मोहल्ला कल्याण नगर निवासी प्रकाश चन्द्र पोरवाल पुत्र तुलसीराम ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरी दुकान को देर रात अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए दुकान की गोलक में रखे करीब आठ हजार रुपयों पर हाथ साफ़ कर दिया। सुबह दुकान पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। घटना की सूचना थाना पुलिस को दी गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

न्यूज ब्रीफ

यमुना में मिला अज्ञात महिला का शव

कालपी–जालौन। यमुना में अज्ञात विवाहित महिला का शव मिला है। उसके यमुना पुल से कूदने के कयास लगाए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सोमवार दोपहर यमुना में मत्स्य आखेट करने वाले नाविकों ने नये यमुना पुल के पास कोठी नम्बर तीन के पास एक महिला का शव उतराता हुआ देखा, जिसकी सूचना उन्होंने कोतवाली पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी अजय ब्रह्म तिवारी ने शव को नाविकों के सहयोग से बाहर निकाला था, जो सलवार सूट के साथ पैरो में बिछिया और कानों में भी आभूषण पहने हुए थी, जिससे उसके विवाहित होने के कयास लगाए जा रहे हैं। लोगों की मानें तो सम्भव है कि उक्त विवाहित महिला ने एक दिन पहले पुराने यमुना पुल से छलांग लगाई होगी।

सड़क किनारे पड़ी बालू गिट्टी हटवाने की मांग

जालौन। चुंगी नंबर चार से उरई बाईपास तक सड़क किनारे अवैध रूप से डाली गई बालू–गिट्टी हटवाने की मांग नगर के लोगों ने डीएम से की है। नगर क्षेत्र में चुंगी नंबर चार से उरई बाईपास तक मुख्य मार्ग पर और उससे सटकर कई स्थानों पर बालू व गिट्टी के ढेर लगे हुए हैं। यह ढेर सड़क के किनारे से लेकर सड़क के बीच तक लगाए गए हैं। इससे लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। साथ ही दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। इस मार्ग से होकर प्रतिदिन स्कूली वाहन, एंबुलेंस, दोपहिया एवं चारपहिया वाहन गुजरते हैं। इस मार्ग पर स्कूल, अस्पताल और गेस्ट हाउस भी संचालित हैं। सड़क किनारे और सड़क पर पड़ी इस निर्माण सामग्री हटवाने की मांग नगर के अशफाक राईन आदि ने की है।

एएसपी व सीओ ने किया फ्लैग मार्च, ड्रोन से रखी गई नजर

अछल्दा (औरैया)। होली व रमजान के त्योहारों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अछल्दा कस्बे में पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा व क्षेत्राधिकारी पुनीत मिश्रा ने पुलिस बल के साथ कस्बे के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च हरीगंज, सरायबाजार, नहर बाजार और स्टेशन बाजार सहित भीड़भाड़ वाले इलाकों में निकाला गया। इस दौरान पुलिस ने ड्रोन कैमरे के माध्यम से पूरे क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखी। ड्रोन से छतों और संकरी गलियों की भी निगरानी की गई, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

सड़क हादसे में भट्टा मजदूर की गई जान

सब्जी लेकर लौट रहे वृद्ध को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

संवाददाता, फफूंद

जांच-पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में भट्टा पर काम करने वाले एक वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस घायल को सीएचसी ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव हसनपुर चांद खां निवासी 65 वर्षीय साबिर अली नगला पाठक स्थित एक भट्टा पर ईंट पथाई का कार्य करते थे। रविवार की शाम वह साइकिल से पड़ोसी गांव ऊंचा बाजार सब्जी लेने गए थे। बताया जाता है कि देर रात वह साइकिल से सब्जी लेकर वापस भट्टा पर लौट रहे थे। जैसे ही वह फफूंद मुरादगंज मार्ग पर भट्टा के सामने पहुंचे और सड़क पार करने लगे, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल वृद्ध को एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी दिबियापुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

लोगों ने जमकर की होली की खरीदारी

जालौन। होली की पूर्व नगर का बाजार पूरी तरह गुलजार नजर आया। मुख्य बाजार से लेकर मोहल्लों की गलियों तक दुकानों पर सजी रंग-बिरंगी सामग्री लेने के लिए लोगों की सुबह से देर शाम तक भीड़ रही। होली के इस सीजन में सबसे अधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखौटे और उनके आकर्षक कटआउट की रही। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं तक में इनकी खास मांग देखी गई। दुकानदार अंशू का कहना है कि इस बार अलग-अलग साइज और डिजाइन के मुखौटे आए हैं, जिनमें मुस्कुराते चेहरे, चश्मा लगाए, अंदाज और पारंपरिक पगड़ी वाले रूप शामिल हैं। इसके अलावा फिल्मी कलाकारों और कार्टून पात्रों के मुखौटे भी बाजार में मांग रही। रंग-बिरंगी बनियानों पर रंग बरसे, होली है, बुरा न मानो होली है, होली की टोली, रंगों में डूबे हम, होली गुलाल की बहार जैसे आकर्षक वाक्य युवाओं को आकर्षित करते नजर आए। सफेद, पीले, हरे और गुलाबी रंग की इन बनियानों को पहनकर युवा होली के दिन विशेष अंदाज में नजर आने की तैयारी कर रहे हैं।

विद्यार्थियों ने जमकर उड़ाई अबीर-गुलाल, हुए सराबोर

संवाददाता, फफूंद

होली का पर्व मनाते बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार। सोमवार को बचपन स्कूल परिसर रंग-बिरंगे फूलों, गुलाल और बच्चों की खिलखिलाहट से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। विशेष आकर्षण के रूप में कक्षा पीजी के छात्र रुद्र ने भगवान श्रीकृष्ण का मनमोहक रूप धारण किया, वहीं कक्षा एलकेजी की छात्रा आरवी ने राधा के रूप में सभी का मन मोह लिया। दोनों नन्हे कलाकारों की मनभावन प्रस्तुति ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों का दिल जीत लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक पीके दीक्षित ने बच्चों को होली के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि होली एक प्राचीन भारतीय त्योहार है, जिसे बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसका संबंध

- रंग-बिरंगे फूलों से तैयार अबीर से खेली होली

भक्त प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है, जो हमें सच्चाई, आस्था और सद्भाव का संदेश देती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य एस कुमार ने भी बच्चों को समझाया कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और नए उत्साह का प्रतीक है। कार्यक्रम को सफल बनाने में एक्टिविटी इंचार्ज मोहिनी मैम, हिमामी मैम, कल्पना मैम, राखी मैम, कशिश मैम, देवांशी मैम सहित समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी बच्चों को मिठाइयां वितरित की गईं और सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल होली मनाने का संदेश दिया गया। विद्यालय में आयोजित यह रंगारंग कार्यक्रम सभी के लिए यादगार बन गया।

मोमेंटो के साथ सम्मानित कराटे खिलाड़ी। अमृत विचार

कराटे स्कूल की कलर बेल्ट परीक्षा संपन्न खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

अछल्दा। कस्बे में रविवार को स्थित नहर कोठी परिसर में एसएस कराटे अकादमी द्वारा कलर बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया गया। लगभग तीन घंटे तक चली इस परीक्षा में खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत और अनुशासन का प्रदर्शन किया। इस परीक्षा में लक्ष्मी नारायण स्कूल, ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल, एसएसआर अकादमी, ज्ञान ग्लोबल स्कूल और एसपीएल अकादमी के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कोच श्रीवत्स दीक्षित और संध्या दीक्षित ने बताया कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान पर रहे रिशु तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सत्यम सिंह को समुराईकान कराटे दो इंटरनेशनल की ओर से शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सभी उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को एसोसिएशन की ओर से प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

हादसे के बाद जागा विद्युत विभाग 8 नए पोल लगाकर सुधारी लाइन

संवाददाता, अछल्दा/कुदरकोट

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव गढ़वाना में झूलती 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से 32 वर्षीय रवि की मौत हो गई थी। हादसे के बाद विद्युत विभाग हरकत में आया और जेई मोहित रस्तोगी अपनी टीम के साथ देर रात तक मौके पर डटे रहे। विभागीय कर्मचारियों ने झूलते तारों को हटाकर लाइन को दुरुस्त किया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आठ नए पोल लगाए गए, क्षतिग्रस्त तार बदले गए और हाईटेंशन लाइन को मानकों के अनुरूप ऊंचाई पर व्यवस्थित किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पहले ही शिकायतों पर संज्ञान लिया जाता तो युवक की जान बच सकती थी। फिलहाल गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है तथा लोग जिम्मेदार अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

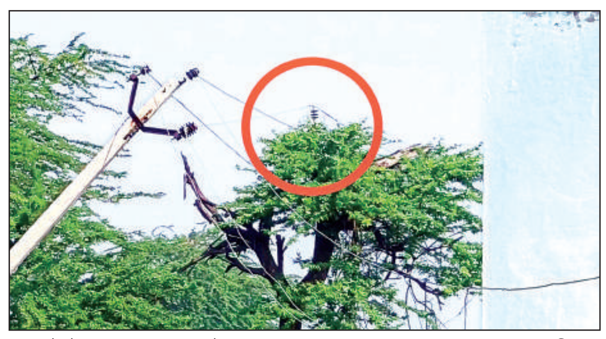
बबूल के पेड़ पर लगा था इन्सुलेटर। अमृत विचार

- रविवार को करंट की चपेट में आने से युवक की गई थी जान

बता दें कि मार्च 2025 में इन्हीं झूलते तारों की चपेट में आकर करीब 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई थी। इसके बाद 27 अगस्त 2025 को पांच गोवंशों की करंट लगने से मौत हो गई थी। उस समय भी हाईटेंशन लाइन की शिकायत विभाग से की गई थी, लेकिन स्थायी समाधान नहीं कराया गया। आरोप है कि विभाग ने केवल औपचारिकता निभाई और जर्जर तारों व खंभों की मरम्मत नहीं कराई। ग्रामीणों का कहना है कि एक बबूल के पेड़ पर इंसुलेटर लगाकर ही बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से चलाई जा रही थी। रवि की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार कर दिया और जिलाधिकारी व वरिष्ठ बिजली अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

होली को लेकर बेला में फ्लैग मार्च, पुलिस ने परखी व्यवस्था

संवाददाता, बेला

अमृत विचार। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार शाम बेला कस्बे में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने किया।

कस्बे के मुख्य बाजार, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ मार्च किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मी हेलमेट और जैकेट पहनकर लाठी के साथ मुस्तैद नजर आए। फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाने के साथ ही असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की हुड़दंग, अवैध शराब बिक्री, जबरन रंग डालने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अपील की गई कि त्योहार को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाएं। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस की सक्रियता से कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ दिखाई दी और नागरिकों ने भी पुलिस के इस कदम की सराहना की।

फुट मार्च निकालकर अराजकतत्वों को दी चेतावनी

कालपी। होली पर गड़बड़ी न हो इसको लेकर पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। इसके चलते नगर के संवेदनशील क्षेत्रों में मार्च निकालकर लोगों से साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है। होली पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। रविवार को जिलाधिकारी राजेश पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने भी नगर का दौरा कर लोगों से वार्ता कर माहौल का जायजा लिया था और सोमवार दोपहर को कोतवाली प्रभारी अजय ब्रह्म तिवारी ने कोतवाली तथा अतिरिक्त पुलिस बल के साथ दमदमा, मुन्ना फुलपावर चौराहा, टरननगंज सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया।

पांच वर्षीय बच्चे से कुकर्म का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

संवाददाता, कुदरकोट (औरैया)

अमृत विचार। थाना कुदरकोट क्षेत्र के एक गांव में पांच वर्षीय मासूम बच्चे से कुकर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना बीते 22 फरवरी को सुतयानी मोड़ के पास दोपहर करीब एक बजे हुई थी। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी पांच साल का बच्चा अपने सात वर्षीय बड़े भाई के साथ खेत पर जा रहा था। वहां उसकी दादी खेत पर फसल की सिंचाई कर रही थीं। तभी रास्ते में बाइक सवार एक युवक मिला। उसने बच्चे को खेत तक छोड़ने की बात कही और 10

- थाना कुदरकोट क्षेत्र के एक गांव का मामला, दादा की तहरीर पर पुलिस ने की कार्रवाई

रुपये देने का लालच दिया। आरोप है कि युवक बच्चे को कुछ दूर खेत में ले गया और उसके साथ कुकर्म किया। वारदात के बाद आरोपी मासूम को रोता हुआ छोड़कर फरार हो गया। बाद में बच्चा घर पहुंचा। उसकी हालत देख परिजनों ने पूछताछ की, तो उसने रोते हुए पूरी घटना बताई। इसके बाद यूपी-112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कुदरकोट थाना पुलिस और बिधूना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चे को उपचार व मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिधूना भेजा गया। मासूम के दादा की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान अजय बाथम निवासी सराय चौरी, थाना भरथना (इटावा) के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड स्थित गढ़वाना अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया है।

होली मिलन समारोह के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

एक-दूसरे को गुलाल लगाकर दी होली की बधाई

अछल्दा। कस्बे स्थित नहर कोठी परिसर में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पूर्व विधायक लाखन सिंह राजपूत और पूर्व चेयरमैन राजेश पोरवाल पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। वहीं विधायक ने कहा कि होली आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता का पर्व है। पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस दौरान फाग गीतों पर कार्यकर्ता झूमते नजर आए।

परीक्षा में चयनित प्रभात का हुआ सम्मान

संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। सदर ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय गोहना के छात्र प्रभात कुमार पुत्र संतोष कुमार ने नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा (एनएमएमएस) 2025 में चयनित होकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

इंचार्ज प्रधानाचार्य चंद्रप्रकाश व सहायक अध्यापक कुलदीप सिंह, सुभाष रंजन द्विवेदी तथा अवधेश पोरवाल सहित समस्त स्टाफ ने छात्र प्रभात का तिलक कर माल्यार्पण के साथ स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक चंद्र प्रकाश ने कहा कि प्रभात कुमार की यह

छात्र को सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

सफलता यह सिद्ध करती है कि यदि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक वातावरण मिले तो वे किसी भी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एनएमएमएस जैसी छात्रवृत्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर किंतु प्रतिभाशाली छात्रों के लिए वरदान हैं, जो उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए आत्मविश्वास और संसाधन प्रदान करतीं हैं। इस मौके पर उन्होंने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से क्लास चलाए जाने की बात कही। चयनित विद्यार्थी को प्रति माह कक्षा 12 तक 1000 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल

संवाददाता, बेला, औरैया

अमृत विचार। बेला-कानपुर रोड पर सोमवार शाम एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बेला पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा किया।

दिलीप नगर, बेला मऊ सारिया, जिला कन्नौज निवासी प्रदीप राजपूत और रामसिंह बाइक से बेला से अपने गांव पुरवा विधि जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप ने उनकी बाइक में

- बेला-कानपुर रोड पर पिकअप की टक्कर से दो बाइक सवार गंभीर घायल

जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देखी व्यवस्था | पर्व को लेकर पुलिस अधिकारियों ने पैदल मार्च किया

सौहार्द बिगाड़ने पर होगी कड़ी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, जालौन

अमृत विचार। होली की पूर्व संध्या पर सीओ ने स्थानीय पुलिस के साथ सड़क पर पैदल मार्च किया। अधिकारियों ने फोर्स के साथ भ्रमण कर सुरक्षा का एहसास कराया और लोगों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली।

होली व रमजान को लेकर प्रशासन सतर्क है। जिसको लेकर सीओ शैलेंद्र कुमार बाजपेयी व कोतवाल आनंद सिंह के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस, महिला पुलिस व पुलिस चौकी के जवानों ने संयुक्त फ्लैग मार्च किया। अधिकारियों ने फोर्स के साथ तकिया चौराहे के साथ झंडा चौराहा के आसपास की

पैदल मार्च करते पुलिस के जवान व अधिकारी। अमृत विचार

सड़कों पर पैदल मार्च किया। पैदल मार्च की शुरुआत कोतवाली परिसर से की गई। पुलिस के जवान काली माता मंदिर के सामने से तहसील रोड होते हुए जल संस्थान के सामने सब्जी मंडी पहुंचे। इसके बाद चौकी के सामने से छोटी माता मंदिर होते हुए नगर पालिका स्कूल के आगे से मुरलीमनोहर, तकिया मस्जिद होकर झंडा चौराहे पर पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों ने जनता को चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी वयक्ति सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास न करे अन्यथा कड़ी कार्रवाइ्र की जायेगी।

सभी शांतिपूर्वक त्योहार मनाएं और किसी भी प्रकार की कोई अफवाह पर ध्यान न दें। शराब के नशे में हुल्लड़बाजी न करे। यदि कोई माहौल खराब करने की कोशिश करता है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस मौके पर इंस्पेक्टर क्राइम जगदंबा प्रसाद दुबे, एसएसआई संजय यति, चौकी प्रभारी मनीष तिवारी, महिला चौकी प्रभारी मधु सिहं आदि रहे।

आयुर्वेद विभाग के कार्मिक नहीं मनाएंगे होली का पर्व

संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। आयुर्वेद विभाग में विभागीय निष्क्रियता के चलते चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, नर्सों एवं चतुर्थ श्रेणी, संविदा कर्मचारियों का वेतन होली के त्योहार से पहले नहीं निकल सका।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वेतन निकलने संबंधी कड़े आदेश के बाद भी आयुर्वेद विभाग इटावा में किसी अधिकारी कर्मचारी का वेतन नहीं निकाला गया। जबकि होली के त्योहार को देखते हुए मुख्यमंत्री ने आदेश दिया था जिन कर्मचारियों का चल अचल संपत्ति का ब्यौरा भी नहीं दर्ज है उनका वेतन भी आहरित कर दिया जाए। ऐसी विषम परिस्थितियों में आयुर्वेद विभाग के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने होली का त्योहार न मनाने का निर्णय लिया है। प्रांतीय आयुर्वेद चिकित्सक संघ के जिला सचिव डॉ. कमल कुमार कुशवाहा ने बताया कि इस समय सभी कर्मचारियों पर अत्यधिक बोझ है अधिकतर चिकित्साधिकारियों की ड्यूटी बोर्ड परीक्षाओं और एस आई आर में लगी हुई है जहां पर आने जाने में जेब पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है ऐसी विषम परिस्थितियों में वेतन का न आना सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के होली के त्यौहार को फीका कर देगा। कई कर्मचारियों के सामने विकट आर्थिक संकट है कर्मचारियों के इस प्रकार की परेशानी को देखते हुए संघ ने त्योहार न मनाने का फैसला लिया।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

कुरारा (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के उमराहट गांव में बीती रात अज्ञात कारण के चलते किशोरी ने घर में दुप्पटे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्र के उमराहट गांव निवासी प्रमोद कुमार की पुत्री कृष्णा देवी (17) ने अज्ञात कारणों के चलते रविवार की रात घर की छत में लगे एंगल की रॉड से दुप्पटे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर थाना पुलिस सहित फोरेंसिक टीम ने मौके पर जाकर घटना की जांच पड़ताल की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ई-रिक्शा से भिड़ंत में बाइक सवार घायल

मौदहा (हमीरपुर)। ससुराल से बाइक द्वारा अपने गांव वापस लौट रहे युवक की कस्बे के रेलवे स्टेशन के पास ई रिक्शा से बाइक भिडंत हो गई। जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे राहगीरों ने कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। कुरारा थानाक्षेत्र के पोथीपुर निवासी देवला (25) पुत्र राजा निषाद शनिवार को मौदहा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ढ़ीहा डेरा अपनी ससुराल आया था। सोमवार व ससुराल से वापस अपने घर लौट रहा था। तभी रेलवे स्टेशन मोड़ के पास सामने से आ रहे ई रिक्शा से सीधे भिडंत हो गई। जिसमें देवला गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसे मामूली चोटें ही आई हैं।

किशोरी को ले जाने में आरोपी गिरफ्तार

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र से एक गांव की लड़की को बहलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने औरैया के आरोपी को नहर पुल के पहले धन्नी निवादा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया है। कहिंजरी चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि दो नवंबर 2025 को मुकदमा कायम कराया गया था। इसमें कहा गया कि किशोरी को जनपद औरैया के ग्राम हवेलियां का निवासी युवक ने बहला फुसला ले गया है। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना अनुसार नहर पुल के पहले धन्नी निवादा मोड थाना रसूलाबाद क्षेत्र से गिरफ्तार कर पाक्सो की बढ़ोतरी की है। पुलिस ने आरोपी न्यायालय में पेश किया। वहां उसे जेल भेज दिया गया है।

फिल्मी गानों में दब गए होली के फाग

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- बुंदेलखंड में चौकड़िया, दहकवा छंद, बृजवासी विधा में गाए जाते थे होली के फाग
- अब युवाओं में रील तक सीमित रहा होली का उत्साह, फाग के बारे में पता ही नहीं
- बुजुर्गों की जमात में ही सुनाई देते फाग, फगुआ की ढोलक बजाने वालों की खलती कमी

अमृत विचार। आधुनिकता की दौड़ में होली के फागों के बोल गायब हो गए हैं। कभी गांव की चौपालों में वसंत पंचमी से ही फाग की गूंज उठने लगती थी और रंग पंचमी तक फाग की धूम रहती थी। अब ऐसा कहीं नहीं दिखता। युवा वर्ग फागों के बोलों से अनजान है। युवा वर्ग को यह भी मालूम नहीं है कि कितने प्रकार की फागें गाई जाती हैं। इससे बुजुर्ग फाग गायक आहत है।

सुमेरपुर के विदोखर पुरई के मशहूर फाग गायक शिवनाथ सविता ने बताया कि बुंदेलखंड में चौकड़िया, छंद, दहकवा, बृजवासी, खड़ी फाग एवं बड़ी फाग विधा की फागें गाई जाती हैं अब इन फागों को गाने वाले विलुप्त होते जा रहे हैं अभी कुछ गांवों में होली के फाग निकालने की परंपरा विद्यमान है लेकिन आपसी भाईचारे, सद्भाव, प्रेम का अभाव होने से यह परंपरा सिमटती जा रही है। फाग गायक रणविजय सिंह ने बताया कि ज्यादातर गायक कवि ईश्वरी रचित फागे गाते हैं। इसके अलावा बुंदेलखंड में कवि गंगाधर, कवि जितेंद्र, सुखराम शतक, नन्हे सिंह, दशरथ रचित फागें भी गाई जाती हैं। वयोवृद्ध सीताराम सिंह ने बताया कि यमुना पट्टी गांवों में बड़ी फागों के गायन का चलन है जबकि ब्लाक क्षेत्र के पश्चिमी एवं दक्षिणी दिशा में बसे गांवों में चौकड़िया, छंद, दहकवा, बृजवासी, खड़ी फाग की गायकी का चलन है।

मशहूर फाग गायक अमर सिंह ने चौकड़िया, छंद, दहकवा, बृजवासी, खड़ी फागों के बोलो को बताते हुए कहा कि छंद फाग दोहा के अंतरा से शुरू होकर छंद के साथ समाप्त होती है। इसको कुछ इस तरीके से गायक गाते हैं। भंग. दंग झूमत फिरत करत परस्पर जंग, आज ललन होरी करन, नाहक पिलई भंग। संग शखा लिए बाल, झोरी भरभर गुलाल, मेरा कियो ऐसा हाल सरबोर किया पिया, लाल पियर बैजाना प्याजी पतरंग दिखलाया। चौकड़िया फाग को गायक ऐसे प्रस्तुत करते हैं। भीगी फिरत राधिका रंग में, मनमोहन के संग में। दहकवा के बोल कुछ यूं होते हैं गिरधारी लाल, बनवारी लाल गिरवर, गिराधरी, बृजवासी फागुन के साथ चैत्र मास में भी गाने का रिवाज बुंदेलखंड में है। होली में बृजवासी के बोल कुछ इस तरह से हैं। मगरोकट नार पराई छैल, जशोदा के अनोखे नंदलाला। खड़ी फाग कुछ यूं गाया जाता है। दोऊ बाजै पैजाना पावन मा, सुधर नार के आवन मां। लेकिन अब इन फागों के गाने वालो की संख्या नगण्य होती जा रही है। युवा वर्ग का रुझान फागो की तरफ नहीं है बल्कि फिल्मी गानों की ओर है। यही कारण है कि बसंत पंचमी से फागों से गुलजार होने वाली चौपालें अब होली पर्व में भी सुनसान रहती हैं कभी-कभार इनके बोल सुनाई देते हैं।

ई रिक्शा पलटने से तीन गंभीर घायल

कुरारा (हमीरपुर)। कुरारा भौली मार्ग मे रघवा गांव के पास ई रिक्शा पलटने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से सभी को एंबुलेंस से स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद एक घायल की हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कुरारा भौली मार्ग में रघवा गांव के पास सोमवार को ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें सवार गोविंद (18) पुत्र राम सिंह, नीरज (22) पुत्र रामकुमार निवासीगण पडुई, प्रहलाद (32) पुत्र सुरेश निवासी रघवा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों की मदद से एंबुलेंस से उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी लेकर आया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद गोविंदा की हालत नाजुक देख जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

संदिग्ध हालात में महिला का फंदे पर लटका मिला शव

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- मायके वालों ने गला घोंटने का आरोप लगाकर काटा हंगामा

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के अकौना गांव में 36 वर्षीय महिला का संदिग्ध हालात में फंदे पर शव लटका मिला। मायके वालों ने गला घोंटकर लटकाने का आरोप लगाकर हंगामा काटा। पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया है।

कोतवाली क्षेत्र के अकौना गांव की विनीता (36) पत्नी कालका प्रसाद ने संदिग्ध परिस्थितियों के चलते मध्यरात्रि के समय रस्सी के फंदे पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। जब परिजनों ने महिला विनीता को फांसी के फंदे पर लटकता हुआ देखा तो उनके होश उड़ गए। मृतक महिला के परिजनों ने बताया कि मृतका विनीता ने पति से झगड़कर स्वयं ही फांसी लगाकर आत्महत्या की है। वहीं मृतक महिला के भाई नीरेंद्र कुमार ने बताया कि उसकी बहन का विवाह बीते 15 वर्ष पूर्व हुआ था। तथा विवाह के बाद से ही उसकी बहन का पति और अन्य ससुरालीजन उसकी बहन को प्रताड़ित कर मारपीट करते रहते थे। आरोप लगाते हुए कहा कि उक्त ससुरालीजनों ने ही उसकी बहन की गला घोटकर हत्या की है। मृतक महिला के भाई नीरेन्द्र कुमार ने कोतवाली में तहरीर देकर ससुरालियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। मृतका विनीता अपने पीछे 10 वर्षीय पुत्र अंशु व 12 वर्षीय पुत्री वंदना सहित अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता हुआ छोड़ गई है। मामले में कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि मृतक महिला के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है तथा मामले में आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

प्रसव के बाद बिगड़ी हालत, थम गई सांस

कल्ला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के बाद बिगड़ी हालत

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

- जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही तोड़ दिया दम
- बिवांर थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमृत विचार। कल्ला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ गई। हालत गंभीर देख उसे सदर चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। परिवार के लोग महिला को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि उसकी रास्ते में ही सांसें थम चुकी थीं।

थाना क्षेत्र के चंदौली अहीर गांव के रहने वाले जितेंद्र की पत्नी मोहनी (30) को नौ माह का गर्भ था। रविवार की शाम मोहनी को प्रसव पीड़ा होने से परिवार के लोग एएनएम से जान-पहचान होने के कार कल्ला गांव की पीएचसी ले गए, जहां प्रसव के लिए भर्ती कर लिया गया। सोमवार की सुबह करीब दस बजे तेज दर्द होने पर एएनएम मधु ने आक्सीप्रोसीन का इंजेक्शन लगा दिया। थोड़ी देर बाद मोहनी ने बच्ची को जन्म दिया।

प्रसव के कुछ देर बाद ही मोहनी को तेज घबराहट हुई। आंखें पलट गईं। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने फौरन सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिवार के लोग निजी वाहन से मोहनी को सदर अस्पताल ले गए, जहां पहुंचने पर डॉक्टर ने मोहनी को मृत घोषित कर दिया। नवजात बच्ची की हालत फिलहाल सामान्य है। उसके दो बेटियां पहले से हैं, जो मां के बिछड़ने के बाद रोती-बिलखती रहीं।

देवर जयहिंद ने बताया कि कल्ला गांव में जान-पहचान होने के कारण वे लोग प्रसव के लिए बिवांर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाने के बजाय कल्ला पीएचसी ले गए थे। एएनएम मधु ने बताया कि मोहनी की डिलेवरी आसानी से हो गई थी। डिलेवरी के बाद उसकी हालत खराब हुई। हालत गंभीर देख तत्काल उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया था। एसआई अंकित बैसला ने बताया कि मोहनी के देवर जयहिंद की सूचना पर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मां की डांट से आहत बेटी ने लगाया फंदा

मौदहा। कोतवाली क्षेत्र के पढ़ोरी गांव में 15 वर्षीय किशोरी ने मां की डांट से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

परिजनों ने बताया कि सोमवार सुबह माता-पिता खेत गए थे। घर में किशोरी अकेली थी। रात में किसी बात को लेकर मां ने उसे डांट दिया था। इसी से आहत होकर किशोरी ने कमरे का दरवाजा बंद कर दुपट्टे से फंदा बना लिया। घर के बाहर खेल रही छोटी बहन को अनहोनी की शंका हुई तो उसने शोर मचाया। आवाज सुनकर बगल में रह रहे किशोरी के चाचा पहुंचे और घर के पीछे से कूदकर दरवाजा खोला। उन्होंने फंदा काटकर किशोरी को उतारा। परिजन उसे सीएचसी ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने नाजुक हालत देखते हुए उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन परिजन किशोरी को बांदा मेडिकल कॉलेज ले गए हैं।

होली मिलन एवं सम्मान समारोह में भाग लेते कवि। अमृत विचार

होली मिलन एवं कवि सम्मान समारोह में हास्य रस की फुहार

मौदहा। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की तहसील इकाई के तत्वावधान में थाना चौराहा के पास कुंवर विद्यालय में होली मिलन व कवि सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के संयोजक तहसील अध्यक्ष हरी प्रकाश कुशवाहा ने अंगवस्त्र और फूल माला से सभी साहित्यकारों का सम्मान किया। मुख्य अतिथि प्रांतीय संयुक्त मंत्री कवि रेवती कुमार पाठक, संस्था के जिलाध्यक्ष लखनलाल जोशी 'ललित' कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संरक्षक शिवकरण सिंह' सरस', पूर्व अध्यक्ष जगदीश चन्द्र जोशी, कवि वीरेंद्र कुमार पाल 'शजर', उपाध्यक्ष नीतिराज सिंह, कवि कमलेश सिंह गौर, कवि संतोष कुमार माधव, कवि कमल किशोर कमल, कवि बालकिशुन जोशी' चंचल', उपाध्यक्ष धर्मात्मा प्रसाद 'अभिलाषी', उपाध्यक्ष गीता ओमर, डॉ ज्ञानेंद्र द्विवेदी, हास्य कवि दिनेश दुबे, हरीराम गुप्त 'निरपेक्ष' आदि ने कविता पाठ किया। चन्द्रशेखर अग्निहोत्री ने विचार रखे। इस मौके पर कवि बाल किशन जोशी 'चंचल' को तहसील इकाई राठ का अध्यक्ष घोषित किया गया। मंत्री कैलाश प्रसाद सोनी ने संचालन किया।

किन्नर से छेड़खानी मारपीट, तहरीर दी

बिवांर। गांव से लौट रहे किन्नर को रास्ते में सुनसान पाकर युवक ने साथी के साथ मिलकर छेड़खानी की। विरोध करने पर युवक ने किन्नर के साथ अभद्रता कर थप्पड़-घूंसों से जमकर मारपीट की। किन्नर ने युवक सहित उसके साथी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

थानाक्षेत्र के मुटनी गांव निवासी किन्नर मुस्कान ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उमरी गांव के किन्नर चंदा से मुलाकात करने के लिए गई थी। मुलाकात कर वापस आते समय रास्ते में बिवांर कस्बा निवासी सत्यम अपने अज्ञात साथी के साथ मिल गया और रास्ते में रोक कर जबरन छेड़खानी करने लगा। विरोध करने पर अभद्रता करते हुए थप्पड़ घूंसों से मारपीट कर दी।

शोर मचाने पर किन्नर चंदा ने आकर बीच बचाव किया। जिस पर सत्यम जान से मारने की धमकी देते हुए अपने साथी के साथ भाग गया। किन्नर मुस्कान ने सत्यम व उसके साथी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। एसआई अंकित बैसला ने बताया कि तहरीर मिली है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

राठ (हमीरपुर)। जराखर मार्ग पर सैना गांव के पास एक चार कार ने एक बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। कार की टक्कर से बाइक सवार युवक बुरी तरह से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसे मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गई। कार किसी सपा नेता की बताई जाती है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

टोला खंगारन गांव निवासी चंद्रप्रकाश (35) सोमवार की दोपहर बाद बाइक से अपने गांव जा रहा था। सैना गांव के पास एक सपा नेता की कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के पचखच्चे उड़ गए। जिससे बाइक सवार युवक सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घायल को इलाज के लिए कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया। जहां युवक की नाजुक हालत होने पर चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उरई मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्राम प्रधान पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि मृतक अपने नाना नानी के यहां टोला खंगारन गांव में बचपन से रहता था। वह मूल रूप से चिल्ली गांव का निवासी थी।

कुरारा थाने में खड़े कराए गए मौरंग भरे ट्रैक्टर। अमृत विचार

पुलिस ने बिना एमएम-11 के 2 ट्रैक्टर पकड़ थाने में खड़े कराए

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे में अवैध रूप से मौरंग लेकर जा रहे दो ट्रैक्टर को पुलिस ने पकड़ कर थाने में खड़ा कराया है। अभी तक इनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

कस्बे में बीती रात गश्त के दौरान थाना पुलिस ने भौली रोड में मौरंग लेकर जाते समय दो ट्रैक्टर ट्रॉली को बिना एमएम 11 के पुलिस ने पकड़ कर थाने में खड़ा कराया है तथा खनिज विभाग को इसकी जानकारी दी गई है। अभी तक इनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है। क्षेत्र में शाम ढलते ही बेतवा नदी के किनारे बसे गांवों से अवैध रूप से मौरम का खनन दबंग लोगों द्वारा किया जा रहा है। तथा रात के अंधेरे में मोरम का परिवहन किया जा रहा है। जिससे राजस्व का नुकसान हो रहा है। खनिज विभाग भी इस अवैध खनन पर रोक नहीं लगा पा रही है।

इबादत, सब्र और इंसानियत का पैगाम देता रमजान माह

हमीरपुर। माहे रमजान इस्लाम धर्म में रहमत, मगफिरत और निजात का मुबारक महीना माना जाता है। इस पाक महीने की शुरुआत के साथ ही मुस्लिम समाज में इबादत, संयम और नेकियों का विशेष माहौल बन जाता है।

मौलाना रियाजुल हसन ने बताया कि रमजान में रोजा रखना फर्ज है, जिसमें सहरी से इफ्तार तक खाने-पीने से परहेज़ करते हुए अल्लाह की इबादत की जाती है। रमज़ान की एक रात शबे-क़द्र हजार महीनों से बेहतर बताई गई है। मस्जिदों में तरावीह की नमाज़ अदा की जाती है, वहीं लोग कुरान की तिलावत, ज़िक्र और दुआओं में समय बिताते हैं। यह महीना सब्र, त्याग और आत्मसंयम का संदेश देता है। गरीबों और जरूरतमंदों की मदद रमजान की खास पहचान है। रोजेदारों को इफ्तार कराना और ज़कात व सदक़ा देना बड़े सवाब का काम माना जाता है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति किसी रोज़ेदार को इफ्तार कराता है, उसे भी रोज़े के बराबर सवाब मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रमजान का पहला अशरा रहमत, दूसरा मगफिरत और तीसरा जहन्नुम से निजात का होता है। कुल मिलाकर रमज़ान इंसान को इंसानियत, भाईचारे और नेक रास्ते पर चलने की प्रेरणा देता है।

होलिकोत्सव में अबीर लगाई, गले मिले और रंगीली होली की बधाई दी

हमीरपुर। नगर के स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में होलिकोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रामप्रकाश गुप्ता ने कहा कि यह त्योहार हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

पौराणिक कथा के अनुसार होलिका हिरण्यकश्यप की बहन थी जिसने एक वरदान प्राप्त किया था जिससे वह अग्नि से अप्रभावित हो रही थी। फिर उसने अपने भतीजे प्रहलाद को अपनी गोद में बिठाकर होलिका दहन मे मारने का प्रयास किया। जबकि वह स्वयं जलकर भस्म हो गयी और प्रहलाद आग से बच गया। इस अवसर पर पंचम वेला में सभी कक्षाचार्यो ने अपनी अपनी कक्षाओं में होली का महत्व बताया और रंग गुलाल लगाकर सभी को होली की बधाई दी। अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने समस्त स्टाफ के साथ बैठकर होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन संगीताचार्य ज्ञानेश जड़िया ने किया। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम प्रमुख आचार्य राजेश शुक्ला ने किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी आचार्य वेद प्रकाश शुक्ल ने दी।

होलिकोत्सव में एक-दूसरे के गुलाल लगाकर गले मिलते शिक्षक। अमृत विचार

एंबुलेंस कर्मियों को दिशा-निर्देश देते जिला प्रभारी। अमृत विचार

होली पर 24 घंटे सड़क पर दौड़ती रहेंगी एंबुलेंस

हमीरपुर। जनपद में होली पर्व के मद्देनजर 108 व 102 एंबुलेंस सेवाएं तथा सभी सरकारी अस्पताल 24 घंटे हाई अलर्ट पर रहेंगे। शासन के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.गीतम सिंह ने एंबुलेंस जिला प्रभारी भूपेंद्र और कपिल वार्ष्णेय को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

एम्बुलेंस नोडल अधिकारी डॉ.सच्चिदानंद ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में 108 एंबुलेंस सेवा पर डायल करने पर एंबुलेंस शीघ्र घटनास्थल पर पहुंचेगी और मरीज को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। सभी अस्पतालों में डॉक्टर व स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की गई है।

हुनर का धमाल | डा. गनेशीलाल बुधौलिया वर्ल्ड स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लूटी वाहवाही

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के डा.गनेशी लाल बुधौलिया वर्ल्ड स्कूल और बचपन प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। जिसमें बच्चों ने नाट्य प्रस्तुतियों के द्वारा पर्यावरण को साफ रखने का संदेश दिया और बच्चों में मोबाइल एडिक्शन से बढ़ते खतरे की ओर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम के दौरान ऑपरेशन सिंदूर और वाद्य यंत्रों द्वारा ऐ मेरे वतन के लोगों गीत ने लोगों को भावुक कर दिया। इस मौके पर स्कूल के छोटे छोटे बच्चों ने राठ की तीन महान हस्तियों स्वामी ब्रह्मानंद, दीवान शत्रुघन सिंह और पंडित परमानंद का भी नाट्य चित्रण द्वारा उनकी जन कल्याण की शिक्षाओं

पर्यावरण पर आधारित नाटक का मंचन करते बच्चें। अमृत विचार

से सभी को अवगत कराया। बचपन प्ले स्कूल के बच्चों की मनमोहक डांस से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत जयंती राजपूत, विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी शैलेश त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, जिला पंचायत सदस्य विमलेश अहिरवार, चंद्रशेखर मिश्रा, डा.विवेक नगाइच, डा.रवींद्र मिश्र, ब्रह्मानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डा.सुरेंद्र, डा.हरिओम नगाइच, कैलाश अग्रवाल, लक्ष्मण त्रिपाठी, सुरेश खेवरिया, मनोज बुधौलिया आदि उपस्थित रहे। अंत में मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश बुधौलिया ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

पत्नी की आत्महत्या में पति को भेजा गया जेल

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

- प्रेम विवाह के बाद उत्कर्षा से फातिमा बनी थी युवती
- शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न से टूट चुकी थी प्रेमिका प्रेमी

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के बिगहना गांव पति द्वारा शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न से परेशान पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 108 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बिगहना निवासी मुतर्जा पुत्र मुस्ताक महाराष्ट्र के एक होटल में कार्यकर्ता था। पड़ोस की हिंदू युवती उत्कर्षा से युवक ने प्रेम प्रसंग कर अपने जाल में फांस लिया था। युवती को युवक बहला फुसलाकर अपने घर ले आया था उसका नाम फातिमा रखकर पति-पत्नी की तरह रहने लगे थे। दो दिन पहले युक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस के उसके घर महाराष्ट्र के पिंपल गांव रत्नागिरी में सूचना के देने से परिजनों ने आने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम कराया था। कुनहेटा चौकी प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि युवक के शारीरिक और मानसिक परेशान किए जाने पर युवती ने आत्महत्या की है। पुलिस ने युवक के खिलाफ धारा 108 पर थाना में रिपोर्ट दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

न्यूज ब्रीफ

महिला की हत्या करने वाले मां-बेटे गिरफ्तार

महोबा। सदर कोतवाली पुलिस और एसओजी टीम ने 25 फरवरी को शहर के खोया मंडी में एक महिला का उसके घर में हत्या करने वाले आरोपी मां बेटे को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया है। शहर की सुभाष पुलिस चौकी क्षेत्र में 65 वर्षीय किरण पुरवार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका का शव घर के बिस्तर पर पड़ा मिला और कानो से सोने के कुंडल गायब होने पर परिजनों ने लूट के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दे दी है। एसपी के निर्देश पर घटना का खुलासा करने के लिए सदर कोतवाली पुलिस और एसओजी टीम को लगाया गया। टीम ने जांच दौरान घटना स्थल पर साक्ष्य के रूप में चूड़ी का टुकड़ा मिलने पर मृतक की नौकरानी आशा रैकवार (50) पत्नी मुकेश रैकवार और उसके उसके पुत्र सोनू (27) निवासी मोहल्ला नयापुरा बन्धानवार्ड से पूछताछ की गई। पूछतांछ में आशा रैकवार ने बताया गया कि पैसों की आवश्यकता को लेकर मृतका से विवाद हुआ, जिस पर उसने अपने पुत्र मृतका का मुंह दबाकर हत्या कर दी और घटना को चोरी का रूप देने के उद्देश्य से मृतका के कानों से टप्स निकाल लिये गये। पुलिस ने दोनो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

मूर्तियों के साथ 2 चोर किए गए गिरफ्तार

बेलाताल। दो दिन पूर्व अजनर थाने के सेलापुरवा में रामजानकी मंदिर से श्रीराम, सीता और माता सीता की मूर्ति चोरी हुई थी। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच करते हुए चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को पकड़कर घटना का खुलासा कर दिया। घटना के अनावरण के लिए थानाध्यक्ष अजनर सुभाष चन्द्र ने थाना स्तर पर टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम पंचायत सचिवालय के पास बने पार्क, ग्राम पुरवा पनवाड़ी से हल्लू अहिरवार(35) पुत्र हरदयाल और भगवानदास रैकवार (32) प्रभुदयाल को पुलिस हिरासत मे लेकर पूछताछ की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से रामजानकी मंदिर से चोरी की गई पीली धातु की रामजानकी और लक्ष्मण की मूर्तियों को बरामद किए गए। पूछताछ दौरान अभियुक्तों ने सचिन राजपूत, जीतेंद्र राजपूत और श्याम सुंदर निवासीगण बमरारा चरखारी के नाम भी लिए गए। बरामदगी के आधार पर संबन्धित धाराओं किया गया है।

सहायता के लिए तीन हेल्पलाइन नंबर जारी

महोबा। वर्तमान में पश्चिम एशिया के ईरान इजरायल एवं अन्य खाड़ी देशों में उत्पन्न युद्ध और तनाव की स्थिति के दृष्टिगत, जिले के जो नागरिक वहां प्रवास कर रहे हैं या किसी कारणवश फंसे हुए हैं, उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज के निर्देश पर ऐसे प्रभावित नागरिकों का विवरण संकलित करने और उनके परिजनों को सहायता प्रदान करने के लिए जिला स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम क्रियाशील है। जिले का कोई भी निवासी वर्तमान में उक्त संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में फंसा हुआ है, तो उनके परिजन संबंधित व्यक्ति का विवरण (जैसे नाम, पासपोर्ट नंबर, वहां का पता और संपर्क सूत्र) हेल्पलाइन नंबर लैंडलाइन नंबर 05281 पिनकोड के साथ 298431, 298432 या 298433 पर तत्काल उपलब्ध करा सकते हैं।

चरखारी में बस स्टैंड के निर्माण का मुद्दा सदन में उठने के बाद भी लटका

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। सपा, बसपा, कांग्रेस और भाजपा की कई सरकारें बदल गईं, लेकिन कोई भी सरकार चरखारी को रोडवेज बस स्टैंड का तोहफा नहीं दे सकी। आज भी कस्बा में सड़क किनारे छोटी सी जगह पर बस खड़ी होती हैं। दूसरी बस आने पर पहले से खड़ी बस को रवाना कर दिया जाता है। चरखारी विधायक डॉ. ब्रजभूषण राजपूत ने बस स्टेशन के लिए सदन में भी मुद्दा उठाया, लेकिन प्रस्तावित स्थल को नॉन जेड ए में होने के कारण हस्तान्तरण में आपत्ति का जवाब देते हुए अब मामले को जिला प्रशासन ने राजस्व विभाग को भेज दिया है।

चरखारी विधायक डॉ. ब्रजभूषण राजपूत ने बजट सत्र के दौरान प्रश्न संख्या 44 रखते हुए चरखारी में बस स्टेशन की स्थापना के संबन्ध में सवाल किया था। विधायक के सवाल का जवाब देते हुए परिवहन राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभारी) दयाशंकर ने बताया कि चरखारी में बस डिपो बनाने के लिए प्रशासन ने जिस स्थल का प्रस्ताव तैयार किया है, वह नॉन जेड ए में है, जिसके कारण भूमि हस्तान्तरण नहीं हो पा रही है। डीएम ने आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद को 30 जनवरी 2025 को पत्र भेजा था, जिसमें भूमि पुर्नग्रहण प्रस्ताव के लिए राजस्व परिषद से मार्गदशन मांगा है।

- नॉन जेडए की भूमि के चक्कर में बस स्टैंड निर्माण का फंसा पेंच

डीएम को पत्र भेजे दो माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन भूमि अधिग्रहण नहीं हो सका। चरखारी रियासत रही है और समथर रियासतें ऐसी रियासतें हैं. जहां जेड के अलावा नॉन जेड ए का प्राविधान है। पूरा क्षेत्र नॉन जेड ए में शामिल है। इसी नॉन जेड ए की भूमि पर तहसील, थाना, डायट, महाविद्यालय सहित तमाम कार्यालय बने हैं।

चरखारी विधायक ने मामले को उठाया है तो शासन-प्रशासन सालों से धूल खा रही फाइलों को साफ कर रहा है। दो माह से राजस्व परिषद का मार्गदर्शन प्राप्त न होने के कारण अभी भी भूमि पुर्नग्रहण प्रस्ताव लम्बित है। यातायात के समुचित संसाधन व बस स्टेशन के अभाव में सड़कों पर आड़ी तिरछी बसे खड़ी होने से आवागमन में असुविधा पैदा हो रही है।

एसआईआर ने 28 साल बाद भाईयों को मिलाया

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- काम की तलाश में बिना बताए गांव से चला गया था छोटा भाई
- दोनों भाइयों के खुशी के छलके आंसू, होली की खुशियां दोगुनी

अमृत विचार। विकास खंड कबरई के भंडरा गांव में सालों बाद दो भाई का मिलाप का कारण मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) बना। नाम कटने की जानकारी होने पर 28 साल बाद छोटा भाई गांव पहुंचा और दोनो भाईयों के मिलने पर उसकी आंखों से खुशी के आंसू झलक पड़े। साथ ही परिजनों में खुश नजर आए। दोनो भाईयों को साथ देखकर ग्रामीण भी उत्साहित होकर उससे मिलने के लिए पहुंच गए। अब इस परिवार की होली की खुशियां भी दोगुनी हो गई।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कई प्रकार के विवाद गहराए साथ ही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठाए गए। हालांकि जिले में एसआईआर प्रक्रिया ने एक परिवार के लिए खुशियां लौटने का काम किया। विकासखंड कबरई की ग्राम पंचायत भंडरा का निवासी गुनिया मिश्रा अपने दो बेटों संतोष मिश्रा और आत्मदेव मिश्रा के रहत था।

बड़े भाई संतोष मिश्रा। अमृत विचार

साल बाद लौटा आत्मदेव मिश्रा।

लगभग 28 वर्ष पहले गांव में कोई कामकाज न मिलने पर आत्मदेव अपने साथी विजय सोनी के साथ घर से बिना किसी को बताए चला गया। आत्मदेव के जाने पर परिजनों ने उनकी तलाश करते हुए हर जगह ढूंढा। उसके मित्रों व पहचान वालों से भी उसकी जानकारी की लेकिन उसका पता नहीं चला।

समय बीतने के बाद परिवार ने उनके लौटने की उम्मीद भी छोड़ दी थी और लोग उसे भूलने भी लगे थे, लेकिन संतोष ने अपने भाई के वापस आने की उम्मीद नहीं छोड़ी। इसी बीच एसआईआर लिस्ट से आत्मदेव को नाम काटे जाने की सूचना मिली, जिस पर वह अचानक घर पहुंच गया। 28 साल बाद घर वापस लौटने पर वहां सबकुछ बदल गया, जिससे उसे कोई पहचान नहीं सका, जब उसका भाई संतोष गांव से घर पहुंचा तो आत्मदेव को देख उसे यकीन नहीं हुआ और दोनो भाई गले मिलते हुए खुशी से रोने लगे। वहीं परिजन भी भाईयों के मिलन से खासे खुश नजर आए। गांव वालों के बीच भी कौतूहल का विषय है।

प्रभारी सीएमएस संग अभद्रता पर डाक्टरों का कार्य बहिष्कार

एसडीएम के कार्रवाई के आश्वासन पर चार घंटे बाद डाक्टरों ने शुरू किया काम

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। अराजकतत्वों ने जिला अस्पताल में बीती रात नशे की हालत में मरीज को जबरन रेफर किए जाने को लेकर प्रभारी सीएमएस और स्टाफ के साथ अभद्रता कर दी। अभद्रता से नाराज डॉक्टरों और स्टाफ ने सोमवार को विरोध जताते हुए कार्य बहिष्कार का ऐलान कर दिया। कार्य बहिष्कार की सूचना मिलते ही एसडीएम सदर मौके पर पहुंचे, जहां पर चिकित्सकों ने प्रशासन से आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाते हुए ज्ञापन सौंपा। अधिकारी के आश्वसन दिए जाने के चार घंटे बाद डाक्टर अपने कार्य पर लौटे।

रविवार रात कुछ अराजकतत्व शराब के नशे में जिला अस्पताल के वार्ड में घुस गए। उन्होंने वहां मौजूद नर्स, वार्डबॉय और स्टाफ के साथ अभद्रता की। आरोप है कि ये लोग एक मरीज को जबरन रेफर कराने का दबाव बना रहे थे। स्टाफ के साथ गालीगलौज भी की। हंगामा बढ़ता देख प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश भट्ट मौके पर पहुंचे और उन्हें समझाने का प्रयास किया। डॉ. भट्ट ने बताया कि अराजकतत्वों ने उनके साथ भी अभद्रता करते हुए उनका मोबाइल छीनने की कोशिश की। उन्होंने सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ करने और स्टाफ के साथ मारपीट पर उतारू होने का भी आरोप लगाया। पुलिस के आने की सूचना मिलते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जिला अस्पताल में डाक्टरों को समझाती पुलिस। अमृत विचार

सोमवार को इस घटना के विरोध में पीएमएस एसोसिएशन के बैनर तले डॉक्टरों और समस्त स्टाफ ने प्रदर्शन करते हुए कार्य बहिष्कार किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि मरीज को कब रेफर करना है, यह डॉक्टर तय करेगा, कोई बाहरी व्यक्ति नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को प्रदेश स्तर पर ले जाया जाएगा। डॉक्टरों के इस प्रदर्शन के कारण अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज और उनके तीमारदार खासे परेशान नजर आए। मामले की जानकारी मिलते ही एसडीएम सदर शिवध्यान पांडे जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने नाराज डॉक्टरों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद ही डाक्टरों एक ज्ञापन देते हुए काम पर लौटने का निर्णय लिया।

ब्राह्मण समाज संगठित और शिक्षित होकर अधिकारों के लिए आगे आए

संवाददाता, कुलपहाड़ (महोबा)

अमृत विचार। नगर के बस स्टैंड स्थित एक मैरिज हाल में ब्राम्हण महासभा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में बड़ी तादाद में जनप्रतिनिधि व समाज के लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सदर विधायक राकेश गोस्वामी मुख्य अतिथि रहे, जिन्होंने शपथ के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए अपने कार्य को निष्पक्ष और ईमानदारी से करने की बात कही। इस मौके पर समाज के लोगों ने सदर विधायक को सदर विधायक को भगवान का चित्र भेंट किया गया।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समाज को संगठित और शिक्षित होकर अपने अधिकारों के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक समाज संगठित नहीं होगा तब तक विकास भी संभव नहीं होता है। सदर विधायक ने बालिका शिक्षा को बढावा देने के साथ ही उन्हें बचाने के लिए भी समाज को आगे आने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि समाज को जहां भी हमारी आवश्यकता होगी, हमेशा समाज के साथ खड़े रहेंगे। इस मौके पर हास्य कवि राजेश तिवारी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगों को लोटपोट कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद विधायक व अन्य। अमृत विचार

वक्ताओं ने समाज की एकजुटता पर जोर दिया। अंत में नवनियुक्त अध्यक्ष अनिल अरजरिया ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का सफल संचालन नीतेंद्र चौबे ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका राठ चैयरमैन श्रीनिवास बुधौलिया, पूर्व नगर पालिका प्रतिनिधि सौरभ तिवारी, समाजसेवी शिवकुमार गोस्वामी, समाजसेवी निर्दोष दीक्षित पनवाड़ी, नरेश रिछारिया जिलाध्यक्ष ब्राम्हण समाज, समाजसेवी श्रीप्रकाश अरजरिया, डॉ. प्रभात पटैरिया, जिला पंचायत सदस्य अरविंद नायक, राजेश चौबे, महेंद्र द्विवेदी, विजय बहादुर, जीतेंद्र चौबे, मोनू चौबे, अरविन्द बबेले, राहुल वाजपेई, संदीप पाठक आदि रहे।

एसपी ने शहर में किया पैदल मार्च

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने होली पर्व के दृष्टिगत सदर कोतवाली क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान एसपी ने भारी पुलिस बल के साथ प्रमुख कस्बों, बाजारों एवं महत्वपूर्ण चौराहों का गश्त करते हुए संवेदनशील स्थलों पर पहुंचकर सुरक्षा प्रबन्धों का जायजा लिया साथ ही होलिका दहन स्थलों को भी देखा और अधिकारियों, कर्मचारियों को शांतिपूर्ण तरीके से पर्व संपन्न कराए जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण करते हुए एसपी ने रामकथा मार्ग, तहसील तिराहा, चरखारी बाईपास, खनगा बाजार, शुक्रवारी बाजार आदि घनी एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थलों का पैदल गश्त किया। गश्त दौरान धार्मिक गुरुओं, संभ्रांत नागरिकों के अलावा व्यापारी बंधुओं से संवाद स्थापित कर आगामी त्योहारों को शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ सम्पन्न कराने के लिए सहयोग का आह्वान किया गया साथ ही व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस टीम के साथ पैदल गश्त करते एसपी प्रबल प्रताप सिंह। अमृत विचार

पुलिस अधीक्षक ने निर्देश देते हुए कहा कि संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर सतत निगरानी रखी जाए। होलिका दहन स्थलों पर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, इसके अलावा आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों, भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कहा कि जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी असामाजिक तत्व अथवा शांति भंग करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पाइप लाइन लीक, गड्ढों में तब्दील हो रही सड़क

संवाददाता, कुलपहाड़ (महोबा)

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के मुढारी गांव में नमामि गंगे योजना के तहत डाली गई पाइप लाइन में जगह जगह लीकेज होने से जहां एक तरफ ग्रामीणों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर भर रहा पानी लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। सड़कों पर लीकेज पाइप लाइन का पानी भरने से जगह जगह गड्ढे हो गए, जिससे ग्रामीणों का वाहनों के अलावा पैदल चलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से लीकेज लाइन सही कराए जाने की मांग की है।

मुढारी गांव के रोहित, सुजीत, देवेन्द्र, बृजेश, दिलीप आदि लोगों ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत गांव की सीसी सड़कों को खोदकर पाइन लाइन बिछाई गई थी, जिससे वहां के बाशिंदों को पानी के लिए दूर दराज तक न भटकना पड़े। बताया कि बिछाई गई पाइप लाइन बिछाने के बाद आएदिन कोई न कोई पाइप लीकेज हो जाता और लोगों के घरों में लगे नलों में पानी नहीं पहुंचा पाता, जिससे पेयजल की समस्या उत्पन्न हो जाती है। बताया कि लीकेज होने की ठेकेदार और कर्मचारियों को सूचना कई बार दी गई, लेकिन लीकेज को दुरूस्त नहीं कराया गया। तहसील क्षेत्र के ग्राम मुढ़ारी में जल जीवन मिशन के तहत डाली गई पाइप लाइन में जगह-जगह लीकेज होने से सड़कों पर जल भराव की स्थिति बनी हुई, जिससे सड़कों पर बड़े बड़े गड्ढे हो जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कत उठानी पड़ रही है। बताया कि सम्बन्धित ठेकेदार को अनेकों बार सूचित किया गया, इसके बावजूद भी लीकेज सही नहीं किए जा रहे है, और न ही नये कनेक्शन दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरसीसी सड़कों की मरम्मत का कार्य भी कछुआ गति से चल रहा है। गांव में नमामि गंगे की टंकी से हर दो दिन में पानी की सप्लाई की जाती है, उसमें भी लीकेज होने पर कई घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने नमामि गंगे के उच्चाधिकारियों से इस ओर ध्यान दिए जाने की बात कही है।

पाइप लाइन में लीकेज होने के कारण रास्ता दलदल में तब्दील हो गया है। अमृत विचार

- पाइप लाइन में लीकेज होने से घरों तक नहीं पहुंच रहा पानी

हुनर का धमाल

चंद्रकुंवर तिवारी पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मन मोहा

विद्या के आंगन में चमके नन्हे सितारे, गूंजीं तालियां

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शहर चंद्रकुंवर तिवारी पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह 2026 अत्यंत हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित के साथ किया। इसके बाद मां शारदे की वंदना हुई, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं प्रेरणादायी बन गया। वार्षिकोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, नाटक एवं विविध रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विशेष रूप से वंदना, शास्त्रीय नृत्य कत्थक, देशभक्ति से ओत प्रोत प्रस्तुति "मिट्टी के बेटे" और राजस्थानी लोकगीत पर आधारित कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की सजीव अभिव्यक्ति, भावपूर्ण प्रस्तुति और आत्मविश्वासपूर्ण प्रदर्शन ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का दिल जीत लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा अनुरागी ने कहा कि वार्षिकोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि पूरे वर्ष विद्यार्थियों के किए गए परिश्रम, समर्पण और सृजनात्मक प्रतिभा का उत्सव है। यह मंच उन सपनों और प्रयासों का प्रतीक है, जिन्हें विद्यार्थियों ने संजोया और निरंतर मेहनत से साकार किया। विद्यालय के प्रबंधक अवोध सोनी ने कहा कि बच्चों का आत्मविश्वास, मंच संचालन की सुसंगठित व्यवस्था एवं शिक्षकों का कुशल मार्गदर्शन कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे। कहा कि समारोह ने यह सिद्ध कर दिया कि विद्यालय न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी सतत प्रयासरत है। अंत में प्रबंधक ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय परिवार को इस सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन के लिए बधाई दी। इस मौके पर बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावक व स्टाफ मौजूद रहा।

विद्यालय के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

भारतीयों की मदद को खुला कंट्रोल रूम

हमीरपुर। खाड़ी देशों में छिड़ी जंग में भारतीयों की मदद को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। ऐसे लोगों के बारे में जानकारी जुटाने को लेकर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

एडीएम (वित्त एवं राजस्व) राकेश कुमार ने बताया कि ईरान-इजरायल संघर्ष में जनपद के प्रभावित नागरिकों की सहायता के लिए कंट्रोल रूम नंबर जारी किया गया है। जनपद के जो लोग खाड़ी के देशों में हैं, या फंसे हुए हैं, उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए जनपद स्तर पर एक कंट्रोल नंबर 9454416001 जारी कर दिया गया है। यदि जनपद का कोई भी निवासी प्रभावित क्षेत्रों में फंसा है, उनके परिजन पूर्ण विवरण नाम पासपोर्ट नंबर वहां का पता और संपर्क सूत्र निम्नलिखित कंट्रोल रूम फोन पर अथवा व्हाट्सएप नंबर पर तत्काल उपलब्ध करा सकते है।

फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ करते चेयरमैन व अन्य। अमृत विचार

पं.दीनदयाल एकता विकास प्रदर्शनी एवं मेला का फीता काटकर किया शुभारम्भ

हमीरपुर। शहर के चौरा देवी प्रांगण में सोमवार को पं.दीनदयाल एकता विकास प्रदर्शनी एवं मेला का नगर पालिका परिषद के चेयरमैन कुलदीप निषाद, सुरेश शर्मा ऊर्फ मुन्ना, दिनेश शर्मा एवं अनवर खान ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। यहां तमाम लोग शामिल हुए।

चौरा देवी प्रांगण में लगी प्रदर्शनी के आयोजक सागर व विनीत ने बताया कि इस प्रदर्शनी में फिरोजाबाद की काकरी, दिल्ली का मीना बाजार, जयपुर की ज्वेलरी, विभिन्न प्रकार के झूला सहित जलपरी आदि कार्यक्रमों की प्रदर्शनी लगाई गई है।बताया कि यह प्रदर्शनी लगभग एक माह तक चलेगी। जिसका शहर सहित जिले भर के लोग खरीदारी एवं प्रदर्शनी का आनंद ले सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

शराब और भांग की दुकानों का किया निरीक्षण

चित्रकूट। होली के मद्देनजर आबकारी विभाग मदिरा दुकानों एवं भांग की दुकानों का सघन निरीक्षण किया। रजिस्टर से स्टॉक का सत्यापन किया गया। विक्रेताओं को नियमानुसार दुकान चलाने, बिक्री मशीन से करने के लिए निर्देशित किया गया। ढाबों व टोल प्लाजा के पास रखी गुमटियों को भी चेक किया गया।

महिलाओं को बताए उनके अधिकार

चित्रकूट। थानों की एंटी रोमियो टीमों ने मिशन शक्ति के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करना है। इस दौरान महिलाओं को बताया गया कि थानों में महिलाओं की सहायता के लिए हेल्पडेस्क बनाई गई है। इनको सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबरों की पंफलेट दी गई। बताया गया कि सार्वजनिक स्थानों, स्कूल-कालेजों में सादे वस्त्रों में तथा प्राइवेट वाहनों में पुलिस चेकिंग करती है।

अवैध शराब समेत पांच लोग गिरफ्तार

चित्रकूट। मऊ थाने के एसआई रामअधार सिंह ने पंचराज निषाद निवासी ग्राम बरहा कोटरा को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। एसआई वंशनारायण सिंह ने अशोक कुमार निवासी बंबुरी को 25 पाउच देशी शराब व विनोद कुमार सेन निवासी चंदई को 28 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। पहाड़ी थाने के एसआई सुरेश प्रताप सिंह ने राहुल गुप्ता निवासी बांदा को 26 पाउच देशी शराब, मारकुंडी थाने के एसआई सुभाष चंद्र उपाध्याय ने प्रमोद कुमार निवासी दीपू कोलान को 40 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। सभी पर संबंधित थानों में रिपोर्ट दर्ज की गई।

हाइड्रा से टकराई बाइक राजमिस्त्री की गई जान

चित्रकूट। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर रविवार देर शाम सड़क हादसे में एक राजमिस्त्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान भरतकूप थाना क्षेत्र के रसिन चकला गांव निवासी 39 वर्षीय अजीत के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अजीत रविवार को शटरिंग का काम करने गया था। देर शाम काम खत्म कर वह बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के पास उसकी बाइक सड़क किनारे खड़े हाइड्रा वाहन से टकरा गई। पुलिस ने उसे अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

803 स्थानों पर हुआ होलिका दहन

प्रशासन ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, अराजकतत्वों को दी सख्त चेतावनी, सौहार्द बनाये रखने को कहा

मऊ में वाहनों की जांच करते सीओ फहद अली। होली पर्व में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सीओ राजापुर राजकमल।

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। होली सकुशल, सौहार्दपूर्ण मने, इसके लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। इस वर्ष जिले में 803 स्थानों पर होलिका दहन किया गया। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था की गई है। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि किसी भी प्रकार की अराजकता न की जाये।

प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, मुख्यालय में 125 स्थानों पर होलिका दहन किया गया। इसके अलावा बरगढ़ में 59, मारकुंडी में 29, मानिकपुर में 74, मऊ में 86, सरधुवा में 68, राजापुर में 87, पहाड़ी में 95, रैपुरा में 81, भरतकूप में 75, बहिलपुरवा में 24 स्थानों पर होलिका दहन संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, विशेषकर व्हाट्सएप, पर सतत निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध तत्काल कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर कड़ी चौकसी

- मऊ संवाददाता के अनुसार, कस्बे और राजापुर में बाजार, बस अड्डा, एवं पर्यटन स्थलों पर पुलिस विशेष चेकिंग अभियान चला रही है। सीसीटीवी एवं वीडियोग्राफी के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है तथा स्वास्थ्य केंद्रों को भी अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे होली का पर्व आपसी सौहार्द, शांति एवं भाईचारे के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

तारों की ऊंचाई सीमित रखने के निर्देश : फहद अली

- मऊ क्षेत्राधिकारी फहद अली ने बताया कि मऊ, बरगढ़ और मानिकपुर थाना क्षेत्र के कुल 219 जगहों पर होलिका दहन हुआ। प्रशासन द्वारा सभी होलिका स्थलों का पूर्व निरीक्षण कराया गया था ताकि किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। यह भी तय किया जा रहा है कि निर्धारित तिथि एवं समय से पूर्व होलिका में आग न लगाई जाए। साथ ही विद्युत तारों से किसी दुर्घटना की आशंका को देखते हुए होलिका की ऊंचाई सीमित रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। त्योहार में सौहार्दपूर्ण वातावरण को खराब करने पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

सजाई गई होलिका। अमृत विचार

मोबाइल पैट्रोलिंग से भी रखी जाएगी नजर : राजकमल

- राजापुर क्षेत्राधिकारी राजकमल ने बताया कि राजापुर, पहाड़ी और रैपुरा थाना क्षेत्र के 263 जगहों पर होलिका दहन किया गया। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों तथा संभावित संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल, पिकेट तैनात की गई है। मोबाइल पैट्रोलिंग से भी अराजक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थलों या मकानों पर रंग अथवा कीचड़ फेंकने जैसी घटनाओं पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी। एंटी-रोमियो स्क्वॉड एवं महिला पुलिस की संयुक्त टीमें सक्रिय रहेंगी। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लगातार अनाउंसमेंट भी कराया जा रहा है।

ट्रैक्टर पर गिरा हाईटेंशन तार, चारों टायर जले

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

- कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हटाये गये हाईटेंशन लाइन के तार

अमृत विचार। सिधौली गांव में शनिवार को ट्यूबवेल के पास खड़े ट्रैक्टर पर 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन बिजली तार अचानक गिर गया। करंट की चपेट में आने से ट्रैक्टर के चारों टायरों में आग लग गई और कुछ ही देर में वे पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। घटना में किसी की जान नहीं गई, लेकिन भारी नुकसान हुआ है।

बताया गया कि ट्रैक्टर दिनेश कुमार राजपूत के ट्यूबवेल पर खड़ा था। उसी दौरान पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर सीधे ट्रैक्टर पर गिर पड़ा। घटना के समय राजेश राजपूत के पिता रामबली राजपूत महज करीब पांच मीटर दूर खेत में सब्जी तोड़ रहे थे, जो बाल-बाल बच गए। राजेश ने बताया कि उन्होंने तीन महीने पहले ही ट्रैक्टर के चारों टायर नए लगवाए थे। उनका आरोप है कि ट्यूबवेल के ऊपर से गुजर रही इस 11 हजार वोल्ट लाइन को हटाने के लिए कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई थी, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। ग्रामीणों के अनुसार, यह तार पहले भी कई बार टूटकर गिर चुका है, जिससे इलाके में हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

प्रतीकात्मक फोटो। अमृत विचार

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पीआरवी 112 पुलिस, लाइनमैन, जेई और अधिशासी अभियंता को फोन से सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 पुलिस ने लाइन कटवाकर स्थिति को नियंत्रित कराया और लिखित शिकायत देने की सलाह दी। दिनेश ने बताया कि उसके परिसर के पास से जबरन हाईटेंशन लाइन खींची गई है। उन्होंने कई बार अधिकारियों से इसे हटाने की मांग की पर सुनवाई नहीं हुई। वहां बच्चे खेलते रहते हैं और गंभीर खतरा बना रहता है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस संबंध में बिजली विभाग के किसी जिम्मेदार से बात नहीं हो सकी।

डॉ. बीके जैन को श्रद्धांजलि देते परिवारीजन, ट्रस्टी और अन्य लोग। अमृत विचार

श्रद्धांजलि सभा में डॉ. जैन को किया याद

संवाददाता,सीतापुर (चित्रकूट)

- सद्गुरु सेवा संघ के ट्रस्टी समेत तमाम लोग मौजूद रहे

अमृत विचार। श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक पद्मश्री डॉ. बीके जैन की याद में सोमवार को श्रद्धांजलि सभा की गई। इसमें साधु संत, जनप्रतिनिधि, सद्गुरु सेवा संघ के ट्रस्टी आदि मौजूद रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। भजनों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर डा. जैन की धर्मपत्नी ऊषा जैन, उनके पुत्र जिनेश जैन, डा. इलेश जैन, बहुएं श्रुति, मौसम आदि ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

करंट की चपेट में आकर युवक झुलसा

मानिकपुर (चित्रकूट)। ट्रेन के खुले इलेक्ट्रिक बाक्स को छू लेने से एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रविवार शाम लगभग पांच बजे की है। जानकारी के अनुसार, राजेश (20) पुत्र रामू निवासी हल्दिहा प्रयागराज में काम करता है। होली पर वह आंबेडकरनगर एक्सप्रेस के जनरल कोच में बैठकर घर लौट रहा था। ट्रेन जैसे ही मानिकपुर के पास धीमी हुई, भीड़ के बीच वह दरवाजे पर आकर उतरने की तैयारी करने लगा। बताते हैं कि इसी दौरान दरवाजे के पास लगे खुले इलेक्ट्रिक बॉक्स में उसका हाथ छू गया। इससे तेज करंट से वह झुलस गया। सूचना पर पहुंची आरपीएफ और जीआरपी टीम ने घायल को सीएचसी पहुंचाया। वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

यमुना नदी में मिला कौशांबी के शिक्षक का शव

संवाददाता, मऊ चित्रकूट

अमृत विचार। कई दिनों से लापता कौशांबी के सहायक अध्यापक का शव मऊ में यमुना नदी से बरामद किया गया। शव की स्थिति इतनी खराब हो चुकी थी कि गले में ताबीज से पहचान की गई।

कौशाम्बी के चायल सीओ अभिषेक सिंह ने बताया कि शिक्षक पांच से 20 फरवरी तक किसी प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। 25 फरवरी को विद्यालय में हस्ताक्षर करने के बाद से वह लापता हो गए थे। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट सराय अकिल थाने में दर्ज कराई थी। उनकी तलाश के लिए दो टीमें बनाई गई थीं। पुलिस ने सर्विलांस की मदद ली और टीमों को चित्रकूट तथा प्रयागराज भी भेजा गया था। सोमवार को ग्रामीणों ने मऊ थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव के पास यमुना नदी के बीच एक टापूनुमा जगह पर शव देखा। इसकी सूचना मऊ थाना प्रभारी दुर्गविजय सिंह को दी गई। पानी में देर तक पड़े रहने से बुरी तरह फूल गया था, जिससे उसकी पहचान कठिन थी। उनके गले में मौजूद ताबीज (लॉकेट) को देखकर परिजनों ने उनकी शिनाख्त की।

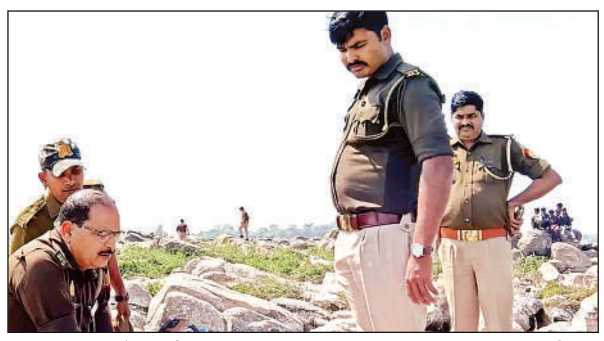

घटना स्थल पर मौजूद पुलिस। अमृत विचार

- 25 फरवरी को स्कूल में हस्ताक्षर करने के बाद से थे लापता

पुलिस ने पुष्टि के लिए मृतक का डीएनए सैंपल भी सुरक्षित कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, कृष्णबाबू वर्मा (56) कौशांबी के प्राथमिक विद्यालय कनैली में सहायक अध्यापक थे। परिजनों के अनुसार, शिक्षक काफी समय से बीमार थे और शारीरिक रूप से बहुत कमजोर थे। वह मानसिक रूप से भी परेशान चल रहे थे और स्पष्ट बोल नहीं पाते थे।

क्षेत्राधिकार को लेकर देर तक रही ऊहापोह

- शव मिलने के बाद चित्रकूट की मऊ पुलिस और कौशांबी पुलिस के बीच क्षेत्राधिकार (जूरिडिक्शन) को लेकर भी काफी देर तक बातचीत होती रही। कौशांबी पुलिस ने क्षेत्राधिकार स्पष्ट होने पर गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस दौरान क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली, सराय अकिल थाना प्रभारी वीर प्रताप सिंह, मऊ थाना प्रभारी दुर्गविजय सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। सीओ अभिषेक सिंह के अनुसार, मृतक के शरीर पर चोट के कोई प्रत्यक्ष निशान नहीं मिले हैं। बताया गया कि प्रथमदृष्टया यह मामला नदी में डूबने का लग रहा है। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है कि मौत के कारणों का पता चल सके।

ट्रैक्टर की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार। बरौर थाना क्षेत्र में बीती शाम हुए सड़क हादसे के घायल युवक की मृत्यु हो गई। इसकी जानकारी लगने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

रसालपुर गांव निवासी मोहित कुमार 21 वर्ष रामपुर निवासी अपने जीजा समरथ के छोटे भाई रोहित की शादी में गए थे। वहां से लौटते समय बरौर शराब ठेका के पास तेज रफ्तार मौरंग लदे ट्रैक्टर ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोहित गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े। नाजुक हालत में उसे देवीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। परिजन कानपुर ले गए। वहां इलाज के दौरान मोहित की मृत्यु हो गई। मोहित के पिता संजय कुमार फेरी मजदूर हैं और बाहर रहकर काम करते हैं। मोहित भी अपने पिता की तरह फेरी का काम करता था। उसने कुछ दिनों पहले ही मोटरसाइकिल खरीदी थी।

चाकू दिखा कर किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास

संवाददाता, शिवली कानपुर देहात

- रिश्तेदारी में गए थे माता-पिता, घर पर अकेली थी बच्ची
- शिवली कोतवाली क्षेत्र की घटना, पुलिस ने शुरू की जांच

अमृत विचारः किशोरी को घर में अकेला पाकर मनचले ने घर के अंदर कमरे की कुंडी बंद करके दुष्कर्म करने का प्रयास किया। चाकू दिखाकर उसे धमकाया कि अगर उसने किसी से कुछ कहा तो जान से मार देंगे। रिश्तेदारी से लौटी पीड़ित मां ने कोतवाली पहुंच आरोपित युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। मामले को दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया हे जांच की जा रही है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासिनी महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ रिश्तेदारी में गई थी। उसकी 12 वर्षीय बेटी घर पर अकेली थी तभी उसका पड़ोसी लवकुश घर के अंदर घुस आया। इसके बाद अंदर से दरवाजे की कुंडी बंद कर ली और बेटी के साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। आरोप है कि चाकू दिखाकर बेटी को धमकाया कि अगर उसने किसी को भी कुछ घटना के बाबत बताया तो वह बेटी को जान से मार देगा। इससे वह डर गई।

वह अपने पति के साथ रिस्तेदारी से वापस लौटी तो बेटी ने सारी आप बीती उसे बताई। चौकी प्रभारी औनहां नरसिंह ने बताया कि पीड़िता द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर आरोपित युवक के विरुद्ध मामले को लेकर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। किशोरी का डॉक्टरी परीक्षण करवाया जा रहा है। साथ ही आरोपी की तलाश की जा रही है।

सांड़ के हमले में रिटायर्ड कानून-गो की गई जान

संवाददाता, सिकंदरा कानपुर देहात

- नुमाइश मैदान के पास सोमवार की सुबह सांड़ ने अचानक बोल दिया हमला
- सांस की आस में परिजन ले गए कानपुर, डाक्टर ने मृत बताया

अमृत विचारः सिकंदरा कस्बे के मालवीय नगर स्थित नुमाइश मैदान के गेट के पास सोमवार की सुबह आवारा सांड़ के हमले से सेवानिवृत्त कानून-गो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी पर पहुंचे परिजन निजी वाहन से इलाज के लिए उन्हें कानपुर के प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां उपचार मिल पाता, इसके पहले उनकी मौत हो गई।

सिकंदरा कस्बा के मालवीय नगर निवासी मनीष शुक्ला ने बताया कि उनके पिता रमेश चंद्र शुक्ला (70वर्ष) सेवानिवृत्त कानून-गो थे। उन्होंने दो मकान बनवाए हैं। दोनों में आना-जाना रहता है। सोमवार की सुबह वह पुराने घर से नुमाइश मैदान के पीछे नए घर को जा रहे थे। इसी दौरान घटना हो गई। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि नुमाइश मैदान के गेट के पास खड़े आवारा सांड़ ने उन पर अचानक हमला कर दिया। इससे वह बुरी तरह घायल हुए। लोगों ने किसी तरह सांड़ को भगा कर उन्हें बचाया। तब तक रमेश चंद्र के घर के लोग मौके पर पहुंच गए। हालत गंभीर देख वह निजी वाहन से कानपुर के प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां इलाज के पहले ही उनकी मृत्यु हो गई।

परीक्षण के बाद डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी विनोदिनी शुक्ला व पुत्र त्रियंक शुक्ला बिलखने लगे। पड़ोसियों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से शिक्षक घायल

- **कानपुर देहात।** मैथा विकासखंड क्षेत्र के लमहरा के संविलियन विद्यालय में बालाजीपुरम कल्याणपुर कानपुर निवासी अजय सक्सेना शिक्षक पद पर कार्यरत है। बीएलओ ड्यूटी भी कर रहे हैं। सोमवार की सुबह शिक्षक अजय सक्सेना बाइक से अपने विद्यालय जा रहे थे। वह जैसे ही रामगंगा नहर पुल केसरी नेवादा पर पहुंचे थे। कि तेज रफ्तार टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी। टैंकर की टक्कर लगने से बाइक चालक शिक्षकगंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल शिक्षक को सीएचसी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद कानपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल पहुंचे शिक्षकों एवं परिजनों द्वारा घायल शिक्षक को कानपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि घायल शिक्षक को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

किया जागरूक — होली पर्व पर चिकित्सकों ने दी सावधान रहने की सलाह

मिलावटी खाद्य पदार्थ और रसायनिक रंगों से बचें

संवाददाता, मऊ चित्रकूट

अमृत विचार। होली का त्योहार आते ही बाजारों में मिठाइयों, नमकीन और रंगों की बिक्री तेज हो गई है। मांग बढ़ने के साथ ही मिलावटी खोवा, नकली खाद्य तेल, खुले में बिकने वाले चिप्स-पापड़ और केमिकल युक्त रंग आदि से बाजार पट से गए हैं।

त्योहार के दौरान कुछ व्यापारी अधिक मुनाफे के लालच में घटिया एवं मिलावटी सामान बाजार में उतार देते हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। होली पर गुझिया और अन्य मिठाइयों की मांग बढ़ने से खोये की खपत भी अधिक होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ स्थानों पर सिंथेटिक दूध, स्टार्च या अन्य रसायनों से तैयार नकली खोवा बेचे जाने की शिकायतें मिलती हैं। ऐसे खोवे से बनी मिठाइयां खाने से फूड प्वाइजनिंग, उल्टी-दस्त और पेट संबंधी बीमारियां हो सकती हैं।

केमिकल वाले रंगों से त्वचा को नुकसानः होली पर सस्ते और खुले रंगों में जहरीली डाई व हानिकारक रसायनों की मिलावट वाले रंगों की भरमार रहती है। ऐसे रंगों से त्वचा में जलन, एलर्जी, आंखों में संक्रमण और बालों को नुकसान हो सकता है। डॉक्टर हर्बल या प्राकृतिक रंगों के प्रयोग की सलाह देते हैं।

मऊ में सजी रंगों की दुकान। अमृत विचार

मिलावटी तेल में तली जा रही नमकीन

- त्योहार पर पकवान और नमकीन की मांग बढ़ने से सस्ते और मिलावटी तेल का भी जमकर इस्तेमाल हो रहा है। घटिया या बार-बार इस्तेमाल किया गया तेल हृदय रोग, पेट की समस्या और अन्य बीमारियों का कारण बन सकता है। खुले में बिक रहे नमकीन और पकवानों में उपयोग किए जा रहे तेल की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

विशेष अभियान में 25 नमूने भरे, भारी मात्रा में हुई जब्ती

- खाद्य निरीक्षक विनय कुमार ने बताया कि होली के अवसर पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक कुल 25 नमूने लिए गए हैं। इनमें मुख्य रूप से तेल, कचरी, खोया, पनीर, बेसन, रंगीन कचरी, ड्राई फ्रूट्स, विभिन्न प्रकार की मिठाइयां शामिल हैं। अभियान के दौरान लगभग क्विंटल रंगीन कचरी जब्त की गई है। इसके अतिरिक्त करीब 80 किलो तेल भी कब्जे में लिया गया है। संदिग्ध पाए गए खोया का नष्टीकरण भी कराया गया है।

जान पहचान की दुकान से लें सामान : डॉ. वैश्य

- मानिकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधीक्षक डॉ. शेखर वैश्य ने बताया कि मिलावटी खोवा, बासी मिठाई और घटिया तेल में बनी नमकीन से फूड प्वाइजनिंग, उल्टी-दस्त, पेट दर्द और डिहाइड्रेशन के मामले बढ़ जाते हैं। उन्होंने सलाह दी कि लोग केवल विश्वसनीय दुकानों से ही खाद्य सामग्री खरीदें और अधिक तली-भुनी चीजों से परहेज करें। किसी को उल्टी, दस्त या चक्कर जैसी समस्या हो तो डॉक्टर से संपर्क करें।

होली खेलने से पहले लगाएं सरसों का तेल : डॉ. प्रखर

- मऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. प्रखर निगम ने बताया कि बाजार में बिक रहे सस्ते और केमिकल युक्त रंग त्वचा, आंख और बालों के लिए हानिकारक होते हैं। इनसे एलर्जी, खुजली, रैशेज, आंखों में जलन हो सकती है। उन्होंने सलाह दी कि होली खेलने से पहले त्वचा पर नारियल या सरसों का तेल लगा लें, बालों को ढककर रखें और हर्बल रंगों का ही प्रयोग करें। त्वचा पर ज्यादा जलन या सूजन हो तो तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें।

खराब रंग लगने पर त्वचा न रगड़ें : संकल्प

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल में केमिकल विभाग में पीएचडी कर रहे संकल्प त्रिपाठी बताते हैं कि होली में केमिकल वाला रंग लगने पर सबसे पहले त्वचा को न रगड़ें, तुरंत नारियल या जैतून के तेल से 10-15 मिनट मालिश करें। फिर गुनगुने पानी और माइल्ड क्लींजर से धोएं। दही-बेसन का पेस्ट लगाएं। सनस्क्रीन का प्रयोग करें और त्वचा को नम रखें। ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल/एसीटोन) बिल्कुल न लगाएं।

खामेनेई के बाद युद्ध

खामेनेई मारे गए, उनके के साथ ही देश के रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और कई सैन्य कमांडर समेत शासन से संबंधी कुछ महत्वपूर्ण लोग भी खेत रहे। खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता होने के नाते शासन व्यवस्था के केंद्र और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ थे। किसी युद्धरत देश के लिए हमले के पहले ही दिन इतनी बड़ी क्षति उसे घुटने पर ला देने के लिए बहुत है। सामान्य धारणा यह कि इससे ईरान कमजोर पड़ेगा और युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा, पर फिलहाल ऐसा नहीं दिख रहा। बेशक, ईरान के नेता असमंजस में होंगे कि इस युद्ध को कैसे झेला जाए, इसके व्यापक विनाश से कैसे बचा जाए, लेकिन उनके बयान और दूसरे तथ्य इस ओर इशारा करते हैं कि युद्ध शीघ्र समाप्त नहीं होगा। संभव है कि यह कुछ हफ्ते या महीनों लंबा खिंचे।

ऐसे में यह बहुत से देशों को सीधे और कई को परोक्षतः बुरी तरह प्रभावित करेगा। सच तो यह है कि ईरान का इस्लामी शासन एक व्यक्ति पर निर्भर व्यवस्था नहीं है। सर्वोच्च नेता खामेनेई के मारे जाने के बाद उनकी जगह जो भी दूसरा धार्मिक नेता आयेगा उसके लिए राष्ट्रवाद के नाम पर जनसमर्थन हेतु युद्ध जारी रखना जरूरी होगा और इसके नाम पर उसे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कोर का समर्थन भी मिलता रहेगा, जो पारंपरिक सेना के साथ-साथ काम करते हुए देश के भीतर और बाहर से आने वाले खतरों से शासन की रक्षा करने का विशेष दायित्व संभालती है।

ट्रंप और नेतन्याहू की राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी यह युद्ध आवश्यक है। साल के अंत में नेतन्याहू को आम चुनाव का सामना करना है, उनका मानना है कि युद्ध से उनकी राजनीतिक स्थिति मजबूत होती है, उधर ट्रंप को टैरिफ मसले पर यूरोपीय देशों और कोर्ट द्वारा उनकी भद पिटने के बाद सुर्खरू होने के लिए राष्ट्र सुरक्षा के नाम पर युद्ध एक बेहतर सियासी उपाय है। दोनों की यह दलील बहुत खोखली है कि उनसे कमजोर ईरान उनके लिए खतरा है और यह आक्रमण किसी आशंकित खतरे के खिलाफ उठाया गया है, बल्कि यह एक सोचा-समझकर छेड़ा गया नियोजित युद्ध है। इसराइल और अमेरिका का आकलन है कि ईरान का इस्लामी शासन इस समय कमजोर स्थिति में है। वह गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा इसलिए उसे ध्वस्त करने के इस सुनहरे अवसर को गंवाया नहीं जाना चाहिए। अब जबकि खामेनेई मारे जा चुके हैं, तब उनके के लिए बेहतर अवसर है कि वह इसी दौर में अपने सभी मंसूबे पूरे कर लें, इसलिए भी वे युद्ध को तब तक खींचेंगे जब तक ईरान पूरी तरह तबाह होकर हथियार न डाल दे। पर सवाल यह भी है कि क्या वे अपनी मंशा में जल्द कामयाब होंगे, क्या उनकी इच्छापूर्ति तमाम दूसरे देशों को संकट में नहीं डाल देगी? क्या शांति की भी कोई सूरत नजर आती है? खामेनेई की मौत के बाद अंतरिम कौंसिल कल परसों तक 88 धर्मगुरु के मत से नया सुप्रीम लीडर चुन ही लेंगे। अब देखना यह होगा कि ईरान का नवनिर्वाचित सुप्रीम लीडर तथा देश के अन्य सियासी गुट इस युद्ध के बारे में क्या रुख अपनाते हैं?

प्रसंगवश

दुनिया में वन्यजीवों के अस्तित्व पर बढ़ता संकट

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ लेखक

यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि वन्य जीवों के अस्तित्व पर संकट लगातार गहराता जा रहा है। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की नवीनतम 'लिविंग प्लैनेट' रिपोर्ट (एलपीआर) 2024, जो 2025 तक के रुझानों को समेटती है, यह चिंताजनक तथ्य सामने रखती है कि 1970 से अब तक वैश्विक स्तर पर वन्यजीव आबादी में औसतन 73 प्रतिशत की कमी आ चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र में जैव विविधता सबसे अधिक प्रभावित हुई है। मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में 85 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। प्रवाल भित्तियों का निरंतर विरंजन, अमेजन वर्षावन और उपध्रुवीय गाइरे का पतन तथा ग्रीनलैंड और पश्चिमी अंटार्कटिका की बर्फ चादरों का पिघलना गंभीर संकेत हैं। रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन को इन परिस्थितियों का प्रमुख कारण मानते हुए चेतावनी देती है कि पृथ्वी खतरनाक मोड़ के निकट पहुंच रही है और अगले पांच वर्ष निर्णायक साबित हो सकते हैं।

यह पहली बार नहीं है जब वन्यजीवों की घटती संख्या को लेकर वैश्विक चिंता व्यक्त की गई हो। गत वर्ष नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैक्सिको और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया कि पृथ्वी छठे व्यापक विनाश काल में प्रवेश कर चुकी है। उनका शोध प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुआ, जिसमें बताया गया कि पिछले सौ वर्षों में 200 कशेरुकी प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि सामान्य परिस्थितियों में इतनी हानि हजारों वर्षों में होती। अनुमान है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में 75 प्रतिशत तक प्रजातियां समाप्त हो सकती हैं।

जंगलों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अवैध शिकार वन्यजीव संकट के प्रमुख कारण हैं। हाथी, गोरिल्ला, गिद्ध और अनेक सरीसृप तेजी से घटे हैं। आर्कटिक लोमड़ी इसका उदाहरण है, जिसकी गर्म फर के कारण व्यापक शिकार किया जाता है। फिनलैंड की संस्था जस्टिस फॉर एनिमल ने चेताया है कि लक्जरी उद्योग के लालच ने इनका अस्तित्व संकट में डाल दिया है। यूरोप के कुछ देशों में इनकी संख्या अत्यंत सीमित रह गई है। ब्रिटेन में रॉयल सोसायटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ बड्र्स के सर्वेक्षण के अनुसार हेन हैरियर की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। इसी प्रकार अफ्रीका में अवैध हाथीदांत व्यापार के कारण प्रतिवर्ष भारी संख्या में हाथियों का शिकार होता है। भारत में भी अवैध शिकार, शहरीकरण, प्रदूषण और कृषि विस्तार के चलते वन्यजीवों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जलीय जीव भी इससे अछूते नहीं हैं। औद्योगिक प्रदूषण, फफूंद संक्रमण और अवैध मत्स्य शिकार के कारण सैकड़ों प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। यूरोप के समुद्रों में व्हेल और डॉल्फिन की संख्या घट रही है। दक्षिण-पूर्व एशिया में पशुओं के उपचार में प्रयुक्त हानिकारक दवाओं के कारण गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भारत में पिछले दशकों में गिद्धों की संख्या में 97 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई, जिससे पारिस्थितिक संतुलन प्रभावित हुआ है।

विश्व में ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग 18 लाख है, जो वास्तविक जैव-विविधता का एक छोटा हिस्सा मात्र है। भारत में लगभग 75 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं। संरक्षण हेतु कानून मौजूद हैं, पर प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। जैव विविधता को बचाने के लिए जलवायु परिवर्तन की रोकथाम, प्रदूषण नियंत्रण और वनों के संरक्षण की दिशा में ठोस, सामूहिक और दीर्घकालिक प्रयास अनिवार्य हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सच्ची बुद्धिमत्ता क्षणिक सुखों की खोज करने के बजाय अनावश्यक पीड़ा से मुक्त जीवन जीने में निहित है।
-अरस्तु, दार्शनिक

इस्लामिक देशों का कथित भाईचारा आया सामने

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई के मोहम्मद अली रोड पर रमजान की रौनक अपने चरम पर थी। मीनारा मस्जिद के आसपास की गलियों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही थी। इसी हलचल के बीच एक होटल में बैठे कुछ मुस्लिम बुद्धिजीवी, पत्रकार और कारोबारी गहरी चिंता के साथ मुस्लिम देशों के संगठन, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की निष्क्रियता पर चर्चा कर रहे थे। उनका सवाल सीधा था, अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद भी ओआईसी की आवाज इतनी धीमी क्यों है?

57 मुस्लिम देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन अक्सर फिलिस्तीन जैसे मुद्दों पर मुखर रहता है, प्रस्ताव पारित करता है और कड़े बयान जारी करता है, लेकिन जब मामला ईरान जैसा प्रभावशाली और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन में अहम देश हो, तब उसकी प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत नरम क्यों दिखाई देती है? यह प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक जटिलताओं से जुड़ा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नया अध्याय नहीं है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से दोनों देशों के संबंधों में अविश्वास और टकराव बना हुआ है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, उस पर लगाए गए प्रतिबंधों और पश्चिम एशिया में उसकी बढ़ती भूमिका ने इस तनाव को और गहरा किया है। जब भी हालात बिगड़ते हैं, पूरी दुनिया की निगाहें इस क्षेत्र पर टिक जाती हैं। ऐसे समय में उम्मीद की जाती है कि इस्लामिक देश एकजुट होकर शांति, संवाद और न्याय की वकालत करेंगे। पर व्यवहार में तस्वीर अधिक जटिल दिखती है। ओआईसी का गठन मुस्लिम देशों के बीच सहयोग, एकता और साझा हितों की रक्षा के उद्देश्य से हुआ था। सिद्धांततः यदि किसी सदस्य देश पर संकट आए, तो बाकी देश उसका समर्थन करें और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसकी आवाज बनें, लेकिन व्यावहारिक राजनीति में यह संगठन अक्सर औपचारिक बयानों तक सीमित रह जाता है। ईरान के मामले में भी कई देशों ने सावधानी भरे वक्तव्य दिए, कुछ ने चुप्पी साध ली और कुछ ने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रुख के प्रति सहमति जताई।

इस विभाजन के पीछे सबसे बड़ी वजह मुस्लिम दुनिया के भीतर मौजूद वैचारिक और रणनीतिक मतभेद हैं। पश्चिम एशिया में ईरान और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से प्रभाव की प्रतिस्पर्धा रही है। एक ओर शिया नेतृत्व वाला ईरान है, तो दूसरी ओर सुन्नी बहुल खाड़ी देश। यह प्रतिस्पर्धा केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभुत्व, सुरक्षा और राजनीतिक प्रभाव से भी जुड़ी है। परिणामस्वरूप, किसी भी सामूहिक मंच पर सर्वसम्मति बनाना कठिन हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण कई मुस्लिम देशों के अमेरिका के साथ गहरे आर्थिक और सुरक्षा संबंध हैं। खाड़ी देशों की सुरक्षा संरचना काफी हद तक अमेरिकी सैन्य सहयोग पर आधारित है। ऊर्जा व्यापार, हथियार सौदे और निवेश संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में वे खुलकर अमेरिका की आलोचना करने से बचते हैं।

इसके अलावा, कुछ अरब देशों का मानना है कि क्षेत्रीय तनाव के लिए ईरान की नीतियां भी जिम्मेदार रही हैं। यमन, सीरिया और इराक में उसकी सक्रियता को लेकर कई देशों में असंतोष है। इसलिए वे इस टकराव को केवल "मुस्लिम देश बनाम अमेरिका" के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे व्यापक भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में आंकते हैं। यही सोच ओआईसी के भीतर साझा बयानबाज़ी को सीमित कर देती है। ओआईसी की कार्यप्रणाली भी एक बाधा है। संगठन अक्सर सर्वसम्मति पर आधारित निर्णय प्रक्रिया अपनाता है। जब सदस्य देशों के हित, गठबंधन और प्राथमिकताएं अलग-अलग हों, तब कठोर और स्पष्ट निर्णय लेना कठिन हो जाता है। कई बार तीखे शब्दों वाले प्रस्ताव पारित तो हो जाते हैं, लेकिन उनके अनुपालन या ठोस कूटनीतिक कदमों का अभाव रहता है। इससे संगठन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं।

दूसरी ओर, आम मुस्लिम समाज की अपेक्षाएं अलग हैं। वे चाहते हैं कि इस्लामिक देश अन्याय या बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ एकजुट स्वर में बोलें। सोशल मीडिया पर भी यह भावना दिखाई देती है कि कम से कम कूटनीतिक स्तर पर मजबूत और स्पष्ट रुख अपनाया जाना चाहिए था, लेकिन सरकारें भावनात्मक आवेगों की बजाय रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गणनाओं के आधार पर निर्णय लेती हैं। इस स्थिति का व्यापक प्रभाव भी है। यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव न एक बार फिर इस्लामिक दुनिया की आंतरिक सीमाओं को उजागर किया है। ओआईसी के सामने चुनौती यही है कि वह केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित न रहे, बल्कि सदस्य देशों के बीच भरोसा, पारदर्शिता और साझा रणनीति विकसित करे। यदि इस्लामिक देश वैश्विक मंच पर प्रभावशाली भूमिका निभाना चाहते हैं, तो उन्हें अपने मतभेद कम कर व्यापक सामूहिक हितों को प्राथमिकता देनी होगी। अन्यथा हर बड़े संकट में उनकी बंटी हुई प्रतिक्रिया निराशा को ही जन्म देती रहेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

आमने

भाजपा को यह स्वीकार करना चाहिए कि हां, उन्होंने षड्यंत्र किया, उन्होंने छोटापन दिखाया और देश के संस्थानों का गलत इस्तेमाल किया। भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिए कि अब वे आगे ऐसा नहीं करेंगे। भाजपा को फिर से उसी लड़ाई-झगड़े में जाने के बजाय, अब माफी मांगने वाली मुद्रा में जाना चाहिए।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली

सामने

आप पार्टी को थोड़ी सी भी राजनीतिक जगह मिलती है, वे भाजपा को लेकर देश और इजराइल व अमेरिका तक के मुद्दों के लिए दोषी ठहराते हुए बयानबाजी शुरू कर देते हैं। 11 साल का कार्यकाल शून्य विकास, भ्रष्टाचार, घोटालों व 'शीश महल' से भरा रहा, जबकि भाजपा का एक साल का कार्यकाल विकास से परिपूर्ण रहा है। - वीरेंद्र सचदेवा
भाजपा अध्यक्ष, दिल्ली

नेपाल चुनाव: बालेन को लेकर खौफजदा पुरानी पार्टियां

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

इस बार के चुनाव में नेपाल को कैसी सरकार नसीब होती है, इसके कयास लगाए जाने लगे है। किसी एक दल की पूर्ण बहुमत की सरकार को लेकर सभी के मन में शंका है। भारत में नेपाल के राजदूत रहे नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीप कुमार उपाध्याय का साफ कहना है कि नेपाल के नसीब में किसी एक दल की स्थाई सरकार न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। नेपाल में लोकतंत्र बहाली के बाद से यह स्थिति बनी हुई है और यही कारण है कि नेपाल में लोकतंत्र को मजबूती नहीं मिल पा रही है।

इस सबके बीच विकट परिस्थितियों में हो रहे इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के तीन बड़े चेहरों पर लोगों की निगाह टिकी हुई है। नंबर एक पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के बालेन शाह हैं। दूसरे पर नेपाली कांग्रेस के गगन थापा और तीसरे नंबर पर एमाले के केपी शर्मा ओली हैं। चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं। सवाल उठता है कि यदि किसी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तो किस पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और इसमें कौन-कौन दल शामिल हो सकते हैं? यदि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में नहीं आ पाती तो उसकी भूमिका क्या होगी?

जेन जी आंदोलन के बाद अंतरिम सरकार के नेतृत्व में हो रहे इस चुनाव में सुडान गुरूंग के साथ काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह भी रवि लामी छाने के साथ आ गए। सुडान गुरूंग जेन जी आंदोलन के नायक के रूप में जाने जाते हैं, वहीं बालेन शाह की पहचान एक रैपर और इंजीनियर की है। उन्होंने निर्दल लड़कर काठमांडू नगर निगम के मेयर पद का चुनाव जीता था। बतौर मेयर उन्होंने अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का मानचित्र लगाकर राष्ट्रवादी नेता की छवि धारण करने की कोशिश की थी। जेन जी आंदोलन के बाद जब अंतरिम सरकार के गठन की नौबत आई तो जेन जी का एक धड़ा बालेन को प्रधानमंत्री बनाने के पक्ष में था जो फलीभूत नहीं हो सका। अब जब बालेन शाह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में झापा क्षेत्र संख्या पांच से एमाले अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, तो संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उनकी चर्चा लाजिमी है।

नेपाल के इस चुनाव का परिणाम वैश्विक स्तर पर भी खास है, क्योंकि पूर्व की परंपरावादी राजनीतिक दलों की हालत बहुत बेहतर नहीं है। पुरानी पार्टी में एक नेपाली कांग्रेस है, जिसके ठीक-ठाक प्रदर्शन की उम्मीद है, लेकिन यह पार्टी भी अब नए नेतृत्व के अधीन है। भारी अंतर्विरोध के बीच वरिष्ठ नेता गगन थापा को नया अध्यक्ष चुना गया है। गगन थापा अपनी पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। नेपाली कांग्रेस के भी अकेले दम पर सत्ता में आने की संभावना नहीं है फिर भी इस पार्टी के नए अध्यक्ष के रुख को लेकर चर्चा होती रहती है। हालांकि उन्होंने साफ कहा है कि नेपाल भारत और चीन के मध्य स्थित है इसलिए इसे दोनों देशों से संतुलन बनाकर ही आगे बढ़ना होगा। गगन थापा के इस कथन को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सकारात्मक दृष्टि से देखा गया। भारत और चीन दोनों के लिए गगन थापा का बयान मायने रखता है, लेकिन शेर बहादुर देउबा अथवा कोइराला परिवार के बिना चुनाव मैदान में उतरी नेपाली कांग्रेस का प्रदर्शन इस चुनाव में कैसा होता है, यह देखना जरूरी होगा। 2022 के चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटें जीत कर सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई थी।

आज जिन परिस्थितियों में यह चुनाव हो रहा है, उसे देख ऐसा नहीं लगता कि नेपाली कांग्रेस 2022 के चुनाव परिणाम को दोहरा पाएगी? और यदि ऐसा हो पाया तो निस्संदेह यह गगन थापा की बड़ी कामयाबी होगी और तब उनकी सरकार की संभावना बढ़ सकती है। नेपाल में मतदान के बहुत कम दिन शेष है। ऐसे में जब सरकार गठन की बात चलती है, तो मध्य नेपाल अर्थात मैदान और पहाड़ के बीच के हिस्से में एमाले की चर्चा भी खूब हो रही है। एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली गठबंधन की ही सही चार बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। इस बार राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बालेन शाह से उनका मुकाबला बेहद कड़ा है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अंदरूनी सर्वे में यह सीट बालेन शाह जीत रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के लोगों की मानें तो यह इतना आसान भी नहीं है।

2022 में एमाले को 78 सीटों पर जीत मिली थी। वह दूसरा सबसे बड़ा दल था। इसके बाद प्रचंड के नेतृत्व वाली माओवादी केंद्र था, जिसके 32 सदस्य चुने गए थे। 2022 के प्रतिनिधि सभा में रवि लामी छाने की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 20 सीटों के साथ तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी थी और सरकार में हिस्सेदारी के तौर पर इस पार्टी को एक उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का पद आया था, इन दोनों पदों पर पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने स्वयं काबिज थे। जहां तक प्रधानमंत्री पद का सवाल है, तो यह शेर बहादुर देउबा,ओली और प्रचंड के हिस्से में आता रहा। इस बार बेशक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की धूम है, लेकिन प्रतिनिधि सभा के 165 और उच्च सदन के 110 यानी 275 सीटों में से बहुमत का आंकड़ा जुटा पाना किसी के लिए भी आसान नहीं जान पड़ता। फिर भी चाहे नेपाली कांग्रेस हो, एमाले हो या माओवादी केंद्र, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को लेकर खौफजदा तो हैं, इनमें इस बात को लेकर खौफ है कि खुदा न खास्ता राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में आ गई तो उक्त तीनों पार्टियों के ढेर सारे बड़े नेताओं का जेल जाना तय है क्योंकि भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े मामले में उनके हाथ सने हुए हैं। बीच चुनाव खबर यह भी है कि इस खौफ से उबरने के लिए नेपाली कांग्रेस, एमाले और माओवादी केंद्र के अंदरखाने कुछ और ही खिचड़ी पक रही है, जिसका प्रकटीकरण चुनाव परिणाम के बाद ही संभव है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं।

सोशल फोरम

छोटे फैसले, बड़ा भविष्य

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता

कभी-कभी लगता है समय नदी नहीं, कुम्हार है। हर दिन हमें थोड़ा-थोड़ा घुमाता है, दबाता है, आकार देता है। हम सोचते हैं हम भाग रहे हैं, पर सच यह है कि हम गढ़े जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कौन मिट्टी बना रहता है और कौन आकार लेने की हिम्मत करता है। पिछले दिनों में आपने कितनी बार खुद को टाला? और कितनी बार खुद को पकड़ा? यह सवाल किसी और के लिए नहीं है। दुनिया आपकी उपलब्धियों की तालिका देखती है, पर असली कहानी उन क्षणों में लिखी जाती है, जब आपने आसान रास्ता छोड़कर सही रास्ता चुना या कम से कम कोशिश की। जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बड़े अवसरों का इंतजार करते रहते हैं, जबकि असली बदलाव छोटे फैसलों में छिपा होता है।

कई लोग कहेंगे कि समय तेज भाग रहा है। सच तो यह है कि समय हमेशा अपनी रफ्तार से चलता है। बेचैनी हमारी है। हम तुलना में उलझे रहते हैं। किसी की नौकरी, किसी की गाड़ी, किसी की लोकप्रियता, लेकिन किसी की शांति? वही सबसे बड़ी पूंजी है। अगर कुछ छूटा है, तो उसे बोझ मत बनाइए। उसे बीज बना दीजिए। हर छूटा हुआ काम संकेत है कि उसमें अब भी संभावना बची है, जो खत्म हो गया, वह सिर्फ एक अध्याय था। किताब अभी बाकी है। जिंदगी स्प्रिंट नहीं, लंबी बातचीत है। खुद से, अपने लोगों व विचारों से। अगर कुछ अधूरा रह गया है, तो वह आपकी अक्षमता का प्रमाण नहीं, यात्रा का संकेत है। अधूरापन ही हमें आगे बढ़ने की वजह देता है। पूरी हो चुकी कहानी में उत्साह नहीं बचता, जो करना है, वह धीरे और लगातार करना है। बड़े पेड़ भी एक दिन में नहीं बढ़ते, पर रोज बढ़ते हैं।

समय किसी के लिए रुकता नहीं, वह हर उस व्यक्ति के साथ चलता है, जो चलने का निर्णय लेता है। सवाल यह नहीं कि कितना समय बीत गया। सवाल यह है कि आपने उसमें कितना जीवन जोड़ा। अब अगला कदम आपका है। घड़ी चल रही है, पर कहानी भी चल रही है। कहानी तब तक जिंदा है, जब तक आप उसे आगे लिखने का साहस रखते हैं। कभी-कभी घड़ी उतारकर मेज पर रख देनी चाहिए, ताकि समय का शोर थोड़ा कम हो सके। स्क्रीन की रोशनी से बाहर भी दुनिया है, जो धीरे-धीरे बुलाती रहती है। लोग जो सन्नाटे की भाषा पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि अनुपस्थिति भी एक तरह की उपस्थिति होती है, जो लोग 'बिटवीन द लाइंस' पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि कुछ यात्राएं शोर से दूर तय होती हैं। बाकी सब ठीक है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ईरान-अमेरिका टकराव और इतिहास की वापसी

जयदेव राठी
अधिवक्ता

मध्य-पूर्व एक बार फिर इतिहास के सबसे खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। सदियों पुरानी सभ्यताओं की यह भूमि पिछले सौ वर्षों से राजनीतिक प्रयोगशाला बनी हुई है, लेकिन फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह की घटनाओं ने क्षेत्र को सीधे वैश्विक युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान के भीतर कई ठिकानों पर व्यापक हवाई हमले किए। इस अभियान को "ओपरेशन एपिक फ्यूरी" नाम दिया गया। दावा किया गया कि निशाना परमाणु और मिसाइल संरचनाएं थीं, पर इसके राजनीतिक अर्थ कहीं अधिक गहरे हैं।

इन हमलों में ईरान की सैन्य कमान, मिसाइल साइटों और रणनीतिक प्रतिष्ठानों को लक्ष्य बनाया गया। सबसे विस्फोटक खबर यह रही कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हमले में मृत्यु की पुष्टि की गई। यदि यह तथ्य दीर्घकालिक रूप से प्रमाणित रहता है, तो यह केवल एक सैन्य घटना नहीं बल्कि ईरान की सत्ता संरचना में भूकंपीय बदलाव है। इस्लामी गणतांत्रिक व्यवस्था में सर्वोच्च नेता का पद राजनीतिक ही नहीं, धार्मिक-वैधानिक अधिकार का केंद्र है। ऐसे में नेतृत्व का अचानक शून्य पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है। ईरान ने हमलों का तीखा जवाब दिया। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मिसाइल और ड्रोन हमले कर खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और इजराइली लक्ष्यों को निशाना बनाया। बहरीन, कतर, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में हाई-अलर्ट घोषित किया गया। कई देशों ने अस्थायी रूप से अपना एयरस्पेस बंद कर दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर व्यापक असर पड़ा। दुबई और अबू धाबी जैसे हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हुईं। यह संकेत है कि यह संघर्ष दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया को प्रभावित करेगा।

ईरान-अमेरिका टकराव केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, यह क्षेत्रीय प्रभुत्व की लड़ाई भी है। इजराइल ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को अस्तित्वगत खतरे के रूप में देखता है, वहीं ईरान स्वयं को अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और इजराइली नीतियों से घिरा मानता है। लेबनान में हिज्बुल्लाह, गाजा में हमास और सीरिया में विभिन्न मिलिशिया समूहों के माध्यम से वर्षों से छाया-युद्ध चलता रहा है, जो अब प्रत्यक्ष सैन्य भिड़ंत में बदलता दिख रहा है। आर्थिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। खाड़ी क्षेत्र वैश्विक तेल आपूर्ति का केंद्र है। तनाव बढ़ते ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश सीधे प्रभावित होंगे। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक तनाव बढ़ता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तीखी बहस हुई है। यूरोपीय देशों ने संयम की अपील की है, रूस और चीन ने अमेरिकी कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं, जबकि अमेरिका ने इसे "पूर्व-निवारक सुरक्षा कदम" बताया है। प्रश्न यही है- क्या यह कदम शांति लाएगा या नए युद्ध चक्र की शुरुआत करेगा? 2003 के इराक युद्ध का अनुभव चेतावनी देता है कि त्वरित सैन्य कार्रवाई दीर्घकालिक अस्थिरता में बदल सकती है। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय टकराव में बदलने से रोकना है। कूटनीतिक वार्ता और मध्यस्थता ही स्थायी रास्ता प्रतीत होती है। मध्य-पूर्व आज फिर इतिहास की प्रयोगशाला बना है और इस बार इसके परिणाम पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

जब फाल्गुन की बयार और फिजाओं में अबीर-गुलाल की सुगंध घुलने लगती है, तब बरेली के आंगन में एक अद्भुत दृश्य जीवंत होता है। यहां की हवा में केवल केसरिया रंग नहीं, बल्कि उस साझी तहजीब और अटूट श्रद्धा की खुशबू भी महकती है, जिसे बरेलीवासी "फाल्गुनी रामलीला" के नाम से जानते हैं। जहां पूरा देश शारदीय नवरात्रि के बाद दशहरे पर रामलीला देखता है, वहीं बरेली के बमनपुरी (ब्रह्मपुरी) में होली के हुड़दंग के बीच मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को जिया जाता है। यह महज एक रामलीला का मंचन नहीं, बल्कि रुहेलखंड की अस्मिता और पिछले 166 वर्षों से चली आ रही एक ऐसी जीवंत परंपरा है, जिसने अपनी सांस्कृतिक गहराई से यूनेस्को जैसे वैश्विक पटल पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। बरेली की इस अनूठी परंपरा से रु-ब-रू करा रही – **रतन सिंह गुर्जर की रिपोर्ट...**

फाल्गुनी रामलीला : होली के रंगों में राम भक्ति का अनूठा संगम

166 वर्ष पुरानी परंपरा

ब्रह्मपुरी में स्थानीय श्रद्धालुओं ने मिलकर 1860 के आसपास श्रीरामलीला सभा की शुरुआत की। श्रीरामलीला सभा से जुड़े पंकज मिश्रा पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताते हैं कि पूर्वजों ने मिलकर इस परंपरा की नींव रखी। इसके बाद ये आयोजन पूरे शहर के लिए आस्था का प्रतीक बन गया। आयोजन को यहां तक पहुंचाने में पूर्वजों का अपार त्याग भी रहा है। एक दौर वह था, जब उन सबके पास संसाधन शून्य थे, गैस लालटेन की रोशनी में रामलीला मंचन होता था और राम बरात को श्रद्धापूर्वक कंधों पर उठाकर निकाला जाता था। फाल्गुन माह में होने वाला ये आयोजन विश्वभर की रामलीलाओं की सांस्कृतिक धरोधर के रूप में प्रतिनिधित्व करता हैं। रामलीला सभा के उपाध्यक्ष महेश पंडित बताते हैं कि यह रामलीला तुलसीदास की कृति "विनय पत्रिका" से ली गई है। होली पर आयोजित होने वाली रामलीला का इतिहास लगभग 166 वर्ष पुराना है। यह परंपरा ब्रिटिश काल से अनवरत चली आ रही है। फाल्गुन शुक्ल नवमी से शुरू होकर चैत्र कृष्ण त्रयोदशी तक चलने वाला यह आयोजन भक्ति और लोक-संस्कृति का एक ऐसा समागम है, जिसे देखने के लिए समूचा रुहेलखंड उमड़ पड़ता है। इस रामलीला की सबसे बड़ी खूबी और आकर्षण का विषय इसकी लीलाओं का बहु-स्थलीय मंचन है। लीला में अगस्त्य मुनि संवाद छोटी ब्रह्मपुरी के आश्रम में होता है। केवट प्रसंग के लिए साहूकारा की गलियां गवाह बनती हैं। वहीं, मेघनाद यज्ञ ब्रह्मपुरी में और लंका दहन का रोमांचक दृश्य मलूकपुर चौराहे पर जीवंत होता है। अध्यक्ष राजू मिश्रा बताते हैं कि समय के साथ कुछ बदलाव भी आए हैं। पहले स्थानीय लोग ही इसके पात्र बनते थे, लेकिन अब बाहर से मंझे हुए कलाकारों की मंडलियां बुलाई जाती हैं। इसके बावजूद, रामलीला सभा इसके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस ऐतिहासिक परंपरा के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृति विभाग को पत्र भी लिखकर अनुरोध कर चुके हैं। प्रवक्ता विशाल मेहरोत्रा का कहना है कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान है। वे और उनकी समिति लगातार शासन-प्रशासन और संस्कृति विभाग के संपर्क में हैं ताकि इस प्राचीन धरोहर का दस्तावेजीकरण हो सके और आने वाली पीढ़ियां भी अपनी जड़ों से जुड़ी रहें। रामलीला से जुड़े स्थानीय लोग बताते है कि रामलीला से कई बड़े विद्वान भी जुड़े। वे पंडित रामकिशोर शर्मा जैसे दिग्गजों को याद करते हैं, जिन्होंने हनुमान की भूमिका निभाते हुए लंका दहन के दौरान अपनी पीठ तक झुलसा ली थी, पर अभिनय नहीं छोड़ा। राधेश्याम रामायण के रचयिता पंडित राधेश्याम कथावाचक और शिवनाथ बिस्मिल जैसे बड़े विद्वानों का जुड़ाव इस रामलीला की बौद्धिक और आध्यात्मिक नींव को और मजबूत करता है। ब्रह्मपुरी (बमनपुरी) की यह ऐतिहासिक "फाल्गुनी रामलीला" अपनी प्राचीनता, परंपरा और वैश्विक पहचान के कारण दुनियाभर में अद्वितीय है।

होली पर राम के जयकारों की गूंज

होली की मस्ती के बीच जब राम-लक्ष्मण और सीता के जयकारे गूंजते हैं, तो यह अहसास होता है कि बमनपुरी फाल्गुनी रामलीला समाज को सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे का संदेश दे रही है। यह आस्था की वह अखंड ज्योति है, जो 166 वर्षों से बुझी नहीं और अपनी चमक से विश्व पटल को आलोकित कर रही है।

यूनेस्को की वैश्विक धरोहर में शुमार

श्रीरामलीला सभा की रामलीला की महत्ता केवल स्थानीय नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय है। रामलीला सहअध्यक्ष विवेक शर्मा बताते हैं कि इसकी सांस्कृतिक गहराई को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने इसे "विश्व धरोहर" के रूप में मान्यता प्रदान की है। साल 2008 में इसे यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया और 2015 में इसे औपचारिक रूप से वैश्विक पहचान मिली। यह बरेली के लिए गौरव की बात है कि यहां की गलियों में होने वाला मंचन मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

नकारात्मकता को जलाकर आस्था को जागृत करने का पर्व होली

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों, उत्सवों और समारोहों से कहीं अधिक व्यापक है। हालांकि अधिकांश लोग होली को 'रंगों का त्योहार' मानते हैं, लेकिन इसका गहरा सार आंतरिक शुद्धि, अहंकार का नाश, भक्ति और आध्यात्मिक परिवर्तन में निहित है। होली से मिलने वाले आध्यात्मिक ज्ञान से हमें यह संदेश मिलता है कि जीवन केवल बाहरी उत्सवों के बारे में नहीं है, बल्कि नकारात्मकता को जलाकर, आस्था को जागृत करके और सचेत जीवन को अपनाकर ही संभव है।

अंतरात्मा की शुद्धि होली का उद्देश्य

हिंदू धर्म में होली का त्योहार केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक महत्व भी रखता है। यह अधर्म (होलिका) और धर्म (प्रहलाद) के बीच आंतरिक संघर्ष और धर्म के विजय का प्रतीक है। भगवान नरसिंह अवतार की कथा दैवीय न्याय और ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। होली का वास्तविक उद्देश्य है अंतरात्मा की शुद्धि। हमें नित्य अपने जीवन में त्याग, संयम और साधना का अभ्यास करना चाहिए, लेकिन होली के दिन एक विशेष भावना के साथ अपने जीवन के अच्छे-बुरे सभी कर्मों को परमात्मा की विवेक रूपी अग्नि में अर्पित करना चाहिए। यह अग्नि हमारे भीतर जल रही आत्मचेतना है, जो हमें देह-बोध से ऊपर उठाकर आत्मबोध की ओर ले जाती है।

होली का आध्यात्मिक अर्थ

होली का आध्यात्मिक अर्थ है अहंकार पर भक्ति की, बुराई पर अच्छाई की और अंधकार पर प्रकाश की विजय। होलिका दहन और प्रहलाद की कथा के माध्यम से यह त्योहार आंतरिक शुद्धि, क्षमा, भावनात्मक उपचार और आध्यात्मिक परिवर्तन की शिक्षा देता है। आमजन मानस में एक प्रश्न रहता है कि जिस होलिका ने प्रहलाद जैसे प्रभु भक्त को जलाने का प्रयत्न किया, उसका हजारों वर्षों से हम पूजन किसलिए करते हैं? होलिका-पूजन के पीछे एक बात है। जिस दिन होलिका प्रहलाद को लेकर अग्नि में बैठने वाली थी, उस दिन नगर के सभी लोगों ने घर-घर में अग्नि प्रज्वलित कर प्रहलाद की रक्षा करने के लिए अग्निदेव से प्रार्थना की थी। लोकहृदय को प्रहलाद ने कैसे जीत लिया था, यह बात इस घटना में प्रतिबिंबित होती है। अग्निदेव ने लोगों के अंत:करण की प्रार्थना को स्वीकार किया और लोगों की इच्छा के अनुसार ही हुआ। होलिका नष्ट हो गई और अग्नि की कसौटी में से पार उतरा हुआ प्रहलाद नरश्रेष्ठ बन गया। प्रहलाद को बचाने की प्रार्थना के रूप में प्रारंभ हुई घर-घर की अग्नि पूजा ने कालक्रमानुसार सामुदायिक पूजा का रूप लिया और उससे ही गली-गली में होलिका की पूजा प्रारंभ हुई।

नियम और पूजा विधि

हिंदू शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन भद्रा रहित काल या विशेष स्थिति में पुच्छ काल में पूर्णिमा तिथि के प्रबल होने पर ही किया जाना चाहिए। घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए दहन से पहले होलिका पूजा का विशेष महत्व होता है। होलिका पूजन करते समय अपना मुंह पूर्व या उत्तर की ओर करके बैठे। पूजन की थाली में पूजा समाग्री जैसे: रोली, पुष्प, माला, नारियल, कच्चा सूत, साबूत हल्दी, मूंग, गुलाल और पांच तरह के अनाज, गेहूं की बालियां व एक लोटा जल होना चाहिए। होलिका के चारों ओर सहपरिवार सात परिक्रमा करके कच्चा सूत लपेटना शुभ होता है। इसके पश्चात विधिवत तरीके से पूजन के बाद होलिका को जल का अर्घ्य दें और सूर्यास्त के बाद भद्रा रहित काल में होलिका का दहन करें। होलिका दहन की राख बेहद पवित्र मानी जाती है। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन सुबह के समय इस राख को शरीर पर मलने से समस्त रोग और दुखों का नाश किया जा सकता है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों से पहले अंतरात्मा को रंगना जरूरी है और जब अहंकार जलता है और भक्ति जागती है, तभी जीवन में सच्चा उत्सव आता है। यही होली का वास्तविक संदेश है।

बृज की होली: भक्ति रस का आनंद उत्सव

बृज की होली बृजवासियों के लिए केवल एक पर्व नहीं है, अपितु भक्ति एवं प्रेम का जीवंत उत्सव है। बृज राधा-कृष्ण की एक पावन भूमि है, जहां ठाकुर की बाल लीलाएं, रास एवं प्रेम क्रीड़ा आज भी बृजवासियों के हृदय में धड़कती है। यहां होली रंगों से पहले भावों से खेली जाती है। राधा कृष्ण तो बृज के कण-कण में विराजमान हैं। बृज की होली की सबसे बड़ी विषेशता इसकी विविधता है- यहां रंग और गुलाल केवल उड़ाया ही नहीं जाता, बल्कि प्रेम के विभिन्न स्वरूपों में जिया जाता है। बृज में होली रंगों से नहीं- भावों से खेली जाती है। यहां गुलाल वायुमंडल में नहीं उड़ता अपितु आत्मा पर उतरता है। फागुन की बयार कालिंदी के तट से उठकर राधा के मान एवं कृष्ण की मुस्कान के साथ बहने लगती है। बृज की होली रंगों का नहीं रस का पर्व है।

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

चालीस दिन का होलिकोत्सव– बृज का होली उत्सव वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर रंग पंचमी तक लगभग 40 दिन तक चलता है। सारे भारत में बृज की होली अद्वितीय होती है–"सब जग होरी, जा बृज होरी" बृज के मंदिरों में वसंत पंचमी से ही फाग गायन प्रारंभ हो जाता है–'आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया घर-घर से आई बृज के नारी कोई श्यामल, कोई गोरी रे रसिया'। बृज की होली में मुख्यतया– बरसाना की लट्ठमार होली, वृंदावन की फूलों की होली, गोकुल की छड़ीमार होली और दाऊजी का कपड़ा फार होरंगा प्रसिद्ध है। परंतु भक्तों में विशेष चाव तो बरसाने की होली का ही होता है। बरसाने की होली के बिना तो बृज की होली का चित्रण अधूरा और रसहीन है। बरसाने की होली एक सप्ताह पूर्व अष्टमी से प्रारंभ हो जाती है। सारे भारत से राधा रानी के भक्त अष्टमी से जुटने शुरू हो जाते हैं। फागुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधारानी के महल में लड्डू होली होती है। परंपरा के अनुसार राधारानी के पिता वृषभान जी ने बरसाने से नंदगांव नंद बाबा को खेलने का निमंत्रण भेजा, जो बाबा ने स्वीकार कर लिया और इसकी सूचना अपने पुरोहित को बरसाने भेजकर दी कि कृष्ण ग्वाल बालों सहित बरसाने होली खेलने आएंगे। इस सुखद समाचार से बरसाने में खुशी की लहर दौड़ गई और बरसाने वालो ने पुरोहित जी को थाल भरकर लड्डू खिलाए। प्रेम की अधिकता में गोपियों ने पुरोहित जी पर लड्डू फेंकने प्रारंभ कर दिए। पुरोहित जी ने भी उनके साथ लड्डूओं की होली खेली। इसी परंपरा को आज भी निभाते हुए भारी मात्रा में लड्डू मंगाए जाते हैं और श्रद्धालु इन लड्डूओं को प्रसाद के रूप में लूटते हैं– बरसाने के लोग पंडा नृत्य करते हुए उत्सव मनाते हैं और नवमी की होली की तैयारी करते हैं।

श्रीबांके बिहारी की होली

वृंदावन की होली–अर्थात श्रीबांके बिहारी की होली। यद्यपि होली उत्सव तो वसंत पंचमी से शुरू हो जाता है। बांके बिहारी सहित सप्त देवालयों में ठाकुर को गुलाल अर्पण किया जाता है। परंतु बांके बिहारी की प्रसिद्ध फूलों की होली फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी आमल की एकादशी से प्रारंभ होती है। इसे रंगभरी एकादशी कहते हैं। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ की होली भी इसी दिन प्रारंभ होती है। वृंदावन में होली का असली रंग एकादशी के बाद ही चढ़ना शुरू होता है। वृंदावन में जब गुलाल उड़ता है, तो उसका रंग आंखों में नहीं अपितु हृदय में भरता है। प्रत्येक आए हुए श्रद्धालु का मन करता है कि कोई बृजवासी उस पर रंग डाल दे। बांके बिहारी मंदिर में टेसू के फूलों से बने रंग से जो भीग जाता है– वह अपना जन्म सफल समझता है। यहां प्रेम ही सबसे गहरा रंग है। यहां राधे-राधे के उच्चारण से मन का मैल धुलता है और अहंकार गल जाता है। वृंदावन की गलियों में साधु, गृहस्थ और विदेशी भक्त भी एक साथ रंग में भीगते हैं।

छड़ीमार होली

गोकुल की छड़ीमार होली में बाल कृष्ण के भाव में लाठियों की जगह छोटी छड़ियों का प्रयोग होता है। बृज की होली उत्सवों में दाऊजी का होरंगा भी प्रसिद्ध है, जिसे देखने दूर-दूर से भक्त आते हैं। बृज की होली में 'समाज गायन' एक अत्यंत प्राचीन शास्त्रीय और अनुशासित परंपरा है। समाज गायन बृज की होली की आत्मा है। यह एक संगीतमय आध्यात्मिक गोष्ठी है, जिसमें सभी आमने-सामने बैठकर राधा-कृष्ण की लीलाओं का गायन करते हैं। समाज गायन पूरी तौर पर शास्त्रीय रागों पर आधारीत होता है। इसमें मुख्य गायक पद की एक पंक्ति गाता है और पूरा समूह उसे उच्च स्वर में दोहराता है। समाज गायन के पदों की रचना मध्यकालिन संत कवियों- सूरदास, कुंभनदास, श्री भट्ट और हरिवंश महाप्रभु द्वारा की गई। समाज गायन मुख्यतया नंदगांव और बरसाने में होली और राधाष्टमी के अवसर पर किया जाता है। समाज गायन का एक प्रसिद्ध अंश- "खेलन आए हैं होरी कुंवर कन्हाई। वृषभान की पौरी पे, मच रही आज धमा चैकड़ी आई।।"

बृज की होली हमें संदेश देती है कि प्रेम में कोई भेदभाव नहीं कोई ऊंच-नीच नहीं। न स्त्री पुरुष और न ही भक्त-भगवंत का अंतर। होली पर भगवान स्वयं भक्त बन जाते हैं। यहां भक्त स्वयं को गोपी या सखा मानकर ईश्वर के साथ एकाकार होने का प्रयास करता है- सारा भेदभाव मिट जाता है और चहुं ओर केवल राधे-राधे की गूंज सुनाई पड़ती है। बृज की होली और फाग भारतीय संस्कृति की एक अनमोल धरोहर है, जो हमें प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है।

पौराणिक कथा

धर्म और भक्ति की जीत

प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नामक असुर राजा था। उसने कठोर तपस्या कर वरदान प्राप्त किया कि वह न दिन में मरेगा, न रात में, न घर के भीतर, न बाहर, न किसी मनुष्य से, न पशु से और न किसी अस्त्र-शस्त्र से। इस वरदान के बल पर वह अहंकारी हो गया और स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा। उसने अपने राज्य में विष्णु-भक्ति पर प्रतिबंध लगा दिया और प्रजा को भयभीत कर दिया। उसका पुत्र प्रह्लाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। गुरुकुल में भी वह अपने साथियों को भक्ति, करुणा और सत्य का पाठ पढ़ाता था। पिता के अनेक समझाने, डांटने और दंड देने पर भी प्रह्लाद की भक्ति अटल रही। क्रोधित होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक यातनाएं दीं। कभी ऊंचे पर्वत से गिरवाया, कभी विषैले सर्पों के बीच डलवाया, कभी विष पिलाया, तो कभी हाथियों से कुचलवाने का प्रयास किया। परंतु हर बार विष्णु-कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच गया और उसका विश्वास और दृढ़ होता गया। अंतत: हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका को बुलाया, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था। योजना बनी कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठेगी, जिससे प्रह्लाद जल जाएगा। अग्नि प्रज्वलित हुई। होलिका प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठ गई, परंतु ईश्वर की कृपा से वरदान निष्फल हो गया। होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आया।

इस घटना के बाद लोगों के मन में विश्वास जगा कि सच्ची भक्ति की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं। तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में होलिका दहन की परंपरा प्रचलित हुई। इस घटना से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से पूछा–"तेरा विष्णु कहां है?" प्रह्लाद ने निडर होकर उत्तर दिया– "वे कण-कण में विद्यमान हैं।" यह सुनकर उसने महल के एक स्तंभ पर प्रहार किया। उसी क्षण स्तंभ से भगवान नरसिंह प्रकट हुए न आधे मनुष्य, न पूर्ण पशु। संध्या समय, महल की दहलीज पर, अपने नखों से हिरण्यकशिपु का वध किया, इस प्रकार वरदान की सभी शर्तें भंग हो गईं। प्रह्लाद को राज्य का उत्तराधिकारी बनाया गया। उसने न्याय, धर्म और दया के मार्ग पर चलकर प्रजा का कल्याण किया। यह कथा अटूट आस्था, धैर्य और सत्य की विजय का संदेश देती है। चाहे अत्याचार कितना ही प्रबल क्यों न हो, अंतत: धर्म और भक्ति की ही जीत होती है।

पत्नी या पति हो रहे हैं चिड़चिड़े, ये है गंभीर खतरे की निशानी

क्या आपकी पत्नी या पति तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स से परेशान हैं? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दिशाओं और ऊर्जा प्रवाह में दोष होने से पारिवारिक सदस्यों में मानसिक अशांति पैदा हो सकती है। इस लेख में हम वास्तु दोषों के कारणों और सरल उपायों पर चर्चा करेंगे, ताकि आप सुखी वैवाहिक जीवन प्राप्त कर सकें।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

वास्तु दोषों के प्रमुख कारण

वास्तु शास्त्र कहता है कि घर उत्तर-पूर्व दिशा चंद्रमा से प्रभावित होती है, जो मन और भावनाओं का कारक है। अगर इस दिशा में शौचालय, जूते या कचरा रखा हो, तो चंद्रमा कमजोर हो जाता है, जिससे तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स बढ़ते हैं। पति-पत्नी के बीच अनावश्यक झगड़े भी इसी से उत्पन्न होते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा पृथ्वी तत्व की है, जो स्थिरता देती है, यहां रसोई या पानी की टंकी होने से भावनात्मक अस्थिरता आती है। बेडरूम में दर्पण बिस्तर के सामने होना या सिर दक्षिण की ओर रखकर सोना भी वास्तु दोष पैदा करता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा प्रतिबिंबित होकर रिश्तों में तनाव बढ़ाता है। इसके अलावा, घर के केंद्र (ब्रह्मस्थान) में भारी सामान या अव्यवस्था से मानसिक दबाव बढ़ता है। महिलाओं में मूड स्विंग्स का एक कारण पूर्व दिशा में अवरोध भी है, जो सूर्य ऊर्जा को रोकता है।

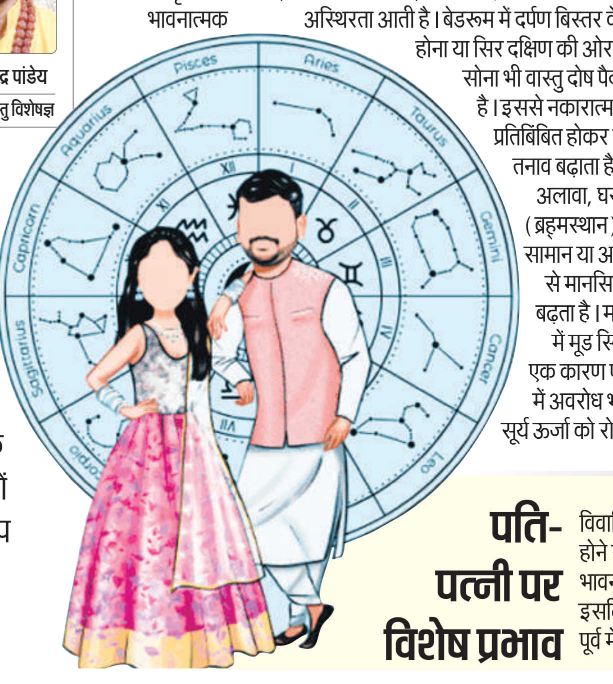

तत्काल राहत के लिए उपाय

- सबसे पहले उत्तर-पूर्व को साफ करें। यहां शिवलिंग या चंद्र यंत्र स्थापित करें। रोज चांदी के लोटे में पानी भरकर रखें और सुबह सूर्य को अर्घ्य दें। इससे चंद्रमा मजबूत होगा और मूड स्विंग्स कम होंगे। श्री यंत्र को ब्रह्मस्थान में रखें, जो नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेगा।
- बेडरूम में दर्पण को रात में ढक दें या पूर्व की दीवार पर लगाएं। सिर पूर्व या उत्तर की ओर रखकर सोएं। बिस्तर के नीचे कुछ न रखें। रोज ताजे फूल, जैसे गुलाब या चमेली, रखें और लैवेंडर खुशबू का उपयोग करें। इससे सकारात्मक वायु प्रवाह होगा।

दिशा अनुसार विस्तृत सुधार

उत्तर-पूर्व (ईशान कोण): पूजा घर बनाएं। क्रिस्टल या स्फटिक बॉल रखें। अगर वहां शौचालय हो, तो वास्तु यंत्र और नमक का पिरामिड रखें। इससे एंग्जायटी 70 प्रतिशत कम हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य): भारी अलमारी या तिजोरी रखें। यहां लाल बल्ब जलाएं। पत्नी इसी दिशा में आकर मेकअप यानी श्रृंगार करें। उनकी ड्रेसिंग टेबल इसी दिशा में होनी चाहिए।

दक्षिण-पूर्व (आग्नेय): रसोई सही जगह पर हो। अगर नहीं, तो तुलसी यंत्र लगाएं और पति का अध्ययन कक्ष पूर्व में रखें।

उत्तर-पश्चिम (वायव्य): अतिथि कक्ष या बच्चों का कमरा। यहां हवा का प्रवाह रखें। बंद खिड़की दोष पैदा करती है।

किचन में गैस दक्षिण-पूर्व कोने में हो और फ्रिज उत्तर-पश्चिम में होनी चाहिए। ये छोटे बदलाव तनाव को जड़ से खत्म करेंगे।

दैनिक वास्तु टिप्स

सुबह उठकर घर की प्रदक्षिणा करें। कोने साफ रखें। ध्यान पूर्व दिशा में करें। पति-पत्नी संयुक्त रूप से तुलसी पूजा करें। नींद से पहले गहरी सांस लें। इनसे कोर्टिसोल हार्मोन संतुलित होगा।

दीर्घकालिक लाभ और सावधानियां

वास्तु सुधार से 21 दिनों में बदलाव दिखेगा। पारिवारिक सुख बढ़ेगा, व्यापार में स्थिरता आएगी।

सावधानी: प्लास्टिक सामान कम करें, लकड़ी का उपयोग बढ़ाएं। अगर घर किराए का हो, तो पिरामिड यंत्र हर कमरे में लगाएं और अगर संभव हो, तो किसी विशेषज्ञ से व्यक्तिगत वास्तु पत्रिका बनवाएं। इन उपायों से न केवल तनाव दूर होगा, बल्कि वैवाहिक जीवन आनंदमय बनेगा। वास्तु शास्त्र प्रकृति के साथ सामंजस्य सिखाता है।

पति-पत्नी पर विशेष प्रभाव

विवाहित जोड़ों में ये दोष पत्नी को अधिक प्रभावित करते हैं, क्योंकि वह घर का मुख्य संचालन करती हैं। उत्तर दिशा में किचन या बाथरूम होने से पति में चिड़चिड़ापन आता है, जो व्यापार या नौकरी में भी असर डालता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, चंद्रमा की कमजोरी से भावनाओं का नियंत्रण नहीं रहता, जिससे छोटी बातों पर कलह होता है। वर्तमान ग्रह गोचर में शनि का प्रभाव भी इन दोषों को बढ़ा रहा है, इसलिए तत्काल सुधार जरूरी है। मानसिक तनाव से नींद की कमी होती है, जो एंग्जायटी को दोगुना कर देती है। अगर बेडरूम दक्षिण-पूर्व में हो, तो आग तत्व असंतुलित होकर गुस्सा बढ़ाता है। ऐसे में पार्टनर एक-दूसरे को समझ नहीं पाते।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	80,238.85	24,865.70
गिरावट	1,048.34	312.95
प्रतिशत में	1.29	1.24

सोना 173,000 प्रति 10 ग्राम
चांदी 300,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, मंगलवार, 3 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कॉफी डे एंटरप्राइजेज पर 38 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली : बाजार नियामक सेबी ने वित्तीय लेखाजोखा (अकाउंटिंग) और प्रकटीकरण नियमों का उल्लंघन करने के लिए कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड और उसके अधिकारियों पर कुल 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के अनुसार, कंपनी ने अपने तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम तैयार करने में निर्धारित भारतीय लेखा मानकों का पालन नहीं किया। इसके अलावा, कंपनी कानून 2013 के तहत तय मानकों से विचलन के कारणों का खुलासा न करने को भी गंभीरता से लिया गया है। नियामक ने पाया कि कंपनी ने पारदर्शी वित्तीय विवरण पेश करने की अनिवार्य शर्तों की अनदेखी की।

बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने जोर : वित्त मंत्री

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को 'एशियन अवसंरचना निवेश बैंक' (AIIB) की नवनियुक्त अध्यक्ष जोउ जियायी से मुलाकात की। इस दौरान भारत और AIIB के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने विशेष रूप से कम आय वाले सदस्य देशों में नवाचार आधारित वित्तीय साधनों के माध्यम से निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। गौरतलब है कि AIIB में 8.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत, चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक भविष्य में भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण के नए रास्ते खोलने में सहायक होगी।

सुनील मित्तल ने बताई उत्तराधिकार योजना

नई दिल्ली : भारती एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने समूह के लिए अपनी उत्तराधिकार योजना साझा की है। इसके तहत भारती एयरटेल की प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में उनके परिवार की अगली पीढ़ी की हिस्सेदारी बढ़ेगी। निवेशकों के साथ बैठक में मित्तल ने स्पष्ट किया कि उनके बच्चे श्राविन, कविन और ईशा वर्तमान में एयरटेल से बाहर स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी अपनी चुनौतियों और विफलताओं से सीखकर अनुभव प्राप्त कर रही है, ताकि भविष्य में वे शेयरधारक स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस योजना का उद्देश्य पेशेवर प्रबंधन और पारिवारिक स्वामित्व के बीच संतुलन बनाना है।

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज की दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार

ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब ब्याज दर को इस स्तर पर रखा गया है। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। आप अपने पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं।

ईपीएफओ ने 2024 में ब्याज दर को बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत का ब्याज देने की सिफारिश की है। ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सीबीटी की सिफारिश पर वित्त मंत्रालय मंजूरी देगा। सरकार द्वारा ब्याज दर आधिकारिक रूप से अधिसूचित करने के बाद ईपीएफओ अंशधारकों के खातों में ब्याज जमा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, ईपीएफओ ने मजबूत वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। इससे ब्याज खाते पर दबाव डाले बिना स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित किया जा रहा है।

सीबीटी ने आयकर विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त उन ट्रस्ट के मामले में संबंधित अनुपालन मुद्दों को हल करने के लिए एकमुश्त माफी योजना को भी मंजूरी दी है, जो अभी तक कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के अंतर्गत नहीं आते हैं या जिन्हें छूट नहीं दी गई है। इसमें वित्त अधिनियम, 2026 के प्रावधानों को भी ध्यान में रखा गया है। प्रस्तावित योजना का उद्देश्य प्रतिष्ठानों और न्यासों को एक निर्धारित छह महीने की अवधि के भीतर अनुपालन के दायरे में लाना है। निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए, बोर्ड ने 1,000 रुपये या उससे कम की राशि वाले निष्क्रिय ईपीएफओ खातों में दावा निपटान की स्वतः शुरुआत के लिए एक पायलट परियोजना को मंजूरी दी। पायलट परियोजना की सफलता के आधार पर, इस सुविधा को बाद के चरणों में 1,000 रुपये से अधिक की राशि वाले खातों तक बढ़ाया जाएगा, जिससे ईपीएफओ में सदस्य-केंद्रित सुधारों को और मजबूती मिलेगी।

बोर्ड ने एक पारदर्शी और समयबद्ध ढांचे को संस्थागत रूप देने के लिए एक व्यापक मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को मंजूरी दी।

- ईपीएफओ ने निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए नई पहल को मंजूरी दी

- पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं

- 1,000 रुपये या उससे कम राशि वाले निष्क्रिय खातों में स्वत: दावा निपटान को पायलट प्रोजेक्ट शुरू

पैसे कैसे वापस मिलेंगे?

जिन लोगों के EPF खाते आधार से जुड़े हुए हैं और बैंक खाते भी लिंक हैं, उनके खाते में पैसे सीधे ट्रांसफर हो जाएंगे। कोई क्लेम फॉर्म भरने या कागजात जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर खाता धारक का निधन हो चुका है, तो रजिस्टर्ड नॉमिनी या कानूनी वारिस को रकम मिलेगी।

क्या होते हैं निष्क्रिय खाते

ईपीएफ खाता तब निष्क्रिय माना जाता है जब उसमें 36 महीने से ज्यादा समय तक न तो कर्मचारी की तरफ से और न ही कंपनी की तरफ से कोई योगदान आता है। ज्यादातर ऐसे खाते नौकरी बदलने वाले लोगों, रिटायर हो चुके लोगों या जिन्होंने पुराने खाते भूल गए हैं, उनमें होते हैं। कुल मिलाकर देश में 31.86 लाख निष्क्रिय ईपीएफ खाते हैं, जिनमें कुल 10,903 करोड़ रुपये जमा हैं। अभी यह अभियान छोटी रकम वाले खातों से शुरू किया जा रहा है।

सीधे आपके बैंक अकाउंट में आएगा निष्क्रिय पीएफ खातों का पैसा

नई दिल्ली। देश में सात लाख से ज्यादा ऐसे खाते हैं जहां हर खाते में 1,000 रुपये या उससे कम रकम बची हुई है। इन सबमें कुल 30.52 करोड़ रुपये पड़े हैं, जिन्हें अब सदस्यों या उनके वारिसों को लौटाया जाएगा।

कच्चा तेल 9% महंगा, पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने के आसार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 9 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है। इसके बावजूद, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में निकट भविष्य में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है।

ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब : सैन्य संकट गहराने के बाद वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। वहीं, अमेरिकी कच्चा तेल (WTI) 8.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.79 डॉलर पर आ गया है, जो शुक्रवार को करीब 67 डॉलर प्रति बैरल था।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 88 प्रतिशत आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में वृद्धि से आयात बिल और महंगाई का दबाव बढ़ना तय है।

क्यों नहीं बढ़ेंगे दाम?

सूत्रों के अनुसार, सरकारी तेल कंपनियां–IOC, BPCL और HPCL–एक सुविचारित नीति के तहत काम कर रही हैं। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम होती हैं, तो ये कंपनियां अपना मार्जिन (मुनाफा) बढ़ा लेती हैं, और जब कीमतें बढ़ती हैं, तो उस मुनाफे का उपयोग उपभोक्ताओं को राहत देने और कीमतों को स्थिर रखने में किया जाता है।

स्थिरता : देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अप्रैल 2022 से मोटे तौर पर स्थिर बनी हुई हैं।

रणनीति : सरकार की मंशा फिलहाल वैश्विक अस्थिरता का बोझ आम आदमी पर न डालने की है, भले ही तेल कंपनियों को अल्पकालिक घाटा उठाना पड़े।

फरवरी में रिकॉर्ड 4.25 लाख यात्री वाहन बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में घरेलू यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री फरवरी में एक साल पहले के मुकाबले 11.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4,25,000 वाहन हो गई। एसयूवी यानी स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स की मांग और पिछले साल सितंबर में जीएसटी दरों में बदलाव से वाहनों की बिक्री में तेजी आयी है।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड ने लगभग 1,61,000 वाहनों के साथ गाड़ियों की थोक बिक्री में सालाना आधार पर मामूली वृद्धि दर्ज की, क्योंकि उसने ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को नियंत्रित रखने के लिए मॉडलों के उत्पादन को संतुलित किया। मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्याधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने एक वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि

कंपनी ने मासिक आधार पर अपने उत्पादन मिश्रण को समायोजित किया। दिसंबर में ऑल्टो जैसे मिनी मॉडल, जनवरी में वैगन आर जैसी कॉम्पैक्ट कारों और फरवरी में यूटिलिटी वाहनों के उत्पादन में बदलाव किया, ताकि बैकलॉग बढ़े बिना मांग को पूरा किया जा सके। परिणामस्वरूप, फरवरी के अंत में औसत प्रतीक्षा अवधि लगभग 12 दिन रह गई।

हालांकि रिटेल बिक्री मजबूत बनी रही। मारुति सुजूकी की रिटेल बिक्री सालाना आधार पर करीब 12 फीसदी बढ़कर 1,51,000 वाहन हो गई।

टीसीएस- विप्रो ने टालीं यात्राएं, नैसकॉम की 'वर्क फ्रॉम होम' की सलाह

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संघर्ष और हवाई क्षेत्र बंद होने के बीच भारतीय आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टीसीएस और विप्रो ने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनजर खाड़ी देशों की सभी यात्राएं स्थगित कर दी हैं। कंपनियों ने प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद सहयोगियों के लिए सख्त सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। आईटी उद्योग के संगठन नैसकॉम ने भी सदस्य कंपनियों से आग्रह किया है कि वे युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए 'घर से काम' की व्यवस्था लागू करें। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि उसके कर्मचारियों को घर के अंदर रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। यह कदम क्षेत्र में बढ़ती अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में आ रहे व्यवधानों को देखते हुए उठाया गया है।

ईरान-इजरायल तनाव से बाजार धड़ाम सेंसेक्स 1048 अंक तक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनैतिक संकट और ईरान-इजरायल के बीच शुरू हुए सीधे सैन्य टकराव ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में कोहराम मचा दिया। सप्ताह के पहले ही दिन निवेशकों में भारी घबराहट देखी गई, जिससे बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,048.34 अंक (1.29%) की भारी गिरावट के साथ 80,238.85 के स्तर पर बंद हुआ। यह 2 सितंबर 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

खुलते ही स्वाहा हुए अरबों रुपये : बाजार की शुरुआत बेहद डरावनी रही। सुबह सेंसेक्स 2,743 अंकों की विशाल गिरावट के साथ 78,543 अंक पर खुला था, जिससे एक ही झटके में निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 312.95 अंक (1.24%) फिसलकर 24,865.70 अंक पर आ गया।

कंपनियों को अब महंगाई और निर्यात का डर

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) में गहराते सैन्य संकट ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार में हलचल पैदा कर दी। दिग्गज कंपनियों ने लागत बढ़ने और निर्यात प्रभावित होने की आशंका जताई है। बिस्कुट कंपनी पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने चेतावनी दी कि कच्चा तेल महंगा होने से पैकेजिंग और माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी। इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ सकता है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा कि वह निर्यात पर पड़ने वाले असर की बारीकी से निगरानी कर रही है।

गिरावट के प्रमुख कारण:

युद्ध का संकट : 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका–इजरायल के हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश (जैसे सोना) की ओर भागने पर मजबूर कर दिया। बाजार में अस्थिरता मापने वाला सूचकांक 'इंडिया वीआईएक्स' 25 के पार पहुंच गया, जो बाजार में छाई गहरी अनिश्चितता को दर्शाता है। चौतरफा बिकवाली : मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में 1.5% से 1.75% तक की गिरावट रही।

किन पर पड़ी सबसे ज्यादा मार?

सबसे ज्यादा नुकसान एविएशन और ऑटो सेक्टर को हुआ। तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका में इंडिगो का शेयर 6.25% टूट गया। इसके अलावा एलएंडटी, अडाणी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रुपये में भी रिकॉर्ड गिरावट

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव में भारतीय रुपया भी डॉलर के मुकाबले 91.52 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

भारत-कनाडा में 50 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने सोमवार को अपने आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय जोड़ते हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के लिए आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की गरिमामयी उपस्थिति में इसके संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस महत्वपूर्ण दस्तावेज पर मुहर लगाई। दोनों देशों ने इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया है।

भारत-कनाडा सीईओ मंच को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडाई निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने का खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा

- पीएम मोदी ने निवेशकों को दिया 'ग्रोथ स्टोरी' का न्योता

कि सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने और कारोबार सुगमता ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है। मोदी ने बताया कि सरकार ने बजट 2026-27 में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 130 अरब डॉलर का रिकॉर्ड आवंटन किया है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश का एक स्वर्णिम अवसर है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि दोनों देश वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी स्तर तक पहुंचाने पर सहमत हुए हैं। वर्तमान में (जनवरी-अक्टूबर 2025 के दौरान) यह व्यापार लगभग 8 अरब डॉलर रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि वैश्विक आर्थिक दबावों के इस दौर में भारत और कनाडा की 'पूंजी और क्षमता' मिलकर एक ठोस वैश्विक आर्थिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं।

भारत और कनाडा के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू

नई दिल्ली : भारत और कनाडा ने व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देने के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) पर आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी है। सोमवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मौजूदगी में इस संबंध में दस्तावेज (TOR) साझा किए गए। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस समझौते की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों देश इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए सहमत हुए हैं, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है।

क्या होगा लाभ

निर्यात में वृद्धि : भारतीय कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा उत्पाद और कृषि उत्पादों को कनाडा के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिल सकती है, जिससे निर्यात बढ़ेगा। आईटी और सेवा क्षेत्र : भारत के आईटी पेशेवरों और इंजीनियरों के लिए कनाडा में काम करना और वहां सेवाएं देना आसान होगा। वीजा नियमों में ढील और 'मूवमेंट ऑफ नेचुरल पर्सन्स' (Mode 4) पर समझौते से आईटी सेक्टर को सीधा लाभ होगा।

आर्थिक वृद्धि को सशक्त बनाने पर मोदी आज करेंगे चर्चा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह 11:15 बजे बजट 2026-27 पर आयोजित दूसरे वेबिनार को संबोधित करेंगे। इस वेबिनार का मुख्य विषय "आर्थिक वृद्धि को निरंतर संभालना और सशक्त करना" रखा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में चार विशेष सत्र होंगे, जो विनिर्माण, एमएसएमई के लिए कर्ज और बाजार सुविधा, शहरी आर्थिक नियोजन और बुनियादी ढांचा व लॉजिस्टिक्स के विकास पर केंद्रित होंगे। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य बजट प्राथमिकताओं के प्रभावी कार्यान्वयन में उद्योगों और संबंधित पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करना और औद्योगिक उत्पादन के विस्तार के लिए आवश्यक सुधारों पर सुझाव लेना है।

ग्रीन स्टील के उपयोग से 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में हो सकती है भारी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में 'ग्रीन स्टील' एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री और 'क्लाइमेट कैटालिस्ट' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यदि सरकारी परियोजनाओं में 26% ग्रीन स्टील का उपयोग अनिवार्य कर दिया जाए, तो साल 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 20.9 मिलियन टन की कमी लाई जा सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 37% कर दिया जाए, तो 29.7 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन को रोका जा सकता है। यह उपलब्धि हर साल सड़कों से लगभग 90 लाख कारों को हटाने के बराबर होगी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के कार्यकारी निदेशक के. एस. वेंकटगिरी का मानना है कि 'ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट' यानी सरकारी खरीद, भारतीय इस्पात क्षेत्र को कम कार्बन उत्सर्जन वाले भविष्य की ओर ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम है।

रिपोर्ट की खास बातें

रिपोर्ट के अनुसार यदि इस्पात मंत्रालय 2028 तक 26% ग्रीन स्टील की खरीद अनिवार्य करता है, तो देश की 93% स्टील कंपनियां इसके उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0), मेट्रो और रेल परियोजनाओं में ग्रीन स्टील के उपयोगसे कुल लागत में मात्र 0.2% से 1.2% तक की मामूली वृद्धि होगी। वर्तमान में देश में सार्वजनिक खरीद के तहत सालाना लगभग 3.16 करोड़ टन स्टील की खपत होती है, जिस पर 45-50 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं।

क्या है ग्रीन स्टील

ग्रीन स्टील का आशय जीवाश्म ईंधन के उपयोग के बिना इस्पात के निर्माण से है। इसका उत्पादन कोयला संचालित संयंत्रों के पारंपरिक कार्बन–गहन विनिर्माण मार्ग के बजाय हाइड्रोजन, कोयला गैसीकरण या बिजली जैसे कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके किया जाता है। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होता है और लागत में भी कमी आती है। साथ ही इस्पात की क्वालिटी बेहतर होती है। इसके अलावा कम–कार्बन हाइड्रोजन (नीली हाइड्रोजन और ग्रीन हाइड्रोजन) इस्पात उद्योग के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

पश्चिम एशिया संकट: हवाई यात्रा पर ब्रेक, 25 प्रतिशत तक बुकिंग रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष का सीधा असर अब हवाई यात्राओं पर दिखने लगा है।

'इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स' ने सोमवार को बताया कि क्षेत्र में जारी भू-राजनीतिक तनाव और हवाई क्षेत्र की अनिश्चितता के कारण पश्चिम एशिया से जुड़े मार्गों पर यात्रा बुकिंग में 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट और रद्दीकरण देखा जा रहा है।

- भू-राजनीतिक तनाव व हवाई क्षेत्र की 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट देखी जा रही है

यात्रियों में डर और असमंजस IATO के अध्यक्ष रवि गोसाईं के अनुसार, खाड़ी देशों के पारगमन केंद्रों और उसके आसपास के हवाई गलियारों में व्यवधान के कारण यात्री अपनी यात्रा स्थगित या संशोधित कर रहे हैं। यात्रियों की इस सतर्कता के पीछे हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानों का मार्ग बदला जा रहा है, जिससे यात्रा की अवधि बढ़ गई है। इसके अलावा मार्ग परिवर्तन और बीमा शर्तों में बदलाव से हवाई टिकटों की कीमतों पर असर पड़ने की संभावना है।

विभिन्न देशों द्वारा जारी की जा रही 'ट्रैवल एडवाइजरी' के कारण लोग जोखिम लेने से बच रहे हैं।

विस्तार

ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है

पश्चिम एशिया तनाव से भारत, अन्य एशियाई देशों के लिए जोखिम बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष तेज होने से भारत और एशिया के अन्य वस्तु आयातक देशों के लिए जोखिम बढ़ गया है।

ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। मूडीज एनालिटिक्स ने सोमवार को यह आशंका जताई। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल की साझा सैन्य कार्रवाई और उसके बाद ईरान के जवाब हमलों से कच्चे तेल एवं गैस की आपूर्ति के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरुमध्य प्रभावी रूप से बंद हो गया है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले कच्चे तेल निर्यात का लगभग एक-तिहाई और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की करीब 20 प्रतिशत खेप गुजरती है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत अपनी जरूरत का लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आयात करता है। मूडीज ने मौजूदा हालात पर अपनी रिपोर्ट में कहा, "होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से लाल सागर और व्यापक पश्चिम एशिया में और बाधाओं का जोखिम

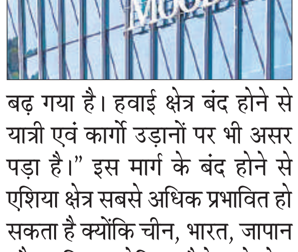

बढ़ गया है। हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्री एवं कार्गो उड़ानों पर भी असर पड़ा है।" इस मार्ग के बंद होने से एशिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हो सकता है क्योंकि चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े देश इस क्षेत्र से तेल-गैस की बड़े पैमाने पर खरीद करते हैं। सोमवार सुबह एशियाई कारोबार में ब्रेंट कच्चा तेल करीब 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो शुक्रवार के बंद भाव करीब 72 डॉलर से बहुत अधिक है।

शेयर बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट देखी गई। मूडीज ने आगाह किया कि ऊंची जिंस कीमतें उपभोक्ता एवं उत्पादक मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती हैं, जिससे केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में कटौती रोकनी पड़ सकती है या दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। ऐसा होने पर आयात बिल बढ़ेगा, व्यापार घाटा बढ़ेगा और मुद्रा पर भी दबाव पड़ सकता है। एजेंसी ने कहा कि यह संघर्ष भारत के लिए स्थिति को और जटिल बना देता है। वह पश्चिम एशिया से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता है और उसने अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते के तहत रूस से तेल खरीद धीरे-धीरे कम करने पर भी सहमति जताई है।

रिपोर्ट कहती है कि खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात या समुद्री यातायात में लंबी बाधा उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कर्ज संबंधी चिंताओं को फिर जगा सकती है। एजेंसी ने कहा कि वह पश्चिम एशिया के हालात पर नजर रखे हुए है और अगले सप्ताह अपने आधारभूत पूर्वानुमान में इसके प्रभाव का आकलन जारी करेगी।

आज लगेगा पूर्ण चंद्रग्रहण, अबकी चंद्रमा भी खेलेगा लाल रंग से होली

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : मंगलवार को पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। इस ब्लडमून के दौरान चंद्रमा लाल रंग से होली खेलेगा। इस घटना का दीदार आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल, मनोरा पीक से कराने जा रहा है। आप एरीज के यूट्यूब चैनल पर शाम 5:30 बजे से इसे लाइव देख सकते हैं।

एरीज के खगोल वैज्ञानिक एवं साइंस सेंटर प्रभारी डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, आम जनता के लिए प्रत्यक्ष रूप से ग्रहण देखने की व्यवस्था शाम 6 बजे से की गई है। ग्रहण को नग्न आंखों से या दूरबीन से देखना सुरक्षित होता है। ऐसी दुर्लभ मनमोहक खगोलीय घटनाएं हमारी जिज्ञासा के लिए शानदार अवसर हैं। डॉ. यादव ने बताया कि पूर्ण चंद्र ग्रहण के समय सूर्य का कुछ प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से होते हुए चंद्रमा पर पड़ता है। हमारा वायुमंडल सूर्यप्रकाश के रंगों में से बैंगनी और नीले रंगों को ज्यादा बिखेरता है और लाल और नारंगी रंगों को कम बिखेरता है अतः सूर्यप्रकाश का लाल रंग लगभग सीधे चंद्रमा पर पड़ता है, जिससे चंद्रमा गहरे लाल रंग का प्रतीत होता है। इस चंद्र ग्रहण में भी ऐसा रंग नजर आएगा, लेकिन भारत के अधिकांश हिस्सों से ये लाल नहीं दिखेगा क्योंकि यहां अधिकांश हिस्सों में आंशिक चंद्रग्रहण नजर आएगा। चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे शुरू होगा और सायं 6:47 बजे समाप्त हो जाएगा। नैनीताल में सायं 6:15 बजे चंद्रोदय के बाद आंशिक चंद्र ग्रहण नजर आएगा।

ब्लडमून का संयोग

डॉ. यादव के अनुसार, यह संयोग ही है कि, इस होली के अवसर पर पूर्ण चंद्रग्रहण होने जा रहा है। यह ब्लडमून वाला पूर्ण चंद्रग्रहण है। पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल रंग में रंग जाता है जिस कारण इसे ब्लडमून कहा जाता है।

अर्थव्यवस्था पर होगी तगड़ी चोट

होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) दुनिया की वह धमनी है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था का रक्त यानी कच्चा तेल बहता है। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह संकरा समुद्री मार्ग केवल 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन इसका रणनीतिक महत्व अकल्पनीय है। दुनिया का लगभग 20% से 25% तेल और एक-तिहाई तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इसी मार्ग से होकर गुजरती है। यदि ईरान इस मार्ग को बंद करता है, तो यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि एक वैश्विक आर्थिक आपातकाल होगा। इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का 85% आयात करता है, यह स्थिति किसी बड़े झटके से कम नहीं होगी। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि महंगाई के रूप में एक बहुआयामी चुनौती पेश करेगा।

होर्मुज स्ट्रेट पर रोक

भारत के लिए दोहरी मार

- **तेल की कीमतों में आग :** भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर को पार कर सकती हैं। परिवहन लागत बढ़ने से सब्जियों, अनाज और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ जाएंगे।
- **शेयर बाजार में गिरावट :** अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं, जिससे शेयर बाजार में गिरावट आ सकती है।
- **रुपये की कमजोरी :** तेल खरीदने के लिए अधिक डॉलर खर्च करने होंगे, जिससे डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर जा सकता है।
- **व्यापार घाटा :** आयात बिल बढ़ने से भारत का चालू खाता घाटा बढ़ जाएगा।

कौन से देश होंगे प्रभावित

- **इनसे टूटेगा संपर्क :** इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और कतर जैसे प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना।
- **एशियाई दिग्गज :** चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस मार्ग पर सबसे अधिक निर्भर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई देशों का अधिकांश कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।
- **यूरोपीय बाजार :** पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ऊर्जा संकट झेल रहा यूरोप, मध्य पूर्व से आने वाली एलएनजी के लिए इस मार्ग पर निर्भर है।
- **वैश्विक तेल कीमतें :** विशेषज्ञों का मानना है कि मार्ग बंद होने पर कच्चे तेल की कीमतें 150 से 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।
- **भारत के लिए झटका :** भारत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।

भारत कैसे निपट सकता है

- **रणनीतिक तेल भंडार :** भारत ने विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में भूमिगत तेल भंडार बनाए हैं। आपात स्थिति में भारत इनका उपयोग कर सकता है। के माध्यम से भारत अपनी आपूर्ति को कुछ हफ्तों तक सुरक्षित रख सकता है।
- **आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण :** भारत रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल आयात बढ़ाकर मध्य पूर्व पर निर्भरता कम कर सकता है।
- **वैकल्पिक मार्ग और कूटनीति :** भारत ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों का उपयोग कर अपने जहाजों के लिए सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने की कोशिश कर सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

हिज़बुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर रोक

बेरुत। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हिजबुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच संगठन से अपने हथियार सौंपने का आग्रह किया है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इजरायल और हिजबुल्ला के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में हिजबुल्ला ने उत्तरी इजरायल के हाइफा में एक सैन्य ठिकाने पर रॉकेट और ड्रोन दागा था। इसके बाद इजरायली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमले किये थे। ईरान समर्थित संगठन ने कहा कि यह हमला ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के प्रतिशोध में किया गया था ।

मचाडो ने वेनेजुएला लौटने का दिया संकेत

काराकस। वेनेजुएला की विपक्ष की नेता एवं 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मारिया कोरिना मचाडो ने रविवार को कहा कि वह आने वाले हफ्तों में वेनेजुएला लौटेंगी और देश में चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, मचाडो ने वापसी की कोई तारीख नहीं बताई, लेकिन कहा कि उनका एक लक्ष्य आगामी चुनावों में "बड़ी जीत" के लिए तैयारी करना है। सोशल मीडिया पर साझा एक संदेश में नोबेल पुरस्कार विजेता ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे प्राइमरी चुनाव में दिखाई गई वेनेजुएला वासियों की एकता को और मजबूत करें।

म्यांमार में 10 हजार कैदियों को दी माफी

बैंकॉक। म्यांमार के सैन्य शासन प्रमुख ने 10,000 से अधिक कैदियों को माफी दी है और अन्य की सजा में कटौती की है। हालांकि, 2021 के सैन्य तख्तापलट में सत्ता से बेदखल की गईं पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई का कोई संकेत नहीं है। सू की को तब से लगभग पूरी तरह बाहरी संपर्क से दूर रखा गया है। यह माफी संसद के पांच साल से अधिक समय बाद होने जा रहे पहले सत्र से करीब दो सप्ताह पहले दी गई है। हालिया चुनाव के बाद यह सत्र आहूत किया गया।

यूरोप में गैस भंडारण स्तर 30 फीसद से नीचे

मास्को। यूरोप की भूमिगत भंडारण सुविधाओं में प्राकृतिक गैस का भंडार 28 फरवरी को 30 प्रतिशत से नीचे पहुंच गया, जो पर्यवेक्षण शुरू होने के बाद से फरवरी के अंत में दर्ज किये गये सबसे निचले स्तरों में से एक है। गैस अवसंरचना यूरोप के आंकड़ों के अनुसार, 28 फरवरी के गैस दिवस के दौरान यूरोपीय भंडारण सुविधाएं 29.98 प्रतिशत तक ही भरी हुई थीं।

दूसरे देशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए कदम उठाएं संबंधित विभाग

सीसीएस ने की पश्चिम एशिया के हालात की समीक्षा, भारतीयों की सुरक्षा पर जताई चिंता

- पश्चिम एशिया विवाद का संवाद और कूटनीति से हल पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति की समीक्षा की और क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश भी दिया है कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार रात हुई बैठक में सीसीएस ने संघर्ष की स्थिति को शीघ्र समाप्त करने और संवाद एवं कूटनीति के जरिए मामले का हल निकालने के महत्व पर भी जोर दिया। सीसीएस देश के सुरक्षा संबंधी और रणनीतिक मामलों पर निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीसीएस ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न हो रही स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की और उसे ईरान में हुए हवाई हमलों और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों सहित बढ़ते तनाव के बारे में जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उसने क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सीसीएस ने पश्चिम एशिया से होकर गुजरने वाले भारतीय यात्रियों और निर्धारित परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों की कठिनाइयों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों की भी समीक्षा की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक और व्यवहार्य कदम उठाने का निर्देश दिया।

अपने नागरिकों के संपर्क में हैं भारतीय दूतावास

ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक रहते, पढ़ते और काम करते हैं, जबकि इज़राइल में 40,000 से अधिक भारतीय नागरिक रहते हैं। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 90 लाख है। वर्तमान में पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र लगभग बंद है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण उड़ान सेवाएं बाधित होने से सैकड़ों भारतीय दुबई, दोहा और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, जिनमें से कई लोग सहायता के लिए सोशल मीडिया पर भारत सरकार से अपील कर रहे हैं। भारत ने अतीत में संघर्षों के बीच पश्चिम एशिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से हजारों भारतीयों को सफलतापूर्वक निकाला है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूरे क्षेत्र में भारतीय दूतावास अपने नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में है।

बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से प्रधानमंत्री मोदी ने की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बहरीन के शाह हम्माद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान दोनों देशों पर हुए हमलों की निंदा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों पर हुए हालिया हमले उनकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के कुशलक्षेम के बारे में भी उनसे बात की। दोनों नेताओं के साथ फोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने एक्स पर कहा कि सऊदी अरब के युवराज और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ पश्चिम एशिया के बदलते घटनाक्रम पर चर्चा की। भारत सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करता है, जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शाह बोले, बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे

मथुरापुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा के रुख का उल्लेख करते हुए कहा कि हालांकि अभी मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ पार्टी के सत्ता में आने के बाद उन्हें राज्य से बाहर निकाल दिया जाएगा। शनिवार को संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद राज्य में अपने पहले दौरे पर उन्होंने दक्षिण 24 परगना जिले में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' को संबोधित किया। शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बना दिया था और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा अवैध अप्रवासन को अनुमति देने के कारण सीमावर्ती राज्य की सुरक्षा खतरे में है। उन्होंने कहा, बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है। टीएमसी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती, क्योंकि वे घुसपैठ की अनुमति देते हैं। केवल भाजपा ही बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्य को सुरक्षा प्रदान कर सकती है। उनकी ये टिप्पणी शनिवार को प्रकाशित विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद की मतदाता सूचियों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें नवंबर में शुरू हुई इस प्रक्रिया के बाद से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं।

सीमा पर बाड़ लगाने को जमीन देगी बंगाल सरकार

कोलकाता, एजेंसी

- बाड़ लगाने के साथ सीमा पर चौकियां बनाएगा बीएसएफ

पश्चिम बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने और चौकियां बनाने के लिए केंद्र को लगभग 105 एकड़ जमीन हस्तांतरित करने को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि लगभग 17 किलोमीटर की बाड़ लगाने और सीमा चौकियां) स्थापित करने के लिए यह जमीन सीमा सुरक्षा बल को हस्तांतरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए गठित मंत्रिस्तरीय समूह ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय नबान्न में बैठक की और सैद्धांतिक रूप से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि, अंतिम मंजूरी राज्य मंत्रिमंडल द्वारा दी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीमा पर बाड़ लगाने और सीमा चौकियां बनाने के लिए बीएसएफ को जमीन सौंपने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार सीमा के 17 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बाड़ लगाने की योजना बना रही है और इसके लिए उसने राज्य सरकार से जमीन मांगी है। बीएसएफ को भी इस क्षेत्र में नौ सीमा चौकियों के निर्माण के लिए जमीन की जरूरत है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इससे पहले केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए एक विशेष मंत्रिस्तरीय समूह को नियुक्त किया था। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को मंत्रियों, चंद्रिमा भट्टाचार्य, फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास ने इन बातों पर विचार-विमर्श किया।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद भू अधिग्रहण

यदि मुख्यमंत्री कार्यालय प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है, तो इसे राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलने पर, जिला प्रशासन आवश्यक भूखंडों के अधिग्रहण के लिए भूस्वामियों से बातचीत शुरू करेगा। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा मंत्रिस्तरीय समूह द्वारा सीमा से सटे नौ स्थानों पर स्थित लगभग 20-25 एकड़ सरकारी जमीन को बीएसएफ को हस्तांतरित करने की सिफारिश करने की संभावना है।

नेपाल में नई सरकार को 1.9 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

नई दिल्ली, एजेंसी

- पड़ोसी देश में प्रतिनिधि सभा के लिए 5 मार्च को होंगे आम चुनाव

नेपाल में नई सरकार चुनने के लिए 5 मार्च को मतदान होगा जिसमें लगभग 1.9 करोड़ लोग हिस्सा लेंगे। सितंबर 2025 में युवाओं के नेतृत्व में हुए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के जरिये सरकार गिराये जाने के बाद देश में प्रतिनिधि सभा के लिए यह पहला आम चुनाव हो रहा है। छात्र विद्रोह के बाद से इस गणतंत्र का नियंत्रण पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के हाथ में है।

वर्ष 1959 में हुए पहले चुनाव के बाद से यह नेपाल का 9वां संसदीय चुनाव होगा। यहां मिश्रित चुनावी प्रणाली लागू है। जिसे इसके 2015 के संविधान में पेश किया गया था। इस चुनाव में कई दिग्गज राजनेता मैदान में हैं जिन पर नजर रखना मौजूं होगा। पारंपरिक दलों के नेताओं के अलावा काठमांडू के 35 वर्षीय पूर्व मेयर बालेन्द्र शाह उनमें से एक हैं। 'बालेन' के नाम से मशहूर इस पूर्व रैपर का मुकाबला पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से है। ओली ने पिछले सितंबर में हिमालयी गणतंत्र में लंबे समय से व्याप्त भ्रष्टाचार और सामाजिक असमानता के खिलाफ बढ़ते जन आक्रोश के बीच इस्तीफा दे दिया था। अधिकतर राजनीतिक दलों ने अपने घोषणापत्रों में बेहतर शासन, भ्रष्टाचार से निपटने और बेरोजगारी कम करने जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया है।

तालिबानी लड़ाकों ने अफगान सीमा के पार कई हमले किए

हेरात। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत के आसमान में रविवार रात को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को उड़ते देखे जाने की रिपोर्ट हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये लड़ाकू विमान तालिबान के ठिकानों की निगरानी कर रहे थे। अफगान इंटरनेशनल में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार तालिबान के एक अधिकारी ने पत्रिका को बताया कि हेरात प्रांत के बरमल जिले में अंगूर अड्डा सीमा चौकी पर पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले की जानकारी दी है। तालिबान सरकार के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रमुख अहमदुल्ला मुत्ताकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें तालिबान लड़ाके पाकिस्तानी चौकियों पर हमले करते दिख रहे हैं।

नागपुर फैक्ट्री धमाका : 21 निदेशकों पर मामला दर्ज

नागपुर, एजेंसी

- मामले में प्रथम दृष्टया कंपनी की लापरवाही आई सामने

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को कहा कि नागपुर स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में हुए विस्फोट के मामले में प्रथम दृष्टया कंपनी की लापरवाही सामने आई है और विस्फोटक सामग्री निर्माता ने सुरक्षा उपायों का समुचित पालन नहीं किया। बावनकुले ने यहां कहा कि कंपनी के 21 निदेशकों और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विस्फोटक बनाने वाली कंपनी के नौ निदेशकों को गिरफ्तार भी किया गया है। रविवार को जिले की कटोल तहसील के राउलगांव में खनन और औद्योगिक विस्फोटक बनाने वाली कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के कारखाने में हुए विस्फोट में 19 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। जिला प्रभारी मंत्री ने बताया कि घायलों में से 13 की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि कंपनी मृतकों के परिजनों को 75-75 लाख रुपये और घायलों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देगी। मंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और राज्य सरकार पांच-पांच लाख रुपये देगी। पीड़ित परिवारों को कुल 82-82 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए एक पुनर्वास पैकेज भी तैयार किया जाएगा।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष - आज नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। नई स्किल को सीखने का प्रयास करेंगे। प्रेम संबंधों का तनाव दूर होगा।

वृष - आज दिनचर्या अस्त-व्यस्त न रखें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। मन में किसी कारण दबाव रहेगा।

मिथुन - आज जॉब में स्थानांतरण हो सकता है। आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी। व्यवसाय में आय बढ़ सकती है।

कर्क - आज पुराने मित्रों से चर्चा होगी। आपको आत्मनिरीक्षण करने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य किसी कारणवश टल सकते हैं।

सिंह - आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। खर्च की तुलना में आपकी आय बढ़ेगी।

कन्या - आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग से बहस न करें। आपको अपने सम्मान की चिंता रहेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें।

तुला - आज साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। अपने काम पर फोकस करेंगे। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक - आज नए काम में मन लगेगा। वैवाहिक संबंधों में परस्पर सम्मान का भाव बढ़ेगा। व्यवसाय में सुगमता रहेगी।

धनु - आज शेयर मार्केट में निवेश लाभकारी होगा। अधिकारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। मन में अध्यात्मिक विचार जन्म लेंगे।

मकर - आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान न हों। अधिक गर्म व ठंडे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। अपच की समस्या हो सकती है।

कुंभ - आज आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। धन की कमी दूर होगी।

मीन - आज युवा करियर को लेकर निर्णय ले सकते हैं। सहकर्मियों के माध्यम से आपको धन-लाभ होगा। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

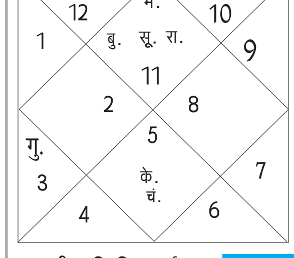

आज की ग्रह स्थिति : 3 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 17.07 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मघा 07.31 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

सुडोकू - 77 का हल

9	3	8	6	7	5	1	4	2
7	5	1	9	4	2	3	6	8
6	4	2	1	8	3	9	7	5
3	2	5	7	1	8	6	9	4
8	6	4	3	2	9	7	5	1
1	7	9	4	5	6	8	2	3
5	1	7	8	9	4	2	3	6
4	9	6	2	3	1	5	8	7
2	8	3	5	6	7	4	1	9

सुडोकू -78

		3		9		1		2
		5					7	
8				1		4		
6			4	2			5	
9		2				6		3
	4			5	6			
		1		3				9
	6					8		
2		4		6		5		

स्तन कैंसर

आईआईटी मद्रास और कारकिनोस हेल्थकेयर के संयुक्त शोध में मिली जानकारी

भारत में चार में से एक मरीज को विरासत में मिला जोखिम

चेन्नई, एजेंसी

- 497 रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का किया विश्लेषण

भारत में चार में से एक स्तन कैंसर मरीजों को इस बीमारी से संबंधित आनुवंशिक जोखिम विरासत में मिलता है। आईआईटी-मद्रास और कारकिनोस हेल्थकेयर की एक संयुक्त रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। यह भारत में हुए सबसे बड़े स्तन कैंसर जीनोमिक अध्ययनों में से एक है। चेन्नई का कुमार अस्पताल और चेन्नई स्तन केन्द्र भी इस अध्ययन में शामिल थे।

अध्ययन ने खुलासा किया है कि भारत के 25 प्रतिशत स्तन कैंसर मरीजों में कैंसर के जोखिम से जुड़ा वंशानुगत आनुवंशिक रूप मौजूद होता है। इनमें से कैंसर के ज्यादातर रूप (वेरिएंट) जाने-माने बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन से अलग होते हैं।

इस अध्ययन पत्र को आईआईटी-मद्रास के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के जॉन पीटर, जयलक्ष्मी जोथी, अवराजित चक्रवर्ती, एस महालिंगम, कार्किनोस हेल्थकेयर से बानी जॉली, राजदीप राहा, विनोद स्करिया, श्रीधर सिवासुब्बू, कुमारन हॉस्पिटल, चेन्नई के ऑन्कोलॉजी विभाग के स्वामीनाथन गणपति रमन और चेन्नई स्तन केन्द्र के सेल्वी राधाकृष्णन ने मिलकर लिखा है। अध्ययन के तहत 479 स्तन कैंसर रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का विश्लेषण किया गया, जिनके नमूने आईआईटी मद्रास स्थित नेशनल कैंसर टिश्यू बायोबैंक से प्राप्त किये गये थे। इसे देश में तैयार अब तक के सबसे व्यापक वंशानुगत स्तन कैंसर डाटासेट में से एक बताया गया है। यह अध्ययन भारत कैंसर जीनोम एटलस का हिस्सा बन गया है, जिसे भारत का पहला और सबसे बड़ा मुक्त-स्रोत कैंसर जीनोम डाटा संसाधन माना जा रहा है। अध्ययन दल ने 97 कैंसर संवेदनशीलता जीनों की जांच की, जिनमें बीआरसीए1, बीआरसीए2 और होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े 15 जीन शामिल थे। जीन परिवर्तनों का वर्गीकरण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत एसीएमजी/एएमपी दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया। शोध में पाया गया कि 24.6 प्रतिशत रोगियों में एक रोगकारी या संभावित रोगकारी जीन परिवर्तन मौजूद था। इनमें से केवल 8.35 प्रतिशत में बीआरसीए1 या बीआरसीए2 जीन परिवर्तन मिले, जबकि 11.9 प्रतिशत रोगियों में होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े अन्य जीनों में वंशानुगत परिवर्तन पाए गए।

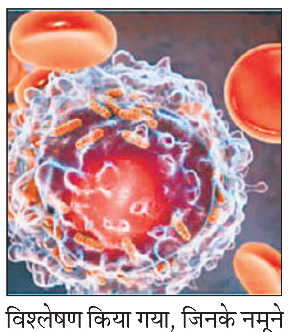

कई जीन दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि कई रोगकारी जीन परिवर्तन भारतीय या दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट हैं और वैश्विक डाटाबेस में या तो अनुपस्थित हैं या अत्यंत दुर्लभ हैं। अध्ययन में दवा संबंधी जीन संकेतकों का भी आकलन किया गया, जो कीमोथेरेपी की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही वैश्विक आबादी से तुलना के लिए जिनोमैड डाटाबेस का उपयोग किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि निष्कर्ष भारत और दक्षिण एशिया के लिए विशिष्ट जीन वेरिएंट डाटाबेस और व्याख्या ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

राष्ट्रपति लूला के खिलाफ ब्राजील में धरना-प्रदर्शन

रियो डी जिनेरियो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के हजारों समर्थकों ने रविवार को कई शहरों में प्रदर्शन किया, जिसका उद्देश्य आगामी राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी नेता की जीत के लिए माहौल तैयार करना है। राष्ट्रीय ध्वज के रंगों- पीले और हरे रंगों के कपड़े पहने प्रदर्शनकारी साओ पाउलो, रियो डी जिनेरियो और राजधानी ब्रासीलिया की सड़कों पर उतरे और मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के खिलाफ नारे लगाए। लूला को अक्टूबर में होने वाले चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। पूर्व राष्ट्रपति के बेटे फ्लावियो बोलसोनारो ने इंस्टाग्राम पर कहा, यह साल सभी ब्राजीलियाई नागरिकों के लिए निर्णायक होगा।

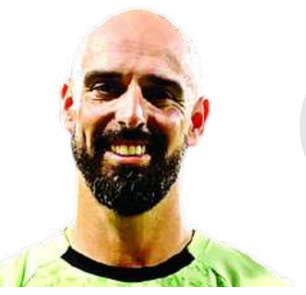

हम सेमीफाइनल का इंतजार कर रहे है। हम मैच के दौरान छोटे-छोटे पलों को भुनाने के बारे में बात करते है और हमें उम्मीद है कि हम कुछ दिनों के बाद खेले जाने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे।

-डेरिल मिचेल

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर, मंगलवार, 3 मार्च 2026

हाईलाइट

न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता : मिचेल

कोलकाता। आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने सोमवार को कहा कि न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता और टीम को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत में खेलने के हालिया अनुभव से फायदा होगा। न्यूजीलैंड बुधवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। मिचेल ने कहा कि ब्लैक कैप्स को मैदान के अंदर और बाहर किस तरह काम करना है, इसे लेकर पूरी स्पष्टता है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा हम टीम के तौर पर कैसे खेलना चाहते हैं, इसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं। हम चीजों को जितना है उससे बड़ा नहीं बनाते लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

घुड़सवार अनुष ने शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ बेल्जियम ड्रेसेज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उन्होंने आने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी क्वालीफिकेशन यात्रा शुरू की। अग्रवाला ने शनिवार को अपने आठ साल के घोड़े फ्लोरियाना के साथ ऑर्डर में 14वें नंबर से शुरुआत करते हुए 68.85 प्रतिशत के शानदार स्कोर से आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन दिया जिससे वह कुल मिलाकर चौथे नंबर पर रहे। वह रविवार को अपने 10 साल के घोड़े फ्लिन के साथ लौटे जिसमें उन्होंने पांचवें नंबर से शुरुआत की और इसमें और भी बेहतर प्रदर्शन देते हुए 70.3 प्रतिशत का व्यक्तिगत स्कोर हासिल किया। 70 प्रतिशत का स्कोर हासिल करना दबाव में निरंतरता और संयम दिखाता है।

250 जिलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं होंगी

नई दिल्ली। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने सोमवार को घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आठ और नौ मार्च को देश भर के 250 जिलों की दो लाख से अधिक लड़कियां 'अस्मिता' एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी। खडसे ने भारत की 2036 ओलंपिक की दावेदारी को मजबूत करने के लिए खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की वकालत की। यह खेल मंत्रालय की पहल का एक हिस्सा है जो अहमदाबाद में 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों और भारत के ओलंपिक मेजबान बनने की कोशिश को ध्यान में रखते हुए देश भर में महिला तकनीकी अधिकारियों का एक पूल बनाने की भी शुरुआत करेगा।

भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका ने इतिहास रचा

वालेंशिया। भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका मीर ने 'चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर अकादमी (सीओएफटीए) कार्टिंग सीरीज' के यूरोपीय चरण में पोडियम स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। ग्यारह साल की अतिका ओकेएनजे (जूनियर) वर्ग में तीसरे स्थान पर रही। वह इस रेस में पोडियम पर जगह बनाने वाली पहली भारतीय रेसर है। यह उनके अब तक के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। एफवन अकादमी के समर्थन पाने वाली पहली भारतीय अतिका ने ग्रिड में नौवें स्थान से शुरुआत करते हुए शुरुआती रेस में तीसरा और दूसरी रेस में दूसरा स्थान हासिल किया।

मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन

टी-20 विश्व कप : खराब फॉर्म के दौर में भी नहीं गिरने दिया अपना आत्मविश्वास

कोलकाता, एजेंसी

भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए ताकि खराब फॉर्म के दौर में भी उनका आत्मविश्वास न डगमगाए और आखिर में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के करो या मरो मैच में मैच विजेता पारी खेलकर लय हासिल कर ली। सैमसन ने रविवार को यहां खेले गए सुपर आठ के मैच में 50 गेंदों में 97 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सुपर आठ के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भारत की करारी हार के बाद इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को सलामी बल्लेबाजी के रूप में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। सैमसन ने रविवार को यहां भारत की पांच विकेट से जीत के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा मैंने अपने शॉट चयन पर लगातार काम किया। मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मैंने उसी तरह से खेलते हुए पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा, अपना फोन बंद कर दिया, सोशल मीडिया से दूर रहा और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जो बहुत खास था। सैमसन ने असल में अकेले दम पर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस बीच उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव (18) और तिलक वर्मा (27) का कुछ साथ मिला। उन्होंने कहा यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य था। हमारी बल्लेबाजी की मजबूती को देखते हुए मुझे लग रहा था कि ईडन गार्डन्स में ओस पड़ने पर 196 रन के लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो जाएगा, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से यह चुनौतीपूर्ण हो गया। सैमसन ने कहा यहीं पर मेरे अनुभव ने अहम भूमिका निभाई। मुझे अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन जब विकेट गिरते रहे तो मुझे लगा कि मुझे मैच का सकारात्मक अंत करना होगा। उन्होंने कहा आप हमेशा ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है। इसलिए मुझे खुशी है कि इस मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। जब आप दबाव वाली परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप अलग-अलग विकल्प अपनाते हैं और जोखिम भरे विकल्पों पर विचार करने के बजाय अधिक बाउंड्री लगाते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए सैमसन ने अपनी तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा यह मानवीय प्रकृति है कि हम अक्सर नकारात्मक सोच से शुरुआत करते हैं, जैसे क्या मैं ऐसा कर सकता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर सकता हूं।'' जब भी मेरे मन में ऐसे विचार आते हैं तो मैं उन्हें सकारात्मक विचार से बदलने की कोशिश करता हूं। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था लेकिन चीजें मेरे अनुकूल नहीं रही। सौभाग्य से मुझे 10 दिन का समय मिल गया। सैमसन ने कहा मैंने आत्ममंथन किया। मैंने अपनी बुनियाद पर काम किया कि मैंने खुद को कैसे तैयार किया था। बहुत से लोगों ने सुझाव दिए मैंने खुद से कहा कि ''संजू, तुमने इसी प्रारूप में तीन अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं। जब सैमसन से पूछा गया कि कोलकाता में खेली गई उनकी पारी उनके लिए क्या मायने रखती है, तो उन्होंने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि वह उस सपने को जी रहे हैं जिसे उन्होंने बचपन से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा भारत में सौ से अधिक क्रिकेटर ऐसे दिन का सपना देखते हैं। मैंने सपना देखने की हिम्मत की। केरल के त्रिवेंद्रम का एक युवा लड़का देश के लिए खेलने और इतने महत्वपूर्ण मैच में जीत हासिल करने का सपना देख रहा था। मैंने सपना देखने की हिम्मत की और यह सच हो गया।

सभी चाहते थे कि संजू अच्छा प्रदर्शन करे

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि संजू सैमसन इतने अच्छे इंसान हैं कि हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में खेली गई उनकी निर्णायक पारी ने उनके प्रशंसकों पर से भी दबाव कम कर दिया होगा।

सैमसन ने रविवार रात कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में नाबाद 97 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा 97 रन की इस नाबाद पारी ने न सिर्फ संजू सैमसन पर से बड़ा बोझ हटा दिया है बल्कि उन लोगों पर से भी बोझ उतार दिया है जो जानते हैं कि वह कितने बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए हैं। वह बहुत ही अच्छे इंसान हैं। हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। विश्व कप से पहले सैमसन का प्रदर्शन खराब रहा था। वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे थे। गावस्कर ने कहा सभी भारतीय प्रशंसक इस बात से खुश होंगे कि इस ईमानदार क्रिकेटर को वह सफलता मिली है जिसका वह हकदार है। अब भारत गुरुवार को मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करेगा। गावस्कर ने कहा करो या मरो के मैच में मैन ऑफ द मैच बनना सपना सच होने जैसा है। मैच विजेता पारी खेलने के बाद संजू के चेहरे पर भाव साफ झलक रहे थे। वह शतक से सिर्फ तीन रन दूर थे और अगर वह शतक तक पहुंच जाते तो यह शानदार होता।

संजू को सफेद गेंद की टीम में नियमित खेलना चाहिए

कोलकाता, एजेंसी

● पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सैमसन का किया समर्थन

इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मजबूत प्रतिद्वंद्वी होगी। उन्हें वैसा ही खेलना होगा जैसा उन्होंने कल के मैच में जीत दिलाई थी। भारत के लिए सबसे अच्छी बात यह रही है कि टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ निराशाजनक सीरीज के बाद संजू सैमसन ने शीर्ष क्रम में फॉर्म में वापसी की है।

\- सौरव गांगुली

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को संजू सैमसन को भारत की सफेद गेंद की टीमों में नियमित रूप से शामिल किए जाने का समर्थन किया और टी20 विश्व कप से पहले इस आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज की आलोचना पर हैरानी व्यक्त की। सैमसन की 50 गेंद में नाबाद 97 रन की पारी से भारत ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टरफाइनलमें 196 रन के लक्ष्य का पीछा किया। इसे एक शानदार पारी बताते हुए गांगुली ने कहा वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। उसे सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए लगातार खेलना चाहिए, शत प्रतिशत।

उन्होंने कहा यह मुकाबला लगभग क्वार्टर फाइनल जैसा था और 97 रन पर नाबाद रहना उसके कौशल को दिखाता है। वह इस तरह का खिलाड़ी है। जब वह मैदान में उतरता है तो विरोधी टीम को नुकसान पहुंचाता है। सैमसन ने यह पारी उस दिन खेली जब भारत के मुख्य बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या सस्ते में आउट हो गए। लेकिन सैमसन ने दबाव से अच्छी तरह निपटते हुए आखिर तक बिना किसी जोखिम के बल्लेबाजी की।

गांगुली ने आगे कहा वह परिस्थिति के हिसाब से खेला और यह जरूरी था। इससे हम सभी को यह सीख मिलती है कि यह वही लड़का है जो पिछले छह महीनों में टीम में अपनी जगह नहीं बना पाया, भले ही ईशान किशन पारी का आगाज कर रहा हो या कोई और आ रहा हो। उन्होंने कहा विश्व कप से ठीक पहले मैं अखबार में पढ़ता था कि संजू फिर विफल हो गया वह टीम में शामिल होने का हकदार नहीं भारत में इतनी प्रतिभा है, शुभमन गिल टीम में क्यों नहीं है? और फिर यही लड़का क्वार्टरफाइनल जैसे मैच 97 रन बनाकर नाबाद रहता है और आपको सेमीफाइनल में पहुंचा देता है। गांगुली ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मुश्किल होगी और कहा कि मुंबई में सेमीफाइनल की मुश्किल पार करने के लिए घरेलू टीम को अपनी बेहतरीन फॉर्म बनाए रखनी होगी।

सेमीफाइनल	
टीम	तारीख
न्यूजीलैंड बनाम द. अफ्रीका	4 मार्च
भारत बनाम इंग्लैंड	5 मार्च
फाइनल	
सेमीफाइनल विजेता टीम	8 मार्च

क्रिकेट एक टीम गेम है : गंभीर

कोलकाता, एजेंसी

● कई वर्षों से हम सिर्फ कुछ खास योगदान की ही बात करते आए हैं

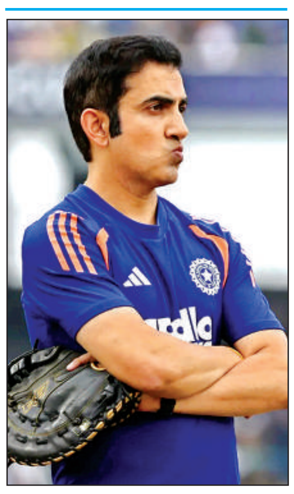

गौतम गंभीर का मानना है की टीम गेम में प्रत्येक खिलाड़ी का छोटा या बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है लेकिन भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से इसका अभाव रहा है। भारत के मुख्य कोच ने कहा कि अगर शिवम दुबे ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 19वें ओवर दो चौके नहीं लगाए होते तो संजू सैमसन की 97 रन की मैच विजेता पारी की कोई बात नहीं कर रहा होता।

गंभीर ने कहा कि जब तक वह कोच हैं, प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान का पूरे सम्मान के साथ उल्लेख किया जाएगा। गंभीर ने पत्रकारों से कहा मुझे खुशी है कि आप सभी के योगदान के बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि कई वर्षों से हम केवल कुछ विशेष योगदानों के बारे में ही बात करते रहे हैं। यह एक टीम गेम है और यह हमेशा टीम गेम ही रहेगा। उन्होंने कहा मेरे लिए शिवम के दो चौके भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने संजू के 97 रन, क्योंकि अगर उसने वे दो चौके नहीं लगाए होते तो आप उस (97 रन की पारी) के बारे में बात भी नहीं करते।''''
गंभीर ने कहा बड़ा योगदान सुर्खियां बटोरता है, लेकिन छोटा योगदान भी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वह टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकता है, उसे लक्ष्य तक पहुंचा सकता है। इसीलिए मैं कहता हूं कि जब तक मैं इस पद पर हूं, हमारी आगे भी यही नीति रहेगी। दुनिया भर के कोच आंकडों (डेटा) को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इनमें गंभीर शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा सच कहूं तो मुझे आंकड़ों पर भरोसा नहीं है। मैंने कभी आंकड़े देखे ही नहीं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आंकड़े होते क्या हैं। मैं उन पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं करता, क्योंकि मुझे लगता है कि वे अधिकतर सहज ज्ञान पर आधारित होते हैं। गंभीर की यह टिप्पणी आश्चर्यजनक थी क्योंकि टीम डेटा विश्लेषक हरि प्रसाद पर काफी हद तक निर्भर रहती है।

भारतीय कोच ने कहा टी20 क्रिकेट में सहज ज्ञान और उस सहज ज्ञान पर भरोसा करना ही सब कुछ है। खेल और टी20 प्रारूप के बारे में मुझे जो भी जानकारी है, मैं उसे कप्तान को देने और जितना हो सके उनकी मदद करने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा लेकिन आखिर में फैसला कप्तान को करना होता है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे आंकड़ों पर कोई विश्वास नहीं है क्योंकि इन्हें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। मेरे लिए यह बहुत सौभाग्य की बात है कि हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल के बारे में गंभीर ने कहा उनकी (इंग्लैंड) टीम एक विश्वस्तरीय टीम हैं। उनके पास कई बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं और हम सभी जानते हैं कि वानखेड़े में खेलना आसान नहीं होता है। उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

जहीर के बाद भज्जी से संपर्क किया बीसीसीआई ने

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करने में मदद के लिए अपने पूर्व क्रिकेटरों से संपर्क किया है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज जहीर खान और हरभजन सिंह शामिल हैं। उनसे बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में विशेष शिविरों में अपनी सेवाएं देने के लिए कहा है।

बीसीसीआई ने इन शिविरों के कुछ खिलाड़ियों की सूची तैयार की है। इस सूची में ऐसे खिलाड़ी शामिल किए गए हैं जो भविष्य में भारत की तरफ से खेल सकते हैं। इन खिलाड़ियों में आयु वर्ग और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के अलावा भारत ए और भारत की सीनियर टीम की तरफ से कुछ मैच खेलने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान युवा तेज गेंदबाजों के साथ पांच दिवसीय शिविर के लिए पहले ही बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। ये युवा गेंदबाज सीनियर टीम में जगह बनाने के करीब हैं या उसके लिए कुछ मैच खेल चुके हैं। सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने इससे सुखद परिणाम की उम्मीद जताई है।

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

ऑरलैंडो, एजेंसी

लियोनेल मेसी ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जबकि डिफेंडर टेलास्को सेगोविया ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की जिससे मौजूदा चैंपियन इंटर मियामी ने एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट में ऑरलैंडो सिटी को 4-2 से हराकर इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में पहली बार जीत हासिल की।

पहले हाफ में दो गोल से पिछड़ने के बाद मियामी की तरफ से पहला गोल दूसरे हाफ के चौथे मिनट में माटेओ सिल्वेट्टी ने किया। मेसी ने सेगोविया से पास लेकर 57वें मिनट में अपना पहला गोल किया और इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सेगोविया ने 85वें मिनट में गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई। मेसी ने 90वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके मियामी की जीत सुनिश्चित कर दी। अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी इस तरह से एमएलएस में 52 गोल कर चुका है। मार्को पासलिच ने इवान एंगुलो से पास पर 18वें मिनट में गोल करके ऑरलैंडो सिटी को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद मार्टिन ओजेडा ने गोल किया जिससे ऑरलैंडो सिटी को 2-0 की बढ़त मिल गई।

ईरान का विश्व कप फुटबॉल में खेलना संदिग्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने खेल पोर्टल वर्जेश3 से कहा निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते। अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है।विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

विचार

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट व वनडे कप्तान बोले- क्रिकेट भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए

हाथ नहीं मिलाने की नीति अच्छी नहीं लगती : तेम्बा बावुमा

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के प्रेरणादायी टेस्ट और वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय मैचों के दौरान खिलाड़ियों द्वारा हाथ नहीं मिलाना खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे मौजूदा टी20 विश्व कप के कमेंट्री पैनल में शामिल बावुमा ने कहा भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में 'नो हैंडशेक (हाथ नहीं मिलाने)' नीति के अलावा अन्य मुद्दों पर बात की। सामाजिक मुद्दों पर बेबाक राय रखने के लिए पहचाने जाने वाले 35 वर्षीय बल्लेबाज ने अपने देश में सभी को समान अवसर दिए जाने की जोरदार वकालत की और खेल को एकजुट करने वाली शक्ति पर भी बल दिया।

बावुमा ने कहा हां, अगर आप इसे बाहर से देखते हैं तो अच्छी नहीं लगती। यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा नहीं दिखता। आखिरकार यह भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए हैं कि हमसे एक खास व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने आगे कहा लेकिन जैसा मैंने कहा, यह बाहर से देखने का नजरिया है। मैं भारत और पाकिस्तान के बीच की राजनीति से पूरी तरह परिचित नहीं हूं, इसलिए उस दृष्टिकोण से कुछ नहीं कह सकता। लेकिन एक दर्शक के तौर पर, जो बिना पूरी पृष्ठभूमि जाने इसे देख रहा है, तो यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। दक्षिण अफ्रीका ने बावुमा की कप्तानी में पिछले साल जून में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद भारत में 25 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की थी। पिछले 12 महीनों में मिली बड़ी सफलताओं ने 'चोकर्स' के तमगे से भी काफी हद तक मुक्त कर टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है।

पीसीबी ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के लिए अपने खिलाड़ियों पर लगाया जुर्माना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये (लगभग 18000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में सुपर आठ स्टेज के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया और लगातार चौथी बार आईसीसी पुरुष टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाया। पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। क्रिकइनफो की रिपोर्ट के अनुसार जुर्माना डिसिप्लिनरी कारणों से नहीं है, बल्कि खास तौर पर बोर्ड के अनुसार टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के लिए लगाया गया है। ये जुर्माना ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मैच के तुरंत बाद लगाया गया था, जहां खराब प्रदर्शन के कारण 61 रन से हार मिली थी। उन्हें बताया गया था कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचता है तो जुर्माना माफ किया जा सकता है। हालांकि, मौजूदा पीसीब प्रबंधन के पास बड़े टूर्नामेंट में निराशा के बाद सजा देने का यह तरीका है। पांच महीने पहले, एशिया कप फाइनल में भारत से मिली करीबी हार के बाद, पीसीबी ने खिलाड़ियों को दिए गए सभी नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया था।